राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, सोमवार, 01 जून 2026

वर्ष 07, अंक 235, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

रौता चौकी से चंद कदम दूर फायरिंग, इलाके में दहशत; आरोपियों की तलाश में चार पुलिस टीमें गठित...02

शिवली पुलिस से मुठभेड़ में शातिर लुटेरा राहुल गिरफ्तार, मुकदमें एक दर्जन से अधिक...11

'ई साला कप नामडू', RCB ने लगातार दूसरी बार जीता IPL खिताब; GT पर दर्ज की 'विराट' जीत

● आईपीएल के इतिहास में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्टक्क) ने पहली बार टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है. विराट कोहली की टीम ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हरा दिया. आरसीबी की इस जीत पर टीम के पहले मालिक विजय माल्या ने भी बधाई दी.

नई दिल्ली। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली के अर्धशतक के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार आईपीएल की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। बेंगलुरु ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 5 विकेट से जीत हासिल की। इसी के साथ बेंगलुरु आईपीएल इतिहास की तीसरी टीम बन गई है, जिन्होंने लगातार दो बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। आरसीबी से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 और 2011 में ये कारनामा किया था। मुंबई इंडियंस ने 2019 और 2020 में अपनी ट्रॉफी को डिफेंड किया था। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए थे। 156 रनों के लक्ष्य को रजत पाटीदार की अगुवाई वाली टीम ने 18 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इसी के साथ उन्होंने फाइनल मैच को 5 विकेट से अपने नाम किया।

बेंगलुरु ने की गुजरात के खिलाफ धारदार गेंदबाजी

बेंगलुरु ने फाइनल में धारदार गेंदबाजी करते हुए शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस को 20 ओवर में आठ विकेट पर महज 155 रन पर रोक दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की धीमी पिच पर आरसीबी के गेंदबाजों ने ऐसी सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी की कि गुजरात के बल्लेबाज कभी भी लय हासिल नहीं कर सके। कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय किया और आरसीबी के गेंदबाजों ने उनकी रणनीति को एकदम सही साबित किया।

जोश हेजलवुड (2/29) और भुवनेश्वर कुमार (2/37) की अगुवाई में तेज गेंदबाजों ने लगातार छोटी और शरीर की तरफ आती गेंदों का इस्तेमाल किया, जिससे गुजरात के बल्लेबाज खुलकर शॉट नहीं खेल सके। काली और लाल मिट्टी के मिश्रण वाली पिच बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं थी। गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही थी और यही गुजरात की बल्लेबाजी में भी साफ दिखाई दिया। पूरी पारी के दौरान केवल वॉशिंगटन सुंदर ही ऐसे बल्लेबाज रहे जिन्होंने संघर्ष करते हुए अविजिति अर्धशतक लगाया। उन्होंने 37 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 50 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला।

फाइनल में फेल गिल और सुदर्शन की जोड़ी

गुजरात की शुरुआत भी उम्मीद के

मुताबिक नहीं रही। टीम को अपने दो सबसे सफल बल्लेबाजों कप्तान शुभमन गिल (10) और साई सुदर्शन (12) से बड़ी पारी की उम्मीद थी। दोनों खिलाड़ियों ने इस सीजन 700 से अधिक रन बनाए हैं, लेकिन फाइनल में वे प्रभाव छोड़ने में विफल रहे। गिल ने संभलकर शुरुआत की, लेकिन हेजलवुड की गेंद पर उनका शॉट बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर सीधा कप्तान रजत पाटीदार के हाथों में चला गया।

इसके बाद साई सुदर्शन भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। उन्हें पहले डीआरएस के जरिए जीवनदान मिला, लेकिन भुवनेश्वर की उछाल लेती गेंद पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में वे विकेटकीपर जितेश शर्मा को कैच थमा बैठे। दोनों सलामी बल्लेबाजों के जल्दी आउट होने के बाद गुजरात की पारी लड़खड़ा गई। पावरप्ले समाप्त होने तक टीम का स्कोर दो विकेट पर सिर्फ 45 रन था। इसके बाद जोस बटलर और वॉशिंगटन सुंदर ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रन गति बढ़ाने में असफल रहे। गुजरात ने सुंदर के दम पर 155 रनों का स्कोर खड़ा किया।

बेंगलुरु की ताबड़तोड़ शुरुआत

156 रनों के स्कोर का पीछा करने उतरी बेंगलुरु की टीम ने ताबड़तोड़ शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज के रूप में आरसीबी के लिए विराट कोहली और वेंकटेश अय्यर क्रीज पर आए। दोनों ने टीम को तेज तर्रार शुरुआत दिलाई और टीम ने 3.3 ओवरों में ही 50 रन पूरे कर लिए। पहले विकेट के लिए दोनों बल्लेबाजों ने 62 रनों की साझेदारी की।

गुजरात को मिले लगातार दो विकेट

मोहम्मद सिराज ने वेंकटेश अय्यर को आउट कर गुजरात को पहली सफलता दिलाई। हालांकि, उस वक्त तक बेंगलुरु ने मुकाबले में पकड़ बना ली थी। सिराज ने अय्यर को 32 रनों के स्कोर पर मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया। इसके बाद उसके अगले ही ओवर में कगिसो रबाडा ने देवदत्त पडिक्कल को 1 रन के स्कोर पर अपना शिकार बना लिया। गुजरात ने लगातार दो विकेट से वापसी की लेकिन उन्होंने बल्ले से अधिक रन नहीं बनाए थे।

राशिद खान ने दिया दोहरा झटका

राशिद खान मुकाबले में 9वां ओवर डालने के लिए आए और उन्होंने कमाल की गेंदबाजी की। राशिद ने मात्र 3 रन खर्चे और 2 विकेट हासिल किए। उन्होंने पहले बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार को मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया। इसके बाद क्रुणाल पांड्या को भी अपना शिकार बनाया और गुजरात की मुकाबले में कुछ हद तक वापसी कराई।

विराट कोहली ने जड़ा अर्धशतक

बेंगलुरु ने शानदार शुरुआत के बाद भले ही लगातार विकेट गंवाए लेकिन विराट कोहली एक छोर पर क्रीज पर जमे रहे। उन्होंने 25 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया और गुजरात को मुकाबले में हावी होने का मौका नहीं दिया। उन्होंने 42 गेंदों पर नाबाद 75 रनों की पारी खेली।

RCB ने लगातार दूसरी बार जीती ट्रॉफी

बेंगलुरु ने 156 रनों के लक्ष्य को 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इसी के साथ उन्होंने दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया है। बेंगलुरु के लिए विराट कोहली ने फाइनल में कमाल की बल्लेबाजी की और अपने आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी लगाई। इसी के साथ उन्होंने बेंगलुरु को दूसरा खिताब भी दिलाया।

SIR के लिए चुनाव आयोग का तीसरा चरण शुरू, इन राज्यों में चलेगा घर-घर अभियान

» भारत निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण (SIR) का तीसरा चरण शुरू किया है. ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में 30 मई 2026 से घर-घर सत्यापन जारी है. इसका उद्देश्य योग्य नागरिकों को सूची में शामिल करना और अयोग्य को हटाना है

भारत निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची की विशेष जांच (SIR) के तीसरे चरण की शुरुआत कर दी है. इसी के तहत ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में 30 मई 2026 से मतदाताओं की गिनती और सत्यापन का काम शुरू हो गया है। यह प्रक्रिया संविधान और चुनाव कानूनों के तहत की जा रही है. इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रहे और कोई अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल न हो।

निर्वाचन आयोग के 14 मई 2026 के आदेश के अनुसार इन चार राज्यों में यह अभियान चल रहा है. बूथ स्तर के अधिकारी (BLO) घर-घर जाकर सभी मौजूदा मतदाताओं को फॉर्म दे रहे हैं. मतदाता इन फॉर्मों को भरकर BLO के जरिए या ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

जिन लोगों के फॉर्म 28 जून 2026 तक चुनाव अधिकारी (ERO) के पास पहुंच जाएंगे, उनके नाम मसौदा वोटर लिस्ट में शामिल किए जाएंगे. जो लोग इस तारीख तक फॉर्म जमा नहीं कर पाएंगे, वे बाद में दावा और आपत्ति अवधि के दौरान फॉर्म-6 और घोषणा पत्र के जरिए आवेदन कर सकते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका

प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए आयोग ने राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (BLA) को भी फॉर्म जमा करने की अनुमति दी है. प्रत्येक BLA रोजाना अधिकतम 50 फॉर्म लोगों से लेकर जमा कर सकता है राष्ट्रीय और राज्य स्तर के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल जरूरत पड़ने पर और अधिक BLA नियुक्त कर सकते हैं।

घर-घर सर्वे के दौरान BLA के पास कम से कम 30 खाली फॉर्म-6 और घोषणा पत्र होना जरूरी है. इससे नए मतदाता बनने के इच्छुक लोगों को तुरंत फॉर्म दिए जा सकेंगे

राज्यों के अनुसार आंकड़े

ओडिशा

मतदाताः 3,34,14,856 BLO: 38,123 BLA: 8,391

मिजोरम

मतदाताः 8,75,008 BLO: 1,353 BLA: 3,430

सिक्किम

मतदाताः 4,71,077 BLO: 572 BLA: 681

मणिपुर

मतदाताः 20,92,140 BLO: 2,996 BLA: 5,003

निर्वाचन आयोग ने सभी योग्य मतदाताओं से इस अभियान में हिस्सा लेने और घर-घर आने वाले चुनाव अधिकारियों को पूरा सहयोग देने की अपील की है।

संक्षिप्त ख़बरें

गिट्टी लादकर जा रहा ट्रेलर अनियंत्रित होकर नेशनल हाईवे पर पलटा,बाल बाल बचा चालक

मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लहुरियादह गांव में टाइगर प्वाइंट के पास रविवार सुबह गिट्टी लादकर मीरजापुर की ओर जा रहा ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। संयोग ठीक था कि हादसे में ट्रेलर चालक बाल बाल बच गया। मध्यप्रदेश से गिट्टी लादकर मीरजापुर की ओर जा रहा ट्रेलर जैसे ही लहुरियादह गांव में टाइगर प्वाइंट के आगे पहुंचा तो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। घटना में 30 वर्षीय ट्रेलर चालक संजय निवासी लहुरियादह बाल बाल बच गया। सूचना पर पहुंचे एसआई सुभाष यादव हेड कांस्टेबल घनश्याम यादव ने घटना की जांच की।ट्रेलर पलटने से एक लेन से आवागमन बाधित हो गया है। वाहन मध्यप्रदेश की ओर जाने वाले लेन से आवागमन कर रहे हैं।एसआई सुभाष यादव ने बताया कि लहुरियादह गांव में हाइवे पर गिट्टी लदे ट्रेलर के पलटने से एक लेन से आवागमन बाधित हो गया है।पलटे ट्रेलर को हटवाने के एनएचएआई और ट्रेलर मालिक को सूचित कर दिया गया है। जल्द ही पलटे ट्रेलर को हटा दिया जाएगा। एक लेन से वाहनों का आवागमन हो रहा है।

'किसी को घड़ी से पहचाना तो किसी को आवाज से...', साकेत हादसे में छात्रों ने बयां किया दर्द

नई दिल्ली। वेस्ट इंड मार्ग पर शनिवार की शाम आम दिनों की तरह ही चहल-पहल से भरी थी। कोचिंग में छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे, तो कैंटीन में कोई चाय पी रहा था तो कोई मित्र से मिलने आया था। लेकिन, तभी एक ऐसा भयानक शोर, जिससे सैदुलाजाब इलाका दहल उठा। उसने सब कुछ तबाह कर दिया। पल भर में ही चीख-पुकार मच गई और आसमान में धूल का ऐसा गुबार छाया कि कुछ भी दिखाई देना बंद हो गया। नोएडा के जलवायु विहार से मित्रों से मिलने आए क्षितिज प्रताप ने उस खौफनाक मंजर को याद करते हुए बताते हैं कि वह कैंटीन में बैठकर अपने मित्रों के आने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कैंटीन संचालिका को मैगी बनाने का आर्डर दिया था। तभी पहले बिल्डिंग से हल्का प्लास्टर झड़ने लगा और हल्की कंपन हुई, जिसके बाद कैंटीन में बैठे लगभग 20- 25 छात्रों बाहर चीखते हुए भागने लगे। वह भी बाहर की ओर भागे, तब तक इमारत भरभराकर गिर गई और वह मलबे के नीचे दब गए।

CBSE की सुरक्षा प्रणाली में बड़ी सेंध, 19 वर्षीय हैकर का दावा- इंटरनेट पर लीक हुईं 18 लाख से अधिक छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सीबीएसई की आन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से जुड़ी उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे दावे अब नए सवालों के घेरे में आ गए हैं। अब तक विवाद धुंधली स्कैन कापियों, मूल्यांकन संबंधी शिकायतों और पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया तक सीमित था, लेकिन अब 18 लाख से अधिक छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं और परीक्षा संबंधी डाटा इंटरनेट पर प्रसारित होने के बाद कापियों की गोपनीयता को लेकर चिंता बढ़ा गई है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन स्कैन उत्तर पुस्तिकाओं की प्रति प्राप्त करने के लिए छात्र 100 रुपये प्रति कापी का शुल्क देकर आवेदन कर रहे थे वो स्कैन प्रतियां इंटरनेट पर बिना अनुमति निश्शुल्क उपलब्ध थीं, जिन्हें कोई भी डाउनलोड कर सकता था। 19 वर्षीय छात्र और स्वयं को हैकर बताने वाले निसर्ग अधिकारी ने दावा किया है कि एडब्ल्यूएस (एडब्ल्यूएस) स्टोरेज बकेट की कॉन्फिगरेशन में कमी के कारण कोई भी व्यक्ति बिना किसी प्रमाणीकरण के स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं तक पहुंच सकता था।

निसर्ग ने इंटरनेट मीडिया पर इससे जुड़ा वीडियो अपलोड कर दावा किया कि संबंधित स्टोरेज में वर्ष 2026 की स्कैन उत्तर पुस्तिकाएं, प्रश्नपत्र और अन्य परीक्षा सामग्री मौजूद थी। उसका दावा है कि एक ही स्टोरेज ढांचे का उपयोग विभिन्न संस्थानों द्वारा किया जा रहा था, जिससे डाटा सुरक्षा का जोखिम और बढ़ जाता है। उसके द्वारा साझा स्क्रीनशाट में बड़ी संख्या में स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं की फाइलें दिखाई दे रही हैं। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ दिन पहले ही सीबीएसई ने इन आरोपों को भ्रामक बताते हुए खारिज किया था। बोर्ड का दावा था कि इंटरनेट मीडिया पर जिस पोर्टल और डाटा का उल्लेख किया जा रहा है, वह केवल परीक्षण (टेस्टिंग) वातावरण से जुड़ा था, जिसमें नमूना डाटा रखा गया था। बोर्ड के अनुसार वास्तविक मूल्यांकन प्रणाली अलग है और उसमें किसी प्रकार की सुरक्षा सेंध नहीं लगी है।

स्कैन तस्वीरों में मुड़ी छाया वाली और हाथ रखी कापियां

अब कापियों की गोपनीयता ही नहीं, बल्कि स्कैनिंग प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। कई प्रतियों में कागज की सिलवटें, किनारों पर

छाया (ड्राप शैडो) और तस्वीर जैसी बनावट दिखाई दे रही है। यहां तक कि एक पन्ने पर किसी व्यक्ति का हाथ भी दिखाई दिया। इसके बाद छात्रों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि यदि उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग उच्च गुणवत्ता वाले स्कैनरों से की गई थी, तो प्रतियों में इस प्रकार की दृश्य खामियां क्यों दिखाई दे रही हैं। निसर्ग ने हाल ही में एक वीडियो भी साझा किया था, जिसमें सीबीएसई से जुड़े एक पोर्टल पर वायरल बैड एप्पल एनीमेशन चलता दिखाई दिया। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा संदेश आमतौर पर तब दिखाया जाता है जब कोई व्यक्ति यह दावा करता है कि उसने डाटाबेस आधारित कमजोरी का फायदा उठाकर किसी प्रणाली तक पहुंच बनाई है। निसर्ग का आरोप है कि उसने पहले भी कई सुरक्षा कमजोरियों की जानकारी संबंधित एजेंसियों को दी थी।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा करोडो का नाला, मनोनीत सभासदों में आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। नगर पालिका परिषद अहरौरा के नई बाजार वार्ड मे पानी निकासी की समस्या के समाधान के लिए करोड़ों की लागत से नाला का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन मानक के विपरीत डाला गिट्टी की जगह लोकल गिट्टी डालकर ढलाई की जा रही है। कंक्रीट रेशियो भी ठीक ढंग से ना मिलाएं जाने के कारण नाले का गिट्टी हल्का सा छूने पर भी गिर रहा है। राज्यपाल द्वारा मनोनीत सभासदो द्वारा संज्ञान में आने पर उग्र विरोध किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस का दावा अहरौरा नगर मे हवा हवाई नजर आ रहा है।

नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी की चुप्पी एक अलग कहानी बयान कर रही है। स्थानीय सभासद सहित कई अन्य सभासदो ने इस पर आक्रोश जताया है। जिम्मेदार अधिकारियों से बात करने पर सभासदों को सांत्वना मिला कि,हा यह सच है कि घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है, फिलहाल काम रोक दिया गया है, ठेकेदार को नोटिस जारी किया जाएगा । लेकिन यक्ष प्रश्न यह है की क्या मानक में सुधार होता है या फिर टेबल के नीचे से समझौता।

नरेला के घर में युवक की संदिग्ध मौत, बदबू आने के बाद सामने आया मामला

बाहरी दिल्ली। नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाना इलाके के एक युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने घर से युवक का शव का बरामद किया। कई दिनों तक घर का दरवाजा नहीं खुला। तो घर से बदबू आने लगी। जिसके बाद पुलिस ने दरवाजा तोड़कर युवक का शव बरामद किया। रविवार को स्वर्ण जयंती कालोनी के एक घर में शव मिलने से हड़कंप मच गया। बदबू आने पर लोगों ने दरवाजा खटखटाया। लेकिन दरवाजा नहीं खुला। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची और दमकल विभाग को भी बुलाया गया। घर का दरवाजा तोड़कर देखा गया। तो शव बेड पर पड़ा हुआ था। पुलिस ने विभिन्न सबूतों को इकठ्ठा कर शव को पोस्टपार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान 33 वर्षीय विक्रम के रूप में हुई है। जो 12 वर्षो किराए के मकान में रह रहा था और फैक्ट्री में काम करता था। पड़ोसी अशोक कुमार ने बताया कि मृतक की पत्नी किसी ओर के साथ घर छोड़कर चली गई थी। जिसके जाने के बाद मृतक परेशान चल रहा था। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुटी हुई है।

जारी रहेगा शालीमार बाग में अवैध निर्माण हटाने का काम, सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

● दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई जारी है. डीएम एस.एस. परिहार ने बताया कि यह कार्रवाई 30 मीटर राइट ऑफ वे में से 10.5 मीटर अतिक्रमित क्षेत्र में की जा रही है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में डिमोलिशन की कार्रवाई को लेकर मध्य-उत्तर जिला के जिलाधिकारी एस.एस. परिहार ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखने के बाद रविवार सुबह से शालीमार बाग स्थित गांव हैदरपुर क्षेत्र में रोड नंबर-320 के निर्धारित राइट ऑफ वे के भीतर बने अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई. प्रशासन ने साफ किया है कि यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी, जब तक निर्धारित क्षेत्र में स्थित सभी अवैध संरचनाओं (स्ट्रक्चर्स) को हटाकर सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए भूमि उपलब्ध नहीं करा दी जाती। मध्य-उत्तर जिला के जिलाधिकारी (डीएम) एस.एस. परिहार ने बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश्बुलेंस, अग्निशमन वाहनों तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

जुलाई 1980 में हुआ था कब्जा

डीएम के मुताबिक संबंधित भूमि का अधिग्रहण दिल्ली के नियोजित विकास के लिए वर्ष 1959 और 1961 की अधिसूचनाओं के माध्यम सड़क शालीमार बाग रेलवे अंडर ब्रिज (RUB) को आउटर रिंग रोड से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण यातायात गलियारे का हिस्सा है। यह मार्ग रिंग रोड, आजादपुर, शालीमार बाग तथा आसपास के बड़े आवासीय, व्यावसायिक एवं संस्थागत क्षेत्रों को जोड़ता है. इसके माध्यम से अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और विकसित हो रहे प्रशासनिक परिसरों तक पहुंच सुनिश्चित होती है. उन्होंने कहा कि सड़क की वर्तमान चौड़ाई अतिक्रमणों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है, जिससे नियमित यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न होती है और एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहनों तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

जुलाई 1980 में हुआ था कब्जा

डीएम के मुताबिक संबंधित भूमि का अधिग्रहण दिल्ली के नियोजित विकास के लिए वर्ष 1959 और 1961 की अधिसूचनाओं के माध्यम से प्रारंभ किया गया था. साल 1966 में भूमि अधिग्रहण की घोषणा जारी की गई तथा वर्ष 1980 में अवार्ड संख्या 40/1980-81 और 50/1980-81 घोषित किए गए. जुलाई 1980 में भूमि का कब्जा लिया गया तथा वर्ष 1981 में शेष मुआवजा राशि भी जमा करा दी गई. इस प्रकार भूमि अधिग्रहण व मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया चार दशक से अधिक समय पहले पूर्ण हो चुकी थी।

डीएम परिहार ने कहा कि वर्ष 2025 में डीडीए, राजस्व विभाग, भूमि एवं भवन विभाग तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से टोटल स्टेशन मेथड (टीएसएम) तकनीक से भूमि का वैज्ञानिक सीमांकन कराया गया. 10 जनवरी 2026 को किए गए संयुक्त सर्वेक्षण में पाया गया कि निर्धारित 30 मीटर राइट ऑफ वे के भीतर कुल 143 अनधिकृत पक्के निर्माण मौजूद हैं।

इनमें लगभग 19.5 मीटर क्षेत्र में मौजूदा सड़क है, जबकि लगभग 10.5 मीटर क्षेत्र अतिक्रमण के कारण अवरुद्ध है. उन्होंने बताया कि प्रशासन ने परियोजना के क्रियान्वयन में न्यूनतम हस्तक्षेप का सिद्धांत अपनाया है. यद्यपि स्वीकृत राइट ऑफ वे 30 मीटर है, फिर भी वर्तमान चरण में केवल आवश्यक 10.5 मीटर क्षेत्र में ही कार्रवाई की जा रही है, ताकि अधिकतम संख्या में संरचनाओं को बचाया जा सके और जनहित तथा न्यूनतम विस्थापन के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके।

आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए जारी किया नोटिस

डीएम ने जानकारी दी कि जनवरी 2026 में सार्वजनिक नोटिस जारी कर प्रभावित व्यक्तियों से आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं. नोटिस प्रमुख समाचार पत्रों में भी प्रकाशित किए गए। सभी आपत्तियों पर विचार करने के बाद भूमि अधिग्रहण कलेक्टर द्वारा 20 मार्च 2026 को आदेश पारित किया गया. उन्होंने कहा कि इसके पश्चात कुछ निवासियों द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर भूमि अधिग्रहण को वर्ष 2013 के कानून की धारा 24(2) के अंतर्गत समाप्त घोषित करने तथा प्रशासनिक कार्रवाई को चुनौती देने का प्रयास किया गया. न्यायालय के समक्ष सरकार ने रिकॉर्ड प्रस्तुत किया कि भूमि का अधिग्रहण वैध रूप से पूरा हो चुका है, मुआवजा जमा कराया जा चुका है तथा कब्जा भी लिया जा चुका है।

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को रखा बरकरार

डीएम ने बताया कि 6 अप्रैल 2026 को दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं के पास पूर्व-अधिग्रहण स्वामित्व के वैध दस्तावेज नहीं हैं, भूमि का अधिग्रहण वैध है तथा सार्वजनिक महत्व की सड़क परियोजना को रोका नहीं जा सकता। इसके बाद 18 मई 2026 को पुनर्विचार याचिका भी खारिज कर दी गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की. 29 मई 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई हुई और न्यायालय ने विशेष अनुमति याचिका खारिज करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा. इसके साथ ही प्रशासन के पक्ष को अंतिम न्यायिक स्वीकृति प्राप्त हो गई।

डीएम एस.एस. परिहार ने कहा कि दिल्ली सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रभावित पात्र परिवारों के लिए विशेष सहायता पैकेज भी घोषित किया है. इसके अंतर्गत प्रत्येक पात्र परिवार अथवा इकाई को 3 लाख रुपये की एकमुश्त एक्स-ग्रेशिया सहायता प्रदान की जाएगी. इसके अतिरिक्त जिन परिवारों के पास दिल्ली में कोई वैकल्पिक आवास उपलब्ध नहीं है, उन्हें सावदा घेवरा स्थित आवासीय इकाइयों में 11 माह तक लाइसेंस आधारित अस्थायी आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

क्या है प्रशासन का उद्देश्य?

उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य एक ओर न्यायालय के आदेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करना है, वहीं दूसरी ओर प्रभावित परिवारों को यथासंभव सहायता प्रदान करना भी है. उन्होंने कहा कि रोड नंबर-320 का चौड़ीकरण राजधानी की एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक अवसंरचना परियोजना है, जिसके पूरा होने से यातायात व्यवस्था में सुधार, आपातकालीन सेवाओं की सुगम आवाजाही तथा क्षेत्र के लाखों लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी।

संक्षिप्त खबरें

खरगूपुर क्षेत्र में युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर सोशल मीडिया में उठे सवाल, कार्रवाई की मांग तेज

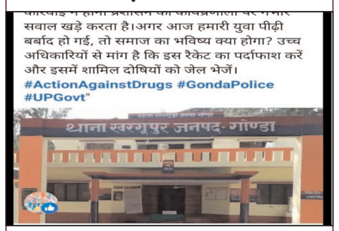

गोण्डा। खरगूपुर थाना क्षेत्र में युवाओं के बीच कथित रूप से बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को लेकर सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा हो रही है। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्थानीय नागरिकों द्वारा चिंता व्यक्त करते हुए शासन-प्रशासन से इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई की मांग की जा रही है।सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में इसके गंभीर सामाजिक परिणाम सामने आ सकते हैं। लोगों का मानना है कि युवा किसी भी समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति एवं भविष्य होते हैं। ऐसे में युवाओं का नशे जैसी बुराइयों की ओर आकर्षित होना चिंता का विषय है, जिस पर समय रहते रोक लगाना आवश्यक है।कई लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाओं में कहा है कि नशे की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए केवल जागरूकता अभियान ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि नशे के अवैध कारोबार से जुड़े तत्वों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की आवश्यकता है। नागरिकों का मानना है कि जब तक नशे की आपूर्ति करने वाले लोगों और नेटवर्क पर प्रभावी शिकंजा नहीं कसा जाएगा, तब तक इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं होगा।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में 'नशा मुक्ति अभियान विषय' पर ऑनलाइन संगोष्ठी आयोजित

सिद्धार्थनगर। एंटी टोबैको डे के अवसर पर 'नशा मुक्ति अभियान' विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एनसीसी के द्वितीय वर्ष के कैडेट रजनीश ने सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के चिकित्सक डॉ अरुण द्विवेदी ने कैडेट्स को तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों से अवगत कराया एवं ये भी बताया कि ये बीमारियां कितनी जानलेवा हो सकती है। इस अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के एनसीसी के ए एन ओ डॉ (ले.) प्रज्ञेश नाथ त्रिपाठी ने तंबाकू के सेवन एवं भारत सरकार के नशा मुक्ति अभियान के बारे में कैडेट्स को अवगत करवाया। इन्होंने बताया कि किस प्रकार बहुत से परिवार गंभीर बीमारियों के कारण सामाजिक व आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे है। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी ने कैडेट्स को सभी को जागरूक करने व नशे की लत में फंसे लोगों को नशा छुड़ाने के लिए सार्थक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रथम वर्ष के कैडेट कुशल त्रिपाठी ने सभी का धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में कैडेट दिव्या, खुशी, रीना, सपना, सुकृति, अभिषेक व अन्य उपस्थित रहे।

करंट की चपेट में मासूम की मौत, कोहराम मचा

लालगंज, प्रतापगढ़। करंट की चपेट में आने से मासूम की मौत हो गयी। मासूम की मौत होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। लीलापुर थाना के रानीगंज अजगरा बाजार में रविवार की सुबह मोहम्मद रफीक की छः वर्षीय पुत्री अरीबा घर में कूलर के पास खेल रही थी। अचानक वह कूलर के जरिये करंट की चपेट में आ गयी। मासूम की चीख पर परिजन उसे राजा प्रताप बहादुर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। बता दें मृतका का पिता रकीब रोजी रोटी के सिलसिले में परिवार सहित पूना में रहता था। पिछले एक माह से वह यहां घर आया हुआ था।

भगवान शिव का स्मरण हैं सुमंगलदायी-शिवाकांत द्विवेदी

लालगंज, प्रतापगढ़। पुरूषोत्तम माह को लेकर गौखाड़ी डगरारा स्थित बूढ़ेश्वर महादेव धाम में हो रहे श्री शिवशक्ति नारायण महायज्ञ में रविवार को श्रद्धालुओं का समागम दिखा। कथाव्यास पं. शिवाकान्त द्विवेदी ने श्री शिव महापुराण कथा के महत्व को समझाते हुए कहा कि भगवान शिव का नाम स्मरण जीवन का भाग्य संवार दिया करता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की आराधना सदैव निर्मल मन से ही करना चाहिए। वहीं कथाव्यास पं. मृत्युंजय द्विवेदी ने बताया कि भगवान शिव सर्वकल्याणकारी हैं। संयोजक धर्मेन्द्र सिंह चैहान ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। वहीं कथा के पूर्व हुए यज्ञ में श्रद्धालुओं ने लोकमंगल की प्रार्थना की। इस मौके पर पूर्व प्रधान राजू पाण्डेय, कप्तान सिंह, कमलाकांत पाण्डेय, विद्याधर ओझा, शिवबहादुर सिंह, जीतलाल गुप्ता, आलोक सिंह आदि रहे।

रौता चौकी से चंद कदम दूर फायरिंग, इलाके में दहशत; आरोपियों की तलाश में चार पुलिस टीमें गठित

● लेकिन अभी तक सफलता हासिल नहीं हो पाई है कहीं ना कहीं सिस्टम पर भारी लापरवाही हो रही है इसी तरह कानून व्यवस्था चला रहा तो आम आदमी सुरक्षित नहीं रहेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में आम आदमी का पुलिस से भरोसा उठ चुका है पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं कोतवाली थाना क्षेत्र की रौता चौकी से कुछ ही दूरी पर एक घर पर फायरिंग किए जाने की घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार विशेष टीमें गठित कर दी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ लोगों द्वारा एक घर को निशाना बनाकर फायरिंग किए जाने की सूचना पुलिस को मिली। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए और क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना पुलिस चौकी के नजदीक होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी।

क्षेत्राधिकारी सदर सत्येंद्र भूषण त्रिपाठी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई है, जिसमें संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर ली गई है। शिकायतकर्ता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। C. O. के अनुसार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं, जो संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है

और दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता देखी जा रही है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि पुलिस चौकी के नजदीक इस तरह की घटनाएं होती हैं तो आम लोगों में भय का माहौल स्वाभाविक है। हालांकि पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा। अछूते प्रश्न.......

आखिर अपराधियों को अवैध असलहा कहाँ से मिल रहा है

क्या पुलिस की मुखबरी व्यवस्था पंगु हो चुकी है

क्या पुलिस-बदमाश गठजोड़ के कारण मुखबिर सूचना देने से कतराने लगे हैक्या अपराध जगत किशोर और नवयुवकों का मनपसंद पेशा बनता जा रहा हैक्या पुलिस का खुफिया तंत्र पूरी तरह नाकाम हो चुका है।

कलवारी चौराहे पर आधी रात भीषण सड़क हादसा: कंटेनर-पिकअप की टक्कर में तीन गंभीर घायल, दुकानें क्षतिग्रस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्तीजिले के कलवारी थाना क्षेत्र स्थित राम-जानकी मार्ग पर शनिवार देर रात करीब 12:30 बजे एक भीषण सड़क दुर्घटना में मुर्गी लदी पिकअप और बेकरी सामान से भरे कंटेनर की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कंटेनर सड़क पर पलट गया, जबकि पिकअप वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में दोनों वाहनों के चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सिकरीगंज (गोरखपुर) से बेकरी का सामान लेकर दिल्ली जा रहा कंटेनर जैसे ही कलवारी चौराहे पर पहुंचा, तभी छावनी की ओर से आ रही मुर्गी लदी पिकअप से उसकी टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और दोनों वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा।

हादसे में पिकअप चालक 30 वर्षीय दिलशाद अंसारी, पिकअप में सवार 28 वर्षीय मोहम्मद उमर निवासी आजमगढ़ तथा कंटेनर चालक लवकुश निवासी बदायूं गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही कलवारी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरपुर भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज बस्ती से संबद्ध ओपेक चिकित्सालय कैली रेफर कर दिया।

दुर्घटना का असर आसपास की दुकानों पर भी पड़ा। टक्कर के बाद अनियंत्रित वाहन चौराहे के किनारे स्थित मंगल गुप्ता और मनोहर लाल गुप्ता की दुकानों से जा टकराए, जिससे दोनों दुकानों को नुकसान पहुंचा। वहीं पिकअप में लदी अधिकांश मुर्गियां भी दुर्घटना में मर गईं, जिससे वाहन मालिक को भारी आर्थिक क्षति हुई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया। प्रभारी निरीक्षक कलवारी संतोष कुमार ने बताया कि घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है तथा दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। राहत की बात यह रही कि हादसा देर रात हुआ, जिससे चौराहे पर भीड़ नहीं थी और कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई।

क्षेत्रीय विधायक को पत्र लिखकर ग्राम प्रधान ने की ट्रांसफार्मर लगाने की मांग

गोंडा। मेहनौन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत भवानियापुर उपाध्याय के ग्राम प्रधान संजय सोनी ने क्षेत्रीय विधायक विनय कुमार द्विवेदी को पत्र लिखकर श्री वीर हनुमान मंदिर परिसर में ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग की है। ग्राम प्रधान ने अपने पत्र में कहा है कि मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजनों, कथा-प्रवचन एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान बिजली की आवश्यकता बढ़ जाती है। वर्तमान विद्युत व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने के कारण श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने विधायक से मंदिर परिसर में अलग ट्रांसफार्मर स्थापित कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। ग्राम प्रधान ने बताया कि ट्रांसफार्मर लगने से मंदिर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी और क्षेत्र के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस मांग को लेकर वीर हनुमान मंदिर धर्मार्थ सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं ग्रामीण पं विनय कुमार शुक्ला पूर्व प्रधान कामिनी प्रसाद पाण्डेय, जनार्दन प्रसाद मिश्रा सहित अन्य समर्थकों ने मांग कियाहै तथा शीघ्र समाधान की अपेक्षा व्यक्त की है।

मन की बात कार्यक्रम में जुटे भाजपा कार्यकर्ता, संगठन मजबूती पर हुआ मंथन

● अमेठी पूरब गांव बूथ संख्या 105 पर जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, मंडल शुकुल बाजार के शक्ति केंद्र इन्दरिया के बूथ संख्या 61 पर वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला ने कार्यकर्ताओं के साथ पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को होना

● महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तथा जिला मंत्री आशा बाजपेई व डॉक्टर प्रज्ञा वाजपेई ने भी महिला मोर्चा की मातृ शक्तियों के साथ पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले भर के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड को उत्साहपूर्वक सुना गया। इस अवसर पर विभिन्न बूथों पर कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ कार्यक्रम का श्रवण कर संगठनात्मक बैठकों का भी आयोजन किया गया।भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ बूथ संख्या 105, पूरबगांव में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम के उपरांत आयोजित बूथ समिति की बैठक में उन्होंने संगठन की मजबूती, पन्ना प्रमुखों की सक्रियता, आगामी कार्यक्रमों तथा जनसंपर्क अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा की शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं और मजबूत बूथ संरचना में निहित है। जिलाध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं के उत्साह एवं समर्पण की सराहना की।

वहीं भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष एवं जिला मंत्री आशा वाजपेई ने मातृशक्तियों के साथ प्रधानमंत्री के विचारों को सुना तथा महिलाओं से समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा वाजपेई ने रानीगंज के बूथ संख्या 272 पर महिला कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम का श्रवण किया।

इसी क्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला ने शक्ति केंद्र इन्दरिया के बूथ संख्या 61 पर मीडिया विभाग के सहसंयोजक सुशील कुमार मिश्रा, बूथ अध्यक्ष एवं अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना।अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के कई हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी और लू से बचाव के लिए लोगों से पर्याप्त मात्रा

में पानी पीने तथा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। उन्होंने आम पन्ना, लस्सी, छाछ और सत्तू जैसे पारंपरिक देसी पेयों को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बताते हुए इनके सेवन पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने आम उत्पादक किसानों की मेहनत की सराहना करते हुए नागरिकों से खाने के तेल का सीमित उपयोग करने की भी अपील की।इसके अतिरिक्त उन्होंने समाजसेवा में योगदान देने वाले लोगों, विभिन्न क्षेत्रों में देश का नाम रोशन कर रहे युवाओं की प्रशंसा की तथा नीदरलैंड से भारत को प्राप्त हुई चोलकालीन तांबे की प्राचीन अभिलेख पट्टिकाओं को देश की सांस्कृतिक विरासत की महत्वपूर्ण वापसी बताया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

ग्राम पंचायत रजवापुर में मेधावी छात्रों को मिला प्रोत्साहन, ग्राम विकास अधिकारी मीनाक्षी राव ने वितरित किए टैबलेट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज तराई/बलरामपुर। ग्राम पंचायत रजवापुर में शिक्षा को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम विकास अधिकारी मीनाक्षी राव द्वारा कक्षा 6, 7 एवं 8 में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले 9 मेधावी छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी मीनाक्षी राव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सफलता की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, तकनीक का सकारात्मक उपयोग करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी आधुनिक शिक्षा सुविधाओं से जोड़ना है, ताकि वे भविष्य में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया गया। टैबलेट प्राप्त करने वाले बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए खुशी व्यक्त की।

इस दौरान पूर्व प्रधान संजय तिवारी, प्रधानाध्यापक सहित ग्राम पंचायत के गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं अन्य

लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और बच्चों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। ग्राम विकास अधिकारी मीनाक्षी राव पूर्व प्रधान संजय तिवारी की इस सराहनीय पहल को ग्रामीणों ने शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम बताते हुए प्रशंसा की। पूर्व प्रधान संजय तिवारी एवं ग्राम विकास अधिकारी मीनाक्षी राव मेधावी छात्र को शिक्षा ग्रहण करने के लिए हर संभव मदद करने की बात कही।

विविध कार्यक्रमों में आज शामिल होंगे सांसद प्रमोद तिवारी

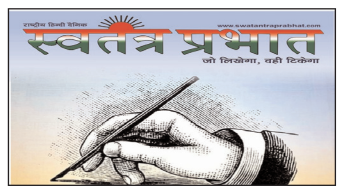

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी आज सोमवार को रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर आयेंगे। सांसद प्रमोद तिवारी दिन में बारह बजे से लालगंज स्थित कैम्प कार्यालय पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वह यहां जन समस्याओं का निराकरण करायेंगे। सांसद प्रमोद तिवारी दिन में तीन बजे पुरूषोत्तम माह के सोमवार को बाबा घुइसरनाथ धाम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। वह रामगंज भोजपुर, रायपुर तियाई तथा रानीगंज कैथौला में भी लोगों से मुलाकात करेंगे। इसके पहले दिन में साढ़े ग्यारह बजे सराय संग्राम सिंह में भी जन संवाद करेंगे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने दी है।

विटामिन 'रु' का खेल? वाल्टरगंज पुलिस पर 6 दिन बाद FIR दर्ज करने का आरोप, कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल

» पुलिस अधीक्षक की छवी को धूमिल करने पर उतारू थानाध्यक्ष वाल्टरगंज
» नारी समान की धज्जियाँ उड़ा रहे वाल्टरगंज थानेदार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्तीजिले के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अपराधों और पुलिस की कथित शिथिलता को लेकर स्थानीय जनता में भारी आक्रोश है। क्षेत्र में कभी लूट, कभी हत्या तो कभी मारपीट जैसी गंभीर घटनाएं आम हो चुकी हैं। आरोप है कि इन मामलों में सख्त कार्रवाई करने के बजाय वाल्टरगंज थानाध्यक्ष मामलों की लीपा-पोती करने में जुटे रहते हैं। ताजा मामला एक पीड़ित द्वारा साझा की गई एफआईआर (स्रद्धक्र) से सामने आया है, जिसमें घटना 22 मई 2026 को हुई थी, लेकिन पुलिस ने करीब 6 दिनों के लंबे इंतजार के बाद 28 मई 2026 को मामला दर्ज किया। स्थानीय लोगों का सीधा आरोप है कि 'विटामिन रु' के चक्कर में पुलिस जानबूझकरएफआईआर लिखने में देरी करती है । आंकड़ों पर गौर करें तो क्षेत्र में महज एक महीने के भीतर लगभग 30 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं, जिससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि इलाके में अपराधों की बाढ़ आ गई है। ऐसी स्थिति में पीड़ित दर-दर भटकने को मजबूर हैं। आम जनता अब यह सवाल उठा रही है कि अगर रक्षक ही इस तरह का रवैया अपनाएंगे तो न्याय कैसे मिलेगा? यही नहीं, समय पर कार्रवाई न होने से सरकार के 'नारी सशक्तिकरण' के दावों की भी सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

अपराध नियंत्रण से जनसुनवाई तक, हर मोर्चे पर सख्ती के निर्देश

● डीआईजी संजीव त्यागी की अपराध समीक्षा बैठक में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर जोर, लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती परिक्षेत्र में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था की मजबूती और जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर शनिवार को परिक्षेत्रीय कार्यालय के सभागार में आयोजित मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी में पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) बस्ती परिक्षेत्र संजीव त्यागी ने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर जनपदों के पुलिस अधीक्षकों एवं अपर पुलिस अधीक्षकों के साथ अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा तथा जनशिकायतों के निस्तारण समेत विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित एवं आंशिक विवेचनाओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही गैंगस्टर, वांछित, पुरस्कार घोषित, जिला बदर एवं गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) वाले अभियुक्तों की शत-प्रतिशत गिरफ्तारी कराई जाए। चोरी एवं वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने, गो-तस्करी की रोकथाम तथा रात्रिकालीन सघन चेकिंग अभियान को और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में महिला अपराध, एससी/एसटी एक्ट एवं पॉक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए जनपद स्तर पर साइबर एक्शन प्लान के तहत कार्रवाई तेज करने,साइबर अपराध से जुड़े मोबाइल और आईएमईआई नंबरों को अधिकाधिक ब्लॉक कराने तथा विभिन्न तकनीकी पोर्टलों के नियमित उपयोग और निगरानी पर बल दिया गया। डीआईजी ने मुख्यमंत्री जनता दर्शन,पब्लिक ग्रीवांस रिव्यू पोर्टल आईजीआरएस और अन्य उच्चस्तरीय शिकायत पोर्टलों पर प्राप्त प्रार्थना-पत्रों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक के दौरान मिशन शक्ति केंद्र, परिवार परामर्श केंद्र ऑपरेशन गो-तस्करी, ऑपरेशन खोज और ऑपरेशन दहन जैसे अभियानों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। साथ ही आईटीएसएसओ पोर्टल पर लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण तथा यक्ष ऐप पर शेष अपराधियों के सत्यापन कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए। यातायात व्यवस्था और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर भी विशेष चर्चा हुई। डीआईजी ने 'गोल्डेन आवर' (शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक) के दौरान सड़क सुरक्षा उपायों को और प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए विशेष रूप से संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर पुलिस को गंभीरता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इसके अलावा नियम 14(1) एवं 14(2) के तहत लंबित विभागीय प्रकरणों, प्रारंभिक जांच, मृतक आश्रित नियुक्ति तथा चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रशिक्षण से जुड़े साइट्रेन और आईजीओटी ऐप पर शेष कर्मियों का प्रशिक्षण भी जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए गए।गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक बस्ती डॉ. यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ. अभिषेक महाजन, तीनों जनपदों के अपर पुलिस अधीक्षक आईजीआरएस शाखा के प्रभारी एवं कर्मचारी, परिक्षेत्रीय कार्यालय के शाखा प्रभारी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे डीआईजी की समीक्षा बैठक में स्पष्ट संदेश रहा कि अपराध नियंत्रण, तकनीकी पुलिसिंग, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध की रोकथाम और जनसुनवाई के प्रभावी निस्तारण को लेकर बस्ती परिक्षेत्र में जवाबदेही और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली को और सशक्त बनाया जाएगा।

अयोध्या जा रहे भाई-बहन को ट्रक ने रौंदा, बहन की मौके पर मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। लखनऊ गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग परपरसरामपुरा थाना क्षेत्र के घघौवा पुलिस चौकी के सामने शनिवार शाम 5 बजे एक मोटरसाइकिल सवार को अज्ञात ट्रक ने चपेट में ले लिया जिसमें बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि बाइक सवार एक लड़की ट्रक के टायर के नीचे दब गयी जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गयी।जानकारी के अनुसार शनिवार कि शनिवार शाम 5 बजे खतमसराय गांव निवासी चंद्रभान सिंह के पुत्र 17 वर्षीय अभिषेक सिंह और 25 वर्षीय बेटी लक्ष्मी मोटरसाइकिल से अयोध्या कुछ खरीददारी करने जा रहे थे जैसे हि वह घंघौवा चौकी के पास पहुंचा था कि पीछे से आये एक ट्रक ने उसे ठोकर मार दिया। दुर्घटना में बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर हि गिर कर कुछ दूर घिसटता हुआ चला गया।जबकि बाइक के पीछे बैठी लक्ष्मी सड़क पर गिर कर ट्रक के टायर के नीचे आ

गयी। जिसकी मौके पर हि दर्दनाक मौत हो गयी।

दुर्घटना देख आसपास के लोग जुट गये। चौकी पर मौजूद पुलिस टीम ने तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर दोनों को मेडिकल कॉलेज दर्शननगर अयोध्या भेजवाया। जहां चिकित्सकों ने लक्ष्मी को मृत घोषित कर पीएम हेतु भेज दिया है वहीं अभिषेक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते हि गांव मे मातम फैल गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विश्व मोहन राय ने बताया कि मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने घायलों की मदद कर अस्पताल भेजवा कर आरोपी ट्रक तलाश की जा रही है।

दिव्यांग के साथ मारपीट को लेकर आधा दर्जन के खिलाफ मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। रंजिशन दिव्यांग के साथ गाली गलौज व मारपीट को लेकर लालगंज पुलिस ने आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोतवाली के शीतलागंज इदिलपुर निवासी रफीक पुत्र अब्दुल रऊक ने दी गयी तहरीर में कहा है कि शुक्रवार को रात आठ बजे वह बाजार से घर पहुंचा। परिवारजनों ने बताया कि गांव के विपक्षी कल्लू उर्फ इद्रीश, खलील पुत्र इसहार, अशरफ व अफजल पुत्रगण इद्रीस तथा शमीम व अफसर द्वारा गाली गलौज की गयी। इस बीच आरोपियों ने पीड़ित को भी धक्का मारकर गिरा दिया और गाली गलौज के साथ लाठी डंडे से मारने लगे। पीड़ित के दिव्यांग होने के कारण उसकी चीख पुकार पर बीच बचाव के लिए सलीम पुत्र नईम व अख्तरी बानों पुत्री नईम आई तो आरोपियों द्वारा उनके साथ भी मारपीट की गयी। शोर मचाने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने कल्लू समेत आधा दर्जन के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

गोण्डा। हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर ब्लॉक सभागार रूपईडीह में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ब्लॉक इकाई के तत्वावधान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य मनोज शुक्ला द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रधान संघ अध्यक्ष अमित अवस्थी एवं विवेक शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध हास्य कवि वी.पी. सिंह द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी प्रभावशाली शैली से कार्यक्रम को गरिमामय एवं रोचक बनाया। इस अवसर पर अजीत सिंह, विजय तिवारी एवं बृजेंद्र नाथ शुक्ला ने अपने-अपने संबोधन में हिन्दी पत्रकारिता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पत्रकारिता की भूमिका, चुनौतियों एवं सामाजिक दायित्वों पर विस्तृत चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आधारशिला है तथा पत्रकार समाज की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।कार्यक्रम में उपस्थित एपीओ केपी सिंह ग्राम विकास अधिकारी रमेश मिश्रा, राधे रमण प्रजापति, प्रिंस मिश्रा, अनिल वर्मा ,प्रदीप कुमार एवं जयचंद वर्मा सहित सभी अधिकारियों एवं ग्राम प्रशासकों को स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने अपने संबोधन में पत्रकारों की एकजुटता, पत्रकार हितों की रक्षा तथा समाज के प्रति पत्रकारों की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम है।कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष अखिलेश कुमार तिवारी, जिला उपाध्यक्ष बृजभूषण तिवारी, जिला उपाध्यक्ष आनंद पाण्डेय, संतोष मिश्रा,गुरबचन शर्मा, मनीष तिवारी, रमेशचंद्र तिवारी एवं कुलदीप तिवारी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।अंत में सभी अतिथियों, पत्रकारों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया

गया तथा हिन्दी पत्रकारिता के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में क्षेत्र के ग्राम प्रसाशको एवं जनप्रतिनिधियों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। उपस्थित प्रधानों में सुनील कुमार, प्रदीप कुमार, विजय बहादुर, रामनाथ मौर्य, प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, राम रूप मौर्य, अशोक चतुर्वेदी, पप्पू शुक्ला, महेंद्र तिवारी, रवि मिश्रा, भगवान दीन वर्मा तथा अफसर अली, आनन्द मोहन पाण्डेय, राजेश सोनी,रमेश गोस्वामी,इरसाद अहमद कृष्ण कुमार चौबे सहित अन्य ग्राम प्रधान एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं ग्राम प्रशासको को स्मृति चिन्ह एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

अग्निकांड पीड़ितों के बीच पहुंचे युवा सपा नेता आदर्श भारती, राहत सामग्री वितरित कर बंधाया ढांढस

महराजगंज/रायबरेली। तहसील क्षेत्र के महराजपुर मजरे जनई गांव में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड से प्रभावित परिवारों के बीच रविवार को युवा समाजवादी नेता आदर्श भारती पहुंचे। इस अग्निकांड में आधा दर्जन से अधिक परिवारों के घरों का सामान जलकर खाक हो गया था, जिससे पीड़ित परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतों का संकट खड़ा हो गया था। पीड़ितों की स्थिति की जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय विधायक श्याम सुंदर भारती के ज्येष्ठ पुत्र एवं युवा सपा नेता आदर्श भारती समाजवादी कार्यकर्ताओं के साथ गांव पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने पीड़ितों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक राहत सामग्री वितरित की। आदर्श भारती ने कहा कि संकट की इस घड़ी में समाजवादी परिवार पीड़ितों के साथ खड़ा है और जरूरत पड़ने पर आगे भी हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। राहत सामग्री मिलने से प्रभावित परिवारों ने राहत की सांस ली और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान सपा नेता अमित त्रिपाठी उर्फ मोनू, फिरोज अहमद, समर बहादुर यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे। गांव में राहत सामग्री वितरण के दौरान लोगों ने इस मानवीय पहल की सराहना की।

डिजिटल युग में हिन्दी पत्रकारिता विषय पर संगोष्ठी सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

बिसवां (सीतापुर)- हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर कलमकार एसोसिएशन बिसवां इकाई के बैनर तले निजी होटल में 'डिजिटल युग में हिंदी पत्रकारिता' विषय पर संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पवन सिंह चौहान ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने समाज को जागरूक करने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशिष्ट अतिथि निर्मल वर्मा ने समाजहित में तथ्यात्मक पत्रकारिता पर बल दिया। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार रमेश बाजपेयी 'विरल' ने की तथा संचालन आराध्य शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में पत्रकारों को सम्मानित किया गया। साथ ही दिवंगत पत्रकार विनोद गर्ग एवं मुबारक अली के परिजनों को सम्मान देकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आर.एन. सिंह, पदमकांत शर्मा, पियूष बाजपेयी,हरिओम बाजपेयी विजय अवस्थी, संदीप मिश्र 'सरस', मोहित जायसवाल, अश्वनी त्रिपाठी,अमित जैसवाल अय्यूब खान, बिलाल खान सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में आयोजक अरुणनाथ सिंह एवं हरिशंकर गुप्ता ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई, किशोर गंभीर रूप से घायल

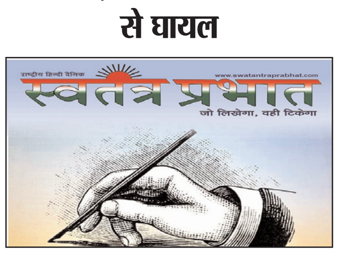

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के ककराही मजरे चिलौला गांव में रविवार को बाइक सीख रहे एक किशोर की बाइक अनियंत्रित होकर आम के पेड़ से टकरा गई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव निवासी निखिल (16) पुत्र रामपाल बाइक चलाना सीख रहा था। इसी दौरान गांव के निकट उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े आम के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि निखिल गंभीर रूप से घायल हो गया। परिवारीजनों और ग्रामीणों ने उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

यूपी में फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने पर पावर कॉर्पोरेशन का विरोध, उपभोक्ता परिषद ने कहा- बिजली उपभोक्ताओं पर बढ़ेगा बोझ

● उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने पावर कारपोरेशन द्वारा फ्यूल सरचार्ज में वृद्धि का विरोध किया है, इसे करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बताया है। परिषद ने विद्युत नियामक आयोग से हस्तक्षेप कर उपभोक्ता हितों की रक्षा की मांग की है, क्योंकि कंपनियों पर उपभोक्ताओं का 51,000 करोड़ सरप्लस बकाया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन द्वारा फ्यूल सरचार्ज (ईंधन अधिभार शुल्क) में की गई वृद्धि पर विरोध दर्ज करते हुए इसे करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बताया है। परिषद का कहना है कि जब ईंधन अधिभार शुल्क संबंधी कानून बनाया गया था, तब भी स्पष्ट चेतावनी दी थी कि बिजली कंपनियों को मनमानी तरीके से शुल्क लगाने की छूट नहीं होगी। यह आपत्ति आयोग के रिकार्ड में दर्ज है। परिषद का तर्क है कि हाल में पावर कारपोरेशन ने दस प्रतिशत वृद्धि का कारण अपीलेट ट्रिब्यूनल के कुछ आदेशों के तहत पुराने बकाया भुगतान को बताया गया है। लेकिन यदि कोई पूर्व भुगतान या समायोजन लंबित था, तो उसे ट्रू-अप प्रक्रिया के माध्यम से समायोजित करना चाहिए।

उपभोक्ताओं का सरप्लस लगभग 51,000 करोड़ रुपये तक पहुंचा

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि प्रदेश में बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का सरप्लस लगभग 51,000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। ऐसे में शुल्क बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं बनता। परिषद ने आरोप लगाया कि विद्युत नियामक आयोग द्वारा बनाए गए कंज्यूमर राइट रूल्स 2020 के तहत जहां उपभोक्ताओं को अधिकार दिए गए हैं, वहीं 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के उल्लंघन पर मुआवजा देने के प्रविधानों को प्रभावी रूप से लागू नहीं किया गया है। अंत में उपभोक्ता परिषद ने विद्युत नियामक आयोग से मांग की है कि वह इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करे, ईंधन अधिभार वृद्धि के निर्णय की समीक्षा करे तथा उपभोक्ता हितों की रक्षा सुनिश्चित करे।

अंधेरे में 15 घर पानी को भी तरस रहे लोग, भीषण गर्मी में बिलबिलाते बच्चे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के कुम्भडौरा गांव की नई बस्ती में पिछले 18 दिनों से करीब 15 घरों की बिजली आपूर्ति ठप है। आंधी तूफान में गिरे दो बिजली के खंभों की अब तक मरम्मत नहीं कराई गई है। इससे ग्रामीणों को भीषण गर्मी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि दो सप्ताह पहले आए तेज आंधी-तूफान में नरपत का पुरवा मार्ग स्थित शनि मंदिर के पास दो बिजली के खंभे गिर गए थे। खंभे गिरने से नई बस्ती के लगभग 15 घरों की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। ग्रामीणों ने कई बार बिजली विभाग से शिकायत की लेकिन अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं कराया गया। बिजली न होने से मोहल्ले में पेयजल का संकट है। अधिकांश घरों में पानी की व्यवस्था बिजली चालित मोटरों से होती है। ऐसे में लोगों को दूसरे घरों पर निर्भर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि मोहल्ले के केवल दो घरों से लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। बताया कि खंभे सड़क पर पड़े हुए हैं आवागमन में भी दिक्कत हो रही है। रोशनी, पवन दीक्षित, सुशील बाजपेई, रामविलास सिंह, शिवमोहन शर्मा, अभिनव रंजन दीक्षित, अयोध्या, ओमप्रकाश, राकेश पंडित, सनी बैटरी, राजू और भैयालाल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि बिजली न होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। रात में गर्मी के कारण लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने विभाग से जल्द खंभे बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है। उधर अवर अभियंता बृजेश कुमार ने बताया कि जहां कहीं भी आंधी तूफान से नुकसान हुआ है वहां मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

जहरीला पदार्थ खाने से युवती की हालत बिगड़ी

गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे भूप सिंह गांव में शनिवार को एक युवती द्वारा विषाक्त पदार्थ खा लेने से उसकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों ने उसे तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गांव निवासी विजय कुमार की 21 वर्षीय पुत्री अनामिका ने शनिवार दोपहर करीब 12 बजे किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने आनन फानन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। डॉक्टरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी है।

जमीनी विवाद में चले लाठी-डंडे और रॉड, चार लोग गंभीर रूप से घायल

महराजगंज/रायबरेली। चन्दापुर थाना क्षेत्र के पूरे चिरेन्धा गांव में जमीनी विवाद को लेकर जमकर मारपीट हुई, जिसमें एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूरे चिरेन्धा गांव में देर रात जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि दबंगों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से एक परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले में बृजेश, रामकेश, चंद देवी सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। गांव में हुई इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

एनआरएलएम मिशन के तहत सिघौंर तारा में स्वयं सहायता समूह गठन अभियान को मिली रफ्तार

● महिलाओं को स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली) सरेनी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत विकासखंड सरेनी की ग्राम पंचायत सिघौंर तारा के पूरे नेवल व पूरे गोबरे गांव में स्वयं सहायता समूह (SHG) गठन अभियान चलाया गया।खंड विकास अधिकारी प्रमोद कुमार यादव के निर्देश एवं मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं को समूह से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल की गई। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को एनआरएलएम मिशन की योजनाओं, समूह गठन की प्रक्रिया, बचत, बैंकिंग व्यवस्था एवं स्वरोजगार के अवसरों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक मजबूती देने के साथ-साथ सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाने का कार्य कर रहे हैं।खंड विकास अधिकारी प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि एनआरएलएम के माध्यम से महिलाओं को समूह आधारित रोजगार,प्रशिक्षण एवं सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।उन्होंने महिलाओं से अधिक संख्या में समूहों से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि समूहों के माध्यम से महिलाएं छोटे व्यवसाय शुरू कर अपनी आय बढ़ा सकती हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं।अभियान के दौरान महिलाओं में उत्साह देखने को मिला और कई महिलाओं ने स्वयं सहायता समूह से जुड़ने की सहमति दी।अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि समूहों को शासन की योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाएगा।इस अवसर पर ग्राम पंचायत अधिकारी अजय प्रताप सिंह,ग्राम प्रधान शैलेन्द्र यादव,बीएमएम आलोक वर्मा सहित ग्रामीण महिलाएं,ग्राम पंचायत सदस्य एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्या भारती द्वारा आयोजित पंद्रह दिवसीय नवचयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सौरभ मालवीय क्षेत्रीय मंत्री(विद्या भारती) और विशिष्ट अतिथि माननीय हरेन्द्र श्रीवास्तव (अध्यक्ष) भारतीय शिक्षा समिति उपस्थित रहे। अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम निवास सिंह द्वारा कराया गया।संस्कारयुक्त, भारत-केंद्रित शिक्षा पर जोर समापन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. सौरभ मालवीय ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि आचरण निर्माण करना है। वंदना, भोजन मंत्र, व्यवहार और विचार-विमर्श के माध्यम से 15 दिन में आचार्यों के मन, चित्त और वाणी में परिवर्तन लाने का प्रयास किया गया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करती है। यदि शिक्षा समाज के अनुकूल होगी तो राष्ट्र समृद्ध और शक्तिशाली बनेगा। उन्होंने आचार्यों से आह्वान किया कि वे नई पीढ़ी को 'श्रेष्ठ, समर्थ और संपन्न भारत' बनाने के संकल्प के साथ कार्य करें। डॉ. मालवीय ने कहा कि भारत सिर्फ एक भू-भाग नहीं, बल्कि आनंद, ज्ञान, मुक्ति और परोपकार का प्रतीक है। भारत की संस्कृति 'संबंध' और 'कर्तव्य' पर आधारित है। राम, लक्ष्मण और सीता के उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि मर्यादा और धर्मयुक्त संबंध ही भारत की पहचान हैं। उन्होंने चेताया कि आज पूंजीवाद, समाजवाद और सांस्कृतिक अतिवाद जैसे विचार भारतीय मूल्यों को खंडित करने का प्रयास कर रहे हैं।

ऐसे में विद्या भारती के आचार्यों की जिम्मेदारी है कि वे भारतीय ज्ञान परंपरा, ऋषियों के विचार और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के मंत्र को समाज तक पहुंचाएं। डॉ. मालवीय ने बताया कि विद्या भारती अगले वर्ष गुरु पूर्णिमा से अपना 75वां 'अमृत महोत्सव वर्ष' मनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी विद्या भारती की उपस्थिति 24 हजार केंद्रों तक है, लेकिन जब यह 24 लाख या 24 करोड़ तक पहुंचेगी, तभी भारत में वास्तविक भारत-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था स्थापित हो सकेगी। कार्यक्रम के इस अवसर पर प्रदेश निरीक्षक अवध प्रांत रामजी सिंह , पूर्णकालिक अधिकारी बंधु एवं संभाग निरीक्षक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के अध्यक्ष *श्री सुभाष चन्द्र अग्निहोत्री* ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षक आचार्यों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में 15 दिन के प्रशिक्षण में सम्मिलित नवचयनित आचार्यों ने शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने का संकल्प लिया।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर पत्रकारों का सम्मान, लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को किया गया नमन

● राष्ट्रीय उन्नति सेवा संघ के आयोजन में वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मान पत्र देकर किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर । हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय उन्नति सेवा संघ द्वारा एलआईसी गेस्ट हाउस में भव्य पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ एवं सक्रिय पत्रकारों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। समारोह के दौरान पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान देने वाले पत्रकारों को सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उन्नति सेवा संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतू श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, जो दिन-रात और हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए समाज तक सही और निष्पक्ष जानकारी पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार अक्सर जोखिम भरे हालात में भी जनहित के मुद्दों को सामने लाते हैं, इसलिए समाज के प्रत्येक वर्ग का दायित्व है कि वह पत्रकारों के योगदान का सम्मान करे। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, ताकि समाज और पत्रकारिता के बीच विश्वास और सम्मान का संबंध और मजबूत हो सके। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुप खेतान तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष आचिन मल्होत्रा उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पत्रकारों को लोकतंत्र की मजबूत नींव बताया।समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का समापन पत्रकारों के सम्मान और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

चोरों के हौसले बुलंद घर से लाखों की नकदी ज़ेवर किया पार, साड़ी की रस्सी बनाकर घर में घुसे चोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर के मछरेहटा थाना क्षेत्र के ग्राम बीहट बीरम में शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने साड़ी का फंदा बनाकर एक घर में उतरकर लाखों रुपये की नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है गांव निवासी ठाकुर सिद्धेश्वर सिंह शनिवार रात अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर घर के पीछे की ओर से पहुंचे और साड़ी के सहारे मकान के अंदर प्रवेश कर गए चोरों ने कमरे की जाली तोड़कर घर के भीतर घुसने के बाद अलमारी और बक्सों को खंगालना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि चोरों ने अलमारी और बक्सों के ताले खोलकर अथवा तोड़कर उनमें रखी नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। रविवार सुबह जब परिवार के सदस्य जागे तो घर का सामान बिखरा पड़ा देखकर उनके होश उड़ गए अलमारी और बक्से खुले पड़े थे तथा कमरे का सामान अस्त-व्यस्त था घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताई। सूचना मिलने पर मछरेहटा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और तकनीकी विशेषज्ञों को भी बुलाया गया, जिन्होंने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू की। पीड़ित ठाकुर सिद्धेश्वर सिंह ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है थाना प्रभारी प्रभात गुप्ता ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही घटना के खुलासे का प्रयास किया जा रहा है!!

यूपी बेसिक शिक्षा विभाग में बड़ा फेरबदल, डायट प्राचार्य और उप प्राचार्यों के तबादले

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग ने समूह 'क' के अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। इस फेरबदल में दो डायट प्राचार्य और दो उप प्राचार्यों की तैनाती बदली गई है, जबकि कई अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं। संबद्ध कार्यालय में कार्यरत शिक्षा निदेशक बेसिक तनुजा त्रिपाठी को वरिष्ठ शोध मनोवैज्ञानिक के पद पर तैनात किया गया है। अयोध्या में कार्यरत धर्मेंद्र कुमार श्रीमाली को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) सीतापुर का प्राचार्य बनाया गया है। मैनपुरी डायट के उप प्राचार्य विजय प्रताप सिंह का तबादला कर उन्हें डायट चंदौली में उप प्राचार्य नियुक्त किया गया है। वहीं, डायट हापुड़ की उप प्राचार्य ज्योति दीक्षित को डायट मुजफ्फरनगर का उप प्राचार्य बनाया गया है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (एससीईआरटी) प्रयागराज के प्राचार्य राजेंद्र प्रताप को सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।उप शिक्षा निदेशक मीरजापुर विनोद कुमार शर्मा को मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) विंध्याचल मंडल का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है।

येलो अलर्ट के दृष्टिगत जिलाधिकारी भदोही की जनपदवासियों से विशेष अपील

● वज्रपात, मेघगर्जन एवं 40 से 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना, सावधानी बरतने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार जनपद भदोही में दिनांक 31 मई से 02 जून 2026 तक खराब मौसम बने रहने की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए जनपद में वज्रपात (आकाशीय बिजली), मेघगर्जन तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी श्री शैलेष कुमार ने जनपदवासियों से पूर्ण सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संभावित खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलने से बचें तथा प्रशासन एवं मौसम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से किसानों, विद्यार्थियों, वाहन चालकों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों से मौसम संबंधी सूचनाओं पर निरंतर नजर बनाए रखने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि गरज-चमक एवं वज्रपात के दौरान खुले मैदानों, खेतों, छतों तथा पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें। साथ ही टूटे हुए विद्युत तारों एवं विद्युत उपकरणों के संपर्क में आने से परहेज करें तथा ऐसी किसी भी स्थिति की तत्काल सूचना संबंधित विभाग को दें। किसानों को सलाह दी गई है कि कटाई की गई फसलों को सुरक्षित स्थान पर रखें तथा पशुओं को खुले स्थानों से हटाकर सुरक्षित शेड में रखें। कृषि यंत्रों एवं अन्य आवश्यक सामग्री को भी सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यालयों एवं अन्य संस्थानों को मौसम की परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि संभावित आपदा की स्थिति से निपटने हेतु जनपद प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं तैयार है। सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है तथा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं।

जिलाधिकारी की अपील

'मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों को गंभीरता से लें, अफवाहों पर ध्यान न दें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचित करें। आपकी सतर्कता एवं सावधानी ही आपकी सुरक्षा का सबसे प्रभावी उपाय है।'

बनकटा में सीडीओ की चौपाल, विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी

देवरिया। शासन की योजनाओं को गांव-गांव तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को मुख्य विकास अधिकारी राजेश सिंह ने विकास खंड बनकटा क्षेत्र में चौपाल लगाकर विकास कार्यों की समीक्षा की। कार्यक्रम में सीडीओ ने ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सीधे संवाद कर योजनाओं की जमीनी स्थिति जानी। सीडीओ ने बखरी, हाटा, बगरूआ, सिकटिया दीनाचक और बनकटा ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित चौपालों में शिक्षा, आवास, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कायाकल्प, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र और अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही मनरेगा जॉब कार्ड धारकों, पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों तथा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए। फैमिली आईडी, फॉर्मर आईडी, प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना, अमृत सरोवर, चारागाह भूमि, पोषण और महिला सशक्तिकरण जैसे विषय भी समीक्षा के केंद्र में रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचे। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान, पंचायत प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नकाब पहनकर ज्वेलर्स दुकान पर टप्पेबाजी का पर्दाफाश

● दो महिलाओं सहित तीन अंतरजनपदीय आरोपियों को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर के लहरपुर कोतवाली क्षेत्र में 17 मई को प्रज्ञा ज्वेलर्स की दुकान से हुई टप्पेबाजी की घटना का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए दो महिलाओं सहित तीन अंतरजनपदीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सामान, नकदी, मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है जानकारी के अनुसार 17 मई को नगर के मोहल्ला बेहटी निवासी सालिक राम रस्तोगी की केशरीगंज स्थित प्रज्ञा ज्वेलर्स दुकान पर दो बुर्कानशीं महिलाएं ग्राहक बनकर पहुंची थीं महिलाओं ने पायल देखने के बहाने दुकान संचालक का ध्यान भटकाया और चांदी तथा सोने के आभूषण चोरी कर फरार हो गई थीं। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी घटना के बाद पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के नंबर के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही सूचना के आधार पर पुलिस ने लखीमपुर खीरी मार्ग पर नवीनगर खंडजे के पास घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में रंजीत कुमार पाल निवासी अटकोहना थाना शारदानगर, मोहिनी देवी पत्नी बाबूराम निवासी बड़खेड़ा थाना सदर तथा दीप्ति राज पुत्री रामप्रसाद निवासी बड़खेड़ा थाना सदर, जनपद लखीमपुर खीरी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक जोड़ी चांदी की पायल, एक चांदी का बिछुआ, एक पीली धातु की अंगूठी, 720 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शातिर अपराधी हैं और इनके खिलाफ सीतापुर, लखीमपुर खीरी तथा बहराइच जनपदों में चोरी, नकबजनी और धोखाधड़ी समेत कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं!!

यह बर्बरता भरी जहरीली मानसिकता कहां से जन्म लेती है?

देश के कई इलाकों में जिस तरह की सांप्रदायिक नफरत और प्रतिशोध से भरी वारदातें सामने आती हैं उस से लगता है कि इन वारदातों के पीछे कोई ऐसी पूरी सुनियोजित साजिश रहती है जो नफरत और खूनी दरिंदगी भरी मानसिकता का बीजारोपण करती है पिछले कुछ समय में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और इस से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में ऐसी कई बर्बरता भरी वारदातों को अंजाम दिया जा चुका है जिनसे लगता है कि कानूनी सख्ती के बावजूद दरिंदों में पुलिस और कानून का रंचमात्र भय नहीं है। ताज़ा घटनाक्रम में गाजियाबाद से एक बेहद सनसनीखेज और कलेजा कँपा देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ खोड़ा थाना क्षेत्र में बकरीद के दिन एक 17 वर्षीय हिंदू किशोर, सूर्या चौहान की उसके ही पूर्व परिचित मुस्लिम दोस्तों ने बेरहमी से चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने से ठीक पहले कट्टरपंथी हमलावरों ने पीड़ित से पूछा, 'क्या तुमने कभी बकरा हलाल होते देखा है? आज तुझे दिखाते हैं। '

आरोप है कि यह कहते ही उन्होंने सूर्या पर ताबड़तोड़ चाकुओं से हमला कर दिया। नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में इलाज के दौरान तड़प-तड़प कर इस हिंदू लड़के ने दम तोड़ दिया। पुलिस की प्राथमिकी इस पूरी खौफनाक साजिश की गवाही दे रही है। पुलिस ने रविवार के तड़के मुख्य आरोपी असद को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है इस से पहले 3 नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया और 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। आपको बता दें मृतक सूर्या चौहान मूल रूप से एटा का रहने वाला था। वह नवनीत विहार, खोड़ा में अपनी माँ, बड़े भाई यश चौहान और छोटी बहन के साथ रहता था। उसके पिता कौशलेंद्र की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। सूर्या 11वीं कक्षा का छात्र था। जानकारी के मुताबिक, करीब 8 महीने पहले सूर्या का पड़ोस में रहने वाले असद नाम के युवक से किसी बात पर मामूली विवाद हुआ था। इसी पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए असद ने बकरीद के पवित्र दिन को चुना। 28 मई की दोपहर को असद ने सूर्या को फोन किया। उसने सूर्या को बकरीद की पार्टी के बहाने मिलने के लिए चौधरी स्कूल के पास वाली गली नंबर 2 में बुलाया।

सूर्या अपने दोस्त आयुष और विक्की के साथ असद से मिलने पहुँचा था। विक्की और आयुष ने आँखों देखा हाल बताते हुए बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया। विक्की ने बताया कि जैसे ही वे गली में पहुँचे, वहाँ पहले से ही असद, नवाब, फरहान, आतिफ और सारिक समेत 5 से 6 मुस्लिम युवक हथियारों के साथ घात लगाकर बैठे थे बताया जा रहा है कि आते ही उन्होंने सूर्या को चारों तरफ से दबोच लिया। इसके बाद उन्होंने सांप्रदायिक और हिंसक टिप्पणी करते हुए पूछा कि क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है? चश्मदीदों के मुताबिक, आरोपितों ने चिल्लाते हुए कहा कि आज बकरीद है और आज कुर्बानी इस हिंदू लड़के की देंगे। यह कहते ही सभी आरोपितों ने सूर्या पर बड़े चाकुओं से हमला बोल दिया। उन्होंने सूर्या के पेट, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ कई वार किए। हमला इतना बर्बर था कि चाकुओं की गोदने की वजह से सूर्या की आंतें तक बाहर आ गई।मौके पर चीख-पुकार और शोर मच गया। शोर सुनकर पास ही मौजूद सूर्या का भाई यश चौहान और उसकी माँ दौड़ते हुए घटना स्थल की तरफ भागे। परिजनों को अपनी तरफ आता देख सभी मुस्लिम हमलावर खून से लथपथ सूर्या को तड़पता हुआ छोड़कर मौके से फरार हो गएपरिजन आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल सूर्या को नोएडा के सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल लेकर पहुँचे। वहाँ डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद अगले दिन यानी 29 मई को दोपहर करीब 12 बजे सूर्या ने दम तोड़ दिया। सूर्या की मौत की खबर जैसे ही खोड़ा इलाके में फैली, वहाँ भारी रोष और सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बन गई।

पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वे बार-बार अपने बेटे को याद कर इंसाफ की गुहार लगा रहे हैं। खोड़ा नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष रीना भाटी और विभिन्न हिंदू संगठनों के लोग तुरंत मौके पर जमा हो गए, मृतक के भाई यश चौहान द्वारा दी गई तहरीर जानलेवा हमला कर हत्या करने के प्रयास के संबंध में दर्ज कराई गई थी। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि 28 मई को दोपहर करीब 3:30 बजे शिकायतकर्ता का भाई सूर्या अपने दोस्त आयुष (पुत्र मनोज भारती, निवासी नवनीत विहार, खोड़ा) के साथ जा रहा था। तभी खोड़ा की शर्मा डेरी वाली गली में लोकप्रिय बिहार का रहने वाला अशद (पुत्र नवाब) मिला। अशद ने अचानक सूर्या के साथ गाली-गलौज करते हुए झगड़ा शुरू कर दिया और फिर जान से मारने की नीयत से उसके पेट में चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस जानलेवा हमले में सूर्या गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे इलाज के लिए नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित पक्ष ने पुलिस से इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की माँग की है।

घटना स्थल पर मौजूद हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं में इस हत्या को लेकर गहरा आक्रोश है। उन्होंने योगी सरकार और स्थानीय प्रशासन से माँग की है कि सभी फरार आरोपितों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए। हिंदू समाज का कहना है कि यह केवल दो गुटों की लड़ाई नहीं, बल्कि बहुसंख्यक समाज की सुरक्षा पर सीधा प्रहार है। विभिन्न संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि मुख्य आरोपित असद समेत सभी दोषियों के घरों पर तुरंत बुलडोजर नहीं चलाया गया और उन्हें सख्त सजा नहीं मिली, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल पुलिस स्थिति को नियंत्रण में बता रही है और मुख्य आरोपित की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

आपको बता दें कि यूपी के गाजियाबाद और इस से सटे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों में हत्या के कुछ हालिया मामलों में मुस्लिम समुदाय से जुड़े आरोपियों के नाम सामने आए हैं। हालांकि, पुलिस जांच और आधिकारिक रिपोर्टों में इन घटनाओं को सुनियोजित या समुदाय-विशिष्ट घृणा के बजाय मुख्य रूप से आकस्मिक विवादों, पुरानी दुश्मनी या आपसी रंजिश का परिणाम बताया गया है।आपको दो माह पहले जेजे कालोनी उत्तम नगर की नृशंसता भरी वारदात याद होगी यहां हिन्दू त्योहार होली के दिन रंग-बिरंगे पानी के छींटे पड़ने और गुब्बारा लगने को लेकर दो समुदाय से जुड़े परिवारों के बीच विवाद हुआ था। इस घटना में 26 वर्षीय तरुण कुमार की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसी दिन यानि होली के दिन ही सिगरेट के विवाद में सूरज नामक 26 वर्षीय हिंदू युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में सादिक नामक आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की। और अब दिल्ली से सटे गाजियाबाद में बकरीद के दिन एक 16 वर्षीय छात्र सूर्या चौहान की उसके ही परिचित दोस्त अशद ने साथियों के साथ मिलकर चाकू गोदकर हत्या कर दी गई है। यकीनन मौजूदा वारदात नाबालिग में लड़के सूर्या की बकरीद के दिन जिस तरह आतातायी हमलावरों ने हत्या की है वह अराजक व कम्युनल अपराधियों के बढ़ते हौसले का सबूत है घटना पर दुख जताते हुए और पुलिस की निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए मृतक की मां ने कहा, 'मैं घर पर नहीं थी, ड्यूटी पर थी। किसी ने मुझे फोन करके बताया कि मेरे बेटे को चाकू मार दिया गया है। जब मैं आई, तो मैंने शाम 7 बजे के करीब अपने बेटे का चेहरा देखा। मुझे इंसाफ चाहिए।

एक न्यूज रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल पहुंचने के बाद जो कुछ देखा, उसे याद करते हुए मृतक की मौसी सुनीता ने कहा, 'मैं सबसे पहले अस्पताल गई थी। मैंने उन्हें वहां देखा। वे यह साबित करना चाहते थे कि पहले बकरे की कुर्बानी दी और अब वे हिंदू इंसान की कुर्बानी देंगे। बकरीद के दिन मेरे बच्चे को धोखे से घर से बुलाया गया। फिर उससे पूछा गया कि बकरा कैसे काटा जाता है। हिंदू बच्चों को ऐसी बातों के बारे में क्या पता? हमारे बच्चों ने कभी खून-खराबा नहीं देखा। वे क्या करते? यही कहते कि उन्होंने कभी नहीं देखा। फिर उसके पेट में चाकू घोंप दिया गया और उसकी जिंदगी वहीं खत्म हो गई।

'सवाल यह है कि इस तरह की दरिंदगी और बर्बरता की सोच को कौन उकसा रहा है? बकरीद से दो दिन पहले ही गाजियाबाद से सटे हापुड़ जनपद के पिलखुवा में एक शनिदेव प्रतिमा को एक समुदाय विशेष के एक जेहादी ने तोड़ दिया था जो सीसीटीवी कैमरे के जरिए मिले सबूत से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। इन दिनों सोशल मीडिया पर भी मनमानी घृणा और विद्वेष की बातें बहुलता से वायरल हो रहीं हैं यह एक स्वस्थ समाज की संरचना को तोड़ रहा है और परस्पर जहरीली सोच तैयार कर रहा है सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए और इस जहर की फसल को बीजनाश करनी चाहिए।

मनोज कुमार अग्रवाल

हिंदी पत्रकारिता दिवस और आज तक पत्रकारिता का सफर

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

हिंदी पत्रकारिता ने 200 साल का लंबा सफर तय किया है। पत्रकारिता सिर्फ खबरें पहुंचाने का माध्यम नहीं रही, बल्कि सामाजिक जागरूकता, जनमत निर्माण और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का औजार भी बनी। इसका एक सुनहरा सफर है जिसने समाज के लिए अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। इसकी वजह यह है कि इसी दिन 30 मई 1826 को कलकत्ता से हिंदी का पहला समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन शुरू हुआ था। इसे पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने शुरू किया था, जो खुद इसके प्रकाशक और संपादक थे। 'उदन्त मार्तण्ड' का अर्थ है 'उगता हुआ सूर्य' या 'समाचार सूर्य'। यह साप्ताहिक अखबार हर मंगलवार को निकलता था, इसकी भाषा ब्रज और खड़ी बोली का मिश्रण थी जिसे 'मध्यदेशीय भाषा' कहा जाता था। पहले अंक की 500 प्रतियां छपी थीं, लेकिन पाठकों की कमी और डाक दरों की महंगाई के कारण सिर्फ 79 अंक ही प्रकाशित हो सके। 4 दिसंबर 1827 को इसका प्रकाशन बंद हो गया।

हिंदी पत्रकारिता के बहुत लंबे इतिहास को हमने देखा है। एक तरफ 30 मई 1826 को उदन्त मार्तण्ड की शुरुआत हुई और वह दिन हिंदी पत्रकारिता की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक बन गया। वहीं दूसरी ओर आज नये युग की डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता को पूरी तरह से बदल दिया है। उदन्त मार्तण्ड से डिजिटल युग तक हिंदी पत्रकारिता का विकास का सफर बड़ा ही दिलचस्प सफ़र है। उदन्त मार्तण्ड के बाद भी संसाधनों की कमी और अंग्रेजी के दबदबे ने हिंदी पत्रकारिता को धीमा रखा। 'बनारस अखबार' 1845, 'सरस्वती', 'हरीशचंद्र पत्रिका' जैसे पत्रों ने गति दी। भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने 'कविवचन सुधा' 1867 और 'हरिश्चंद्र मैगजीन' 1873 से नई भाषा शैली और राष्ट्रीय चेतना को बढ़ावा दिया। स्वतंत्रता संग्राम के समय गणेश शंकर विद्यार्थी का कानपुर से प्रकाशित'प्रताप' और 'वीर भारत' जैसे पत्रों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनमत तैयार किया। कानपुर के प्रताप अखबार ने तो अंग्रेजी शासन की चूले हिला दीं थीं। प्रताप अंग्रजी शासन के दमन का साक्षी बना। स्वतंत्रता के बादः 'दैनिक जागरण', 'अमर उजाला', 'दैनिक भास्कर', आज, हिन्दुस्तान ने हिंदी भाषी क्षेत्रों में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। इस समय तक हिंदी पत्रकारिता का अच्छा खासा असर दिखाई पड़ने लगा था। फिर होती है डिजिटल युग की शुरुआत आज हिंदी पत्रकारिता समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, टीवी चैनलों और ऑनलाइन पोर्टलों के जरिए राजनीति, समाज, संस्कृति, खेल तक पहुंच रही है। डिजिटल क्रांति और हिंदी भाषी आबादी की विशालता ने इसे नई संभावनाएं दी हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आज तक चैनल काफी लोकप्रिय रहा और हिंदी टीवी पत्रकारिता का मील का पत्थर साबित हुआ। जब 2000 के दशक की शुरुआत में 24 घंटे के हिंदी न्यूज चैनलों की बात होती है, तो आज तक का नाम सबसे ऊपर आता है। आज तक समाचार चैनल की संस्था टीवी टुडे नेटवर्क ने 28 दिसंबर 1999 को स्थापना की और 7 फरवरी 2000 को व्यवसाय शुरू किया। 2000 में आज तक को 24 घंटे के हिंदी न्यूज चैनल के रूप में लॉन्च किया गया। यह भारत से अपलिंक होने वाला पहला 24 घंटे का हिंदी न्यूज चैनल था।

हालांकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने अखबार के अस्तित्व को थोड़ा कम किया लेकिन फिर भी अखबार अपनी जगह टिका हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आने से जो समाचार अखबारों के माध्यम से कल प्राप्त होते थे वे तुरंत जनता के सामने आने लगे। मीडिया ने'खबर मतलब आज तक' का टैगलाइन और बेबाक, बेधड़क पत्रकारिता ने इसे जल्दी ही दर्शकों का भरोसा दिलाया। 2001, 2002, 2003 में इसे इंडियन टेलीविजन अकादमी अवार्ड्स में बेस्ट न्यूज चैनल घोषित किया गया। मार्च 2003 में अंग्रेजी चैनल 'हेडलाइन्स टुडे', अगस्त 2005 में 24×7 हिंदी चैनल 'तेज' लॉन्च हुआ। आज तक ने 2017 के आसपास भारत का पहला हिंदी एचडी न्यूज चैनल आज तक एचडी लॉन्च किया। 2025 में इंडिया टुडे ग्रुप ने देश का पहला [illegible] न्यूज चैनल [illegible] 360 भी लॉन्च किया, जो कनेक्टेड टीवी पर 24×7 कवरेज देता है। आज तक की खासियत रही है तेज खबरें, ग्राउंड रिपोर्टिंग और दर्शकों से सीधा जुड़ाव। 20 साल पूरे होने पर भी चैनल ने कहा था कि 'दुनिया बदली, सियासत बदली, पर आज तक का अंदाज नहीं बदला'। हिंदी पत्रकारिता ने अंग्रेजी के दबदबे को तोड़कर अपनी जगह बनाई है। चुनौतियां अब भी हैं - विश्वसनीयता, फेक न्यूज, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर टिके रहना। लेकिन लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में इसकी भूमिका कम नहीं हुई है। आज जब हर हाथ में मोबाइल है, हिंदी पत्रकारिता गली से ग्लोब तक पहुंच रही है। उदन्त मार्तण्ड का 'उगता सूरज' आज डिजिटल स्क्रीन पर भी चमक रहा है।

गर्मी में प्यास, बारिश में सैलाबः विकास के मॉडल पर बड़ा सवाल

[21वीं सदी की क्रूर विडंबनाः गर्मी में जल-मृत्यु, बारिश में जल-तांडव]

[जल संकट और जल प्रलय का दोहरा चक्र- अब कब तक चलेगी यह विडंबना?]

21 वीं सदी का भारत एक कड़वी विडंबना के दौर से गुजर रहा है। एक ओर देश अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहा है, तो दूसरी ओर करोड़ों लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझ रहे हैं। वर्ष 2026 की भीषण गर्मी ने विकास की चमक के पीछे छिपी हकीकत उजागर कर दी है। कई क्षेत्रों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका है। बाड़मेर जैसे इलाकों में गांव एक हैंडपंप के सहारे हैं, महिलाएं मीलों दूर से पानी ला रही हैं और शहरों में दूषित जलापूर्ति को लेकर आक्रोश है। लेकिन कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आते ही यही देश जल संकट से निकलकर जल प्रलय में घिर जाता है। सड़कें नदियां बन जाती हैं और जनजीवन थम जाता है। आखिर यह कैसा विकास है, जहां गर्मी में प्यास और बारिश में सैलाब नियति बन चुके हैं?

यह संकट प्रकृति नहीं, बल्कि विकास और जल प्रबंधन की उपेक्षा का परिणाम है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार अप्रैल 2026 में देश के 166 प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण क्षमता का लगभग 39 प्रतिशत ही बचा था, जो मई में और घट गया। कई बड़े जलाशय आधी क्षमता से नीचे पहुंच गए। पिछले वर्षों में वर्षा के असमान वितरण, बढ़ती गर्मी और कमजोर जल प्रबंधन ने संकट को गहरा किया है। वहीं 2026 में एल-नीनो के प्रभाव से सामान्य से कम मानसून की आशंका है। दूसरी ओर भूजल का बेलगाम दोहन हालात और बिगाड़ रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहर जल संकट के साथ भूमि धंसाव जैसे खतरों का भी सामना कर रहे हैं। स्पष्ट है, यह केवल आज की नहीं, भविष्य की भी गंभीर चुनौती है। इस संकट की जड़ अंधाधुंध शहरीकरण है, जिसने प्रकृति और पानी का संतुलन तोड़ दिया है। कभी तालाब, झीलें और आर्द्रभूमियां वर्षा जल संजोती थीं, लेकिन आज उनकी जगह कंक्रीट के जंगल उग आए हैं। नतीजा यह है कि बारिश का पानी जमीन में उतरने के बजाय सड़कों और नालों में बह जाता है, जबकि गर्मियों में भूजल खाली पड़ जाता है। मानो हम बरसात में पानी को ठुकराते हैं और फिर गर्मी में उसकी तलाश में भटकते हैं। दुर्भाग्य से विकास की परिभाषा ऊंची इमारतों और चौड़ी सड़कों तक सिमट गई है, जबकि जल संरक्षण हाशिये पर है। यही सोच आज जल संकट और जलभराव—दोनों की सबसे बड़ी वजह है।

भारत में जल संकट का कारण केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि उसके उपयोग और प्रबंधन की खामियां भी हैं। कृषि और शहर मिलकर देश के 80 प्रतिशत से अधिक भूजल का दोहन कर रहे हैं, फिर भी जल व्यवस्था चरमराई हुई है। शहरों में लाखों लीटर पानी पाइपलाइन लीकेज में बह जाता है, जबकि कई बस्तियां बूंद-बूंद को तरसती हैं। दूसरी ओर सीमित जल वाले क्षेत्रों में भी अत्यधिक पानी मांगने वाली फसलें उगाई जा रही हैं। नतीजा यह है कि गर्मियों में जलाशय सूख जाते हैं और बरसात में वही पानी अनियंत्रित होकर तबाही मचाता है। स्पष्ट है, यह संकट संसाधनों के अभाव से अधिक गलत प्रबंधन और विकृत प्राथमिकताओं का परिणाम है।

गर्मी की प्यास और बारिश की तबाही का सबसे भारी बोझ समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ रहा है। गांवों में पेयजल संकट स्वास्थ्य, खेती और पशुधन—तीनों पर चोट कर रहा है। सूखती फसलें किसानों की आय घटा रही हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर बना रही हैं। वहीं शहरों में जलभराव और बाढ़ यातायात, कारोबार और जनजीवन को ठप कर देते हैं, साथ ही बीमारियों का खतरा बढ़ा देते हैं। गरीब परिवारों के घर डूबते हैं, रोज़गार प्रभावित होता है और जीवन स्तर गिरता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जल संकट और जल प्रलय की सबसे बड़ी कीमत वही लोग चुका रहे हैं, जिनकी इन समस्याओं को पैदा करने में सबसे कम भूमिका है।

यह संकट अब केवल पर्यावरण या समाज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की चुनौती बन चुका है। पानी सीधे खाद्य सुरक्षा, कृषि, उद्योग, जनस्वास्थ्य और सामाजिक संतुलन से जुड़ा है। यदि जल स्रोत लगातार कमजोर होते रहे, तो भविष्य में जल विवाद बढ़ेंगे, कृषि उत्पादन घटेगा और शहरों की जीवन क्षमता पर भी संकट गहराएगा। जो राष्ट्र अपने नागरिकों के लिए पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता सुनिश्चित नहीं कर सकता, उसका विकास भी लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इसलिए पानी को महज़ एक संसाधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और विकास की आधारशिला मानने का समय आ गया है।

राह मुश्किल जरूर है, लेकिन समाधान सामने हैं। जरूरत केवल दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनभागीदारी की है। हर शहर और गांव में वर्षा जल संचयन अनिवार्य बनाना होगा, जबकि तालाबों, झीलों और पारंपरिक जलस्रोतों को पुनर्जीवित करना होगा। शहरी विकास ऐसा हो कि वर्षा जल जमीन में समा सके और स्मार्ट ड्रेनेज व्यवस्था भूजल का आधार बने। कृषि में ड्रिप सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई और क्षेत्रानुकूल फसल चक्र को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जल वितरण व्यवस्था दुरुस्त कर पाइपलाइन लीकेज पर अंकुश लगाना होगा और लोगों को जल संरक्षण का भागीदार बनाना होगा। बदलाव घोषणाओं से नहीं, बल्कि ईमानदार और सख्त क्रियान्वयन से आएगा।

सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि भारत कितना विकसित हुआ, बल्कि यह है कि क्या वह अपने लोगों के लिए पानी सुरक्षित रख पाया। गर्मी में प्यास और बारिश में सैलाब की यह विडंबना हमारी विकास यात्रा पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। यदि जल संरक्षण, जल साक्षरता और जल के न्यायपूर्ण वितरण को राष्ट्रीय संकल्प नहीं बनाया गया, तो आने वाली पीढ़ियां हमारी दूरदर्शिता नहीं, हमारी लापरवाही को याद रखेंगी। विकास का वास्तविक पैमाना कंक्रीट के जंगल नहीं, बल्कि हर नागरिक तक स्वच्छ और पर्याप्त पानी की पहुंच है। भारत को अब जल-केंद्रित विकास की दिशा में बढ़ना होगा, क्योंकि भविष्य की समृद्धि का रास्ता पानी से होकर गुजरता है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

कविता

कई चेहरे नक़ाबों में संवरने लगे।

खुले आकाश में परिंदे मंडराने लगे हैं,
दूसरे पंछियों को वो बहकाने लगे हैं।

कल तक नहीं जिन्हें गलियों का ज्ञान
वही अब राह सबको दिखाने लगे हैं।

ज़रा-सी धूप क्या मिली कामयाबी की,
अपनीं परछाइयां से भी कतराने लगे हैं।

जो दर्द में शामिल थे हर इक मोड़ पर,
मस्ती की भीड़ में तेवर दिखाने लगे हैं।

ये बहकी हवाओं का असर आजकल,
फूलों के बीच काँटे भी इतराने लगे हैं।

हुनर कम और शोर का आलम ज्यादा,
ख़ाली बर्तन भी अब टकराने लगे हैं।

फरेबी आँधियों ने सच को ढक दिया,
आईने झूठ की सूरत सँवारने लगे हैं।

मजबूती से पांव रख अपनी ज़मीं पर
जो ऊँचे उड़ उड़े, अब खबराने लगे हैं।

नज़र रखना समय के मिज़ाज संजीव,
कई चेहरे नक़ाबों में संवरने लगे।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। **शुभ रंगः** लाल 7 **शुभ अंकः** 9

वृषभ रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी और व्यवसाय में लाभ मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। **शुभ रंगः** सफेद 7 **शुभ अंकः** 6

मिथुन आज व्यस्तता अधिक रहेगी। कार्यों में सफलता के लिए धैर्य बनाए रखें। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। यात्रा के योग बन सकते हैं। **शुभ रंगः** हरा 7 **शुभ अंकः** 5

कर्क परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न होगा। धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। **शुभ रंगः** चांदी 7 **शुभ अंकः** 2

सिंह नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा। नौकरी में पद और प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
शुभ रंगः सुनहरा 7 शुभ अंकः 1

कन्या आज मेहनत का पूरा फल मिलने की संभावना है। व्यापार में नई योजनाएं लाभदायक रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। **शुभ रंगः** हरा 7 **शुभ अंकः** 7

तुला भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक मामलों में संतुलित व्यवहार रखें। निवेश के लिए दिन अच्छा है।
शुभ रंगः गुलाबी 7 **शुभ अंकः** 6

वृश्चिक कार्यस्थल पर चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें सफलतापूर्वक पार कर लेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः मैरून 7 **शुभ अंकः** 8

धनु धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। करियर में प्रगति के संकेत हैं। यात्रा से लाभ मिल सकता है।
शुभ रंगः पीला 7 **शुभ अंकः** 3

मकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं बनेंगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। **शुभ रंगः** नीला 7 **शुभ अंकः** 4

कुंभ साझेदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक लाभ के नए स्रोत बन सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। **शुभ रंगः** आसमानी 7 **शुभ अंकः** 11

मीन नौकरी और व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।
शुभ रंगः पीला 7 **शुभ अंकः** 7

आ अब लौट चलें। वैश्विक अस्थिरता के दौर में व्यथित भारतीय प्रतिभाओं की विदेशों से घर वापसी का दौर

कभी भारत से विदेश जाना सफलता का पर्याय माना जाता था। इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक, शोधकर्ता और तकनीकी विशेषज्ञ अपने सपनों को साकार करने के लिए अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप की ओर निकल पड़ते थे। बेहतर वेतन, आधुनिक जीवनशैली, अनुसंधान के अवसर और सामाजिक सुरक्षा ने लाखों भारतीय युवाओं को आकर्षित किया। लेकिन आज विश्व की बदलती परिस्थितियां एक नया प्रश्न खड़ा कर रही हैं,क्या अब वह समय आ गया है जब विदेशों में बसे भारतीय पेशेवर 'आ अब लौट चलें की व्यथा तथा कथा की पीड़ा से पीड़ित है? वैश्विक युद्ध के चलते अब भारतीय प्रवासी पैसे वालों की जान को खतरा मंडराने लगा और विदेशी शासको के पराई पान के व्यवहार से परेशान होकर वापस घर लौटने की मानसिकता बन चुके हैं।

विश्व पिछले कुछ वर्षों से युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, बढ़ती महंगाई, सांस्कृतिक तनाव और कठोर होती आव्रजन नीतियों के दौर से गुजर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में बढ़ते संघर्ष, अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा तथा पश्चिमी देशों में बढ़ती राष्ट्रवादी राजनीति ने विदेशी नागरिकों के भविष्य को अनिश्चित बना दिया है। विशेष रूप से भारतीय पेशेवरों के सामने वीजा, स्थायी निवास और रोजगार सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। अनेक देशों में स्थानीय रोजगार को प्राथमिकता देने की मांग तेज हुई है, जिसके कारण प्रवासी समुदाय स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगा है। हाल के वर्षों में अमेरिका की एच-1बी वीजा नीतियों में बदलाव और बढ़ती अनिश्चितताओं ने हजारों भारतीय तकनीकी विशेषज्ञों को भविष्य के प्रति चिंतित किया है।

भारतीय मूल के लाखों पेशेवर विदेशों में रहते हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार विश्वभर में लगभग 3.5 करोड़ भारतीय मूल के लोग निवास करते हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय माना जाता है। इनमें बड़ी संख्या डॉक्टरों, इंजीनियरों, आईटी विशेषज्ञों, वित्तीय सलाहकारों और शोधकर्ताओं की है। केवल भारतीय छात्रों की बात करें तो वर्ष 2024 तक 13 लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेशों में अध्ययन कर रहे थे। विदेशों में रहने वाले भारतीयों की चमकदार तस्वीर अक्सर दिखाई जाती है, किंतु उसके पीछे छिपी मानसिक और सामाजिक पीड़ा कम चर्चा में आती है। आर्थिक सफलता के बावजूद सांस्कृतिक अकेलापन, परिवार से दूरी, बुजुर्ग माता-पिता की चिंता, बच्चों की पहचान का संकट तथा नस्लीय भेदभाव के अनुभव अनेक प्रवासी भारतीयों को भीतर से विचलित करते हैं। पश्चिमी देशों में जीवन की बढ़ती लागत ने भी स्थिति कठिन बना दी है। ऊंचे किराए, महंगी स्वास्थ्य सेवाएं, बच्चों की शिक्षा का खर्च और नौकरी की असुरक्षा ने उस आकर्षण को कमजोर किया है जो कभी विदेशों को अवसरों की स्वर्णभूमि बनाता था।

अनेक भारतीय पेशेवर स्वीकार करते हैं कि आर्थिक समृद्धि के बावजूद भावनात्मक संतोष की कमी उन्हें लगातार परेशान करती रहती है।

भारत के प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने भी इस विषय पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने भारतीय प्रवासी समुदाय को 'ब्रेन ड्रेन' नहीं बल्कि 'ब्रेन बैंक' बताया है। उनका मानना है कि प्रतिभाएं जहां अवसर मिलते हैं वहां जाती हैं, किंतु वे अनुभव, पूंजी, तकनीक और वैश्विक दृष्टि के रूप में अपने देश को भी समृद्ध करती हैं। यह विचार आज और अधिक प्रासंगिक है क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर अब विदेशों से लौटकर भारत में स्टार्टअप, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं।

भारत में भी परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप संस्कृति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष अनुसंधान और वैश्विक क्षमता केंद्रों के विस्तार ने रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के कारण भारत अब केवल प्रतिभा निर्यातक देश नहीं रह गया है, बल्कि प्रतिभाओं को आकर्षित करने वाला देश भी बनने लगा है। कई भर्ती एजेंसियों ने बताया है कि विदेशों में कार्यरत अनुभवी भारतीय पेशेवरों की वापसी की प्रवृत्ति पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ी है। यह भी सच है कि भारत को अभी बहुत कार्य करना बाकी है। अनुसंधान एवं विकास पर खर्च, शहरी अवसंरचना, प्रशासनिक पारदर्शिता, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक भारत वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के लिए विश्वस्तरीय वातावरण नहीं बनाएगा, तब तक प्रतिभा पलायन पूरी तरह नहीं रुकेगा। परिस्थितियों का संकेत स्पष्ट है कि दुनिया का भू-राजनीतिक वातावरण तेजी से बदल रहा है। विदेशी धरती पर बसे भारतीय पेशेवर अब केवल अधिक वेतन नहीं, बल्कि जीवन की स्थिरता, सामाजिक अपनत्व और भावनात्मक सुरक्षा को भी महत्व देने लगे हैं। वे महसूस कर रहे हैं कि अपने देश में संघर्ष करना पराए देश में असुरक्षा के साथ जीने से कहीं अधिक संतोषजनक हो सकता है। माता-पिता की वृद्ध आंखें, अपनी भाषा की मिठास, अपने त्योहारों की खुशबू और अपनी मिट्टी का अपनापन किसी भी मुद्रा में नहीं खरीदा जा सकता।

आज भारत उन लाखों प्रतिभाशाली प्रवासी भारतीयों को पुकार रहा है जिन्होंने अपनी मेहनत से विश्व के बड़े संस्थानों को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। यदि वही ज्ञान, अनुभव और नवाचार भारत की धरती पर लगे तो विकास की नई इबारत लिखी जा सकती है। यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता भी है। वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में अनेक भारतीय पेशेवरों के मन में एक ही स्वर गूंज रहा है,विदेशों की चमक बहुत देख ली, अब अपने देश की धड़कनों को महसूस करने का समय है। सचमुच, यह समय कह रहा है, 'आ अब लौट चलें।

संजीव ठाकुर

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

आर्म्स एक्ट में युवक का चालान

रूद्रपुर, देवरिया। कोतवाली पुलिस ने रविवार को संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की चेकिंग के क्रम में थाना क्षेत्र के एक युवक को देशी तमंचा व दो जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। काशीपुर श्रीनगर कोल्हुआ निवासी सूरज यादव पुत्र घनश्याम यादव उम्र 28 वर्ष सहनकोट माता मंदिर के पास मोटरसाइकिल से कहीं जा रहा था। पुलिस ने उक्त युवक का चालान कर न्यायालय भेज दिया।

25 हजार का इनामिया हत्यारोपी गिरफ्तार

देवरिया। पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामिया आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। खुखुन्दू पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए आरोपी को नूनखार रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी दुर्गेश पुत्र जगदीश निवासी सलाहाबाद वार्ड नंबर-6 थाना सलेमपुर जनपद देवरिया है। आरोपी थाना खुखुन्दू में दर्ज हत्या के मुकदमे में वांछित चल रहा था और उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। खुखुन्दू पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर नूनखार स्टेशन के पास घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार सिंह, उपनिरीक्षक लवकुश कुमार, कांस्टेबल गिरजेश यादव और रिक्रूट कांस्टेबल आदित्य शर्मा शामिल रहे। क्षेत्राधिकारी सलेमपुर मनोज कुमार ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रथम पुण्यतिथि पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख स्व0 केदार नाथ राय को भावभीनी श्रद्धांजलि

गोरखपुरः गोरक्षनाथ सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद त्रिपाठी के सानिध्य में एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सह दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पंडित संतोष मिश्रा के नेतृत्व में पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं वरिष्ठ समाजसेवी स्व0 केदार नाथ राय जी की प्रथम पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्व0 केदार नाथ राय के संघर्षपूर्ण एवं जनसेवा से ओत-प्रोत जीवन को याद करते हुए कहा कि उन्होंने सदैव समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की धारा पहुँचाने का कार्य किया। वे सामाजिक समरसता, संगठनात्मक मजबूती तथा जनहित के मुद्दों को लेकर निरंतर सक्रिय रहे। उनका व्यक्तित्व राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में प्रेरणास्रोत के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष बिनोद त्रिपाठी ने कहा कि स्व0 केदार नाथ राय का जीवन सेवा, संस्कार और समाजहित के कार्यों के लिए समर्पित था। उन्होंने क्षेत्र के विकास एवं गरीब, शोषित और जरूरतमंद लोगों की आवाज़ को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया। उनके आदर्श और विचार आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र एवं समाज सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सह दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पंडित संतोष मिश्रा ने कहा कि स्व0 केदार नाथ राय ने संगठनात्मक एवं सामाजिक जीवन में जो योगदान दिया, वह सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

करोड़ों रुपये नकदी बरामदगी मामले में बड़ा अपडेट, इंडो ट्रेड वेंचर के मालिक को आयकर विभाग का नोटिस

मिर्जापुर। चिल्ह थाना क्षेत्र में दो फॉर्च्यूनर गाड़ियों से करोड़ों रुपये नकदी बरामद होने के चर्चित मामले में आयकरविभाग ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार इंडो ट्रेड वेंचर के मालिक अभिनीत बंसल और भारत सिंह को आयकर विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया है। सूत्रों के मुताबिक आयकर विभाग ने दोनों पक्षों से बरामद नकदी का पूरा विवरण और स्रोत संबंधी जानकारी मांगी है। नोटिस में चार दिनों के भीतर करोड़ों रुपये की नकदी का हिसाब प्रस्तुत करने को कहा गया है। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व रूटीन चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो फॉर्च्यूनर वाहनों से भारी मात्रा में नकदी बरामद की थी। नकदी की गणना के लिए बैंक से नोट गिनने की मशीन थाने मंगाई गई थी, जिसके बाद पूरे कैश की गिनती की गई। बरामद नकदी को सुरक्षा की दृष्टि से चील्ह थाने के नगदी लॉकर में जमा कराया गया था। अब आयकर विभाग ने मामले की जांच तेज करते हुए नकदी के स्रोत और वैधता को लेकर विस्तृत जानकारी तलब की है। मामले को लेकर जिले में चर्चाओं का दौर जारी है और सभी की नजर अब आयकर विभाग की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है।

प्रेमी संग फरार युवती ले गई लाखों की नकदी और जेवर, सोशल मीडिया पर मिल रही जान से मारने की धमकी

● सहजनवा में सनसनी, पिता की तहरीर पर अपहरण, आईटी एक्ट व धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा, गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। एक 20 वर्षीय युवती अपने प्रेमी के साथ घर से फरार हो गई। आरोप है कि युवती जाते समय घर में रखी एक लाख रुपये की नकदी तथा कीमती जेवरात भी साथ ले गई। मामले ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया जब आरोपी युवक द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से युवती के परिजनों को कथित रूप से जान से मारने की धमकियां दी जाने लगीं। पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सहजनवा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती का गांव के ही एक युवक से काफी समय से प्रेम संबंध चल रहा था। परिजनों के अनुसार 3 मई को युवती अचानक घर से लापता हो गई। खोजबीन करने पर पता चला कि वह अपने प्रेमी के साथ चली गई है। परिवार का आरोप है कि युवती घर में रखे करीब एक लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात भी साथ ले गई। युवती के गायब होने के बाद उसके पिता ने सहजनवा थाने में आरोपी युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस मामले की जांच कर रही थी कि इसी दौरान परिजनों को नई परेशानी का सामना करना पड़ा। आरोप है कि आरोपी युवक और उसके सहयोगी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार पोस्ट कर परिवार को धमकाया जाने लगा।

पीड़ित परिवार का कहना है कि जब उन्होंने अपनी बेटी की तलाश तेज की और आरोपी पक्ष से संपर्क करने का प्रयास किया, तब आरोपी के एक सहयोगी के घर से मोबाइल फोन मिला। फोन पर बातचीत के दौरान भी कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित पिता ने पुनः पुलिस से शिकायत की। तहरीर के आधार पर सहजनवा पुलिस ने आरोपी आनंद यादव पुत्र दाताराम यादव तथा उसके एक सहयोगी के खिलाफ अपहरण, आईटी एक्ट और जान से मारने की धमकी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश के साथ-साथ सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट और धमकियों की भी जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमद भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

रामलक्षन देवरिया। क्षेत्र के लुअठही बाजार में श्रीमद भागवत कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य यजमान प्रेम शंकर त्रिपाठी एवम् दमयंती देवी के साथ सभी ग्राम वासी बाबा दुग्धेश्वर नाथ मंदिर से कलश में जल भरकर कथा स्थल लुअठही बाजार तक बाजे गाजे के साथ पहुंचे। बृंदावन से पधारे परमपूज्य श्री संजय कृष्ण किंकर जी महराज ने श्रीमद भागवत कथा के माहात्म्य के बारे में बताया कि हमें यह कथा क्यों सुननी चाहिए और इस कथा का मनुष्य के जीवन में सार्थकता क्या है। कथा में मुख्य यजमान प्रेम शंकर त्रिपाठी एवम् दमयंती देवी के साथ रत्नेश कुमार त्रिपाठी एवम् कंचन देवी अखिलेश कुमार त्रिपाठी एवम् नीलम देवी अमितेश कुमार त्रिपाठी एवम् साधना देवी देवेश कुमार त्रिपाठी एवम् काजल देवी सर्वेश कुमार त्रिपाठी एवम् दीपिका देवी अमरजीत सिंह दिलीप पांडे श्रीनवाश तिवारी मीना देवी विद्यावती देवी सविता देवी आरती तिवारी माधुरी तिवारी श्रीप्रकाश सौरभ सुधीर राम आशीष उर्मिला देवी दिनेश तिवारी अरुण तिवारी सहित बहुत से भक्त गण उपस्थित रहे।

नगरपालिका परिषद पडरौना में सुना गया 'मन की बात' का 134वां एपिसोड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुशीनगर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' का 134वां एपिसोड रविवार को नगरपालिका परिषद पडरौना कार्यालय में उत्साहपूर्वक सुना गया। कार्यक्रम का आयोजन नगरपालिका परिषद अध्यक्ष विनय जायसवाल के निर्देशन में उनके प्रतिनिधि मनीष बुलबुल जायसवाल के नेतृत्व में किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में भीषण गर्मी और लू से बचाव, जल संरक्षण, समाज सेवा, जनभागीदारी, भारत की खेल उपलब्धियों तथा आम से जुड़ी सांस्कृतिक गतिविधियों समेत विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि उनकी ऊर्जा, नवाचार और सामाजिक जागरूकता राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। साथ ही उन्होंने भीषण गर्मी से बचाव और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के बाद नगरपालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। कृषि, रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, खेल और अंतरिक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश लगातार प्रगति कर रहा है तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने पश्चिम एशिया में तनावपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद देश में ईंधन की उपलब्धता और मूल्य नियंत्रण को केंद्र सरकार की प्रभावी विदेश नीति का परिणाम बताते हुए प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना की। इस अवसर पर विनोद गुप्ता, विशाल कुमार, बृजेश कुमार, राहुल कुमार, अखिलेश सिंह, अमन मोदनवाल, नीरज मिश्र, विनय पाण्डेय, गौरव रौनियर, अभय मारोदिया, मृत्युंजय दीक्षित, गुलाबी शाह, संतोष चौहान, सागर जायसवाल, केदार मद्धेशिया, राहुल गुप्ता, मुरारी पटेल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

दहेज की भेंट चढ़ी विवाहिता, पति-ससुर समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

● कैम्पियरगंज पुलिस की बड़ी कार्वाई, दहेज हत्या के मामले में दबोचे गए आरोपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्या के मामलों पर सख्त कार्रवाई करते हुए कैम्पियरगंज पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। थाना क्षेत्र के चान्दीपुर गांव में दर्ज दहेज हत्या के मामले में पुलिस ने पति, ससुर और एक महिला रिश्तेदार को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, थाना कैम्पियरगंज में मुकदमा संख्या 276/2026 धारा 80(2), 85 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक उत्तरी के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज के पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक कैम्पियरगंज के नेतृत्व में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जांच और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने रविवार को चान्दीपुर गांव निवासी विजय निषाद पुत्र रामकेवल निषाद, रामकेवल निषाद पुत्र महाबली तथा माधुरी पत्नी गणेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि तीनों आरोपियों का नाम दहेज हत्या के मुकदमे में सामने आया था और उनकी तलाश की जा रही थी। दहेज हत्या समाज के लिए एक गंभीर और चिंताजनक अपराध है। ऐसे मामलों में पुलिस की त्वरित कार्रवाई पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जाती है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई भी की जाएगी।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर शिक्षक के वेतन पर रोक

प्रगणक की नियुक्ति के बावजूद कार्यभार ग्रहण न करने पर एडीएम ने मांगा स्पष्टीकरण

देवरिया। जनगणना-2027 के तहत मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य में लापरवाही बरतने के मामले में जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) रामशंकर ने एक शिक्षक का वेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया है। भाटपाररानी विकास खंड के कम्पोजिट विद्यालय बनकटा शंभू में तैनात सहायक अध्यापक अजीत प्रताप सिंह को प्रगणक नियुक्त किया गया था, लेकिन उन्होंने कार्यभार ग्रहण नहीं किया। प्रशासन के अनुसार इससे जनगणना कार्य प्रभावित हुआ। एडीएम ने इसे जनगणना अधिनियम-1948 के प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए संबंधित शिक्षक से 24 घंटे में साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही चेतावनी दी है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर विधिक व विभागीय कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएम गौरव सिंह सोगरवाल का मेगा एक्शन प्लानः 'अब खर्च नहीं, असर गिना जाएगा', 1 साल के टारगेट तय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज ब्यूरो। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने आज विकास भवन में अफसरों के साथ मैराथन बैठक कर साफ कर दिया - 'शासन की योजना जमीन पर दिखनी चाहिए, फाइल में नहीं।' डीएम ने सभी विभागों को *अगले 1 साल का रोडमैप बनाने का टास्क दिया है।

डीएम के 7 बड़े फैसलेः 'रिजल्ट चाहिए, बहाना नहीं'

1. एनएफएचएस डेटा से पकड़ेंगे कमजोरी

डीएमः 'बिना बीमारी जाने इलाज कैसे होगा?' सभी विभाग राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों से अपने-अपने सेक्टर की कमजोरी ढूंढें। कुपोषण, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव में जो गांव पीछे हैं, वहां स्पेशल रणनीति बनेगी।

2. हर स्कूल बनेगा 'कायाकल्प मॉडल'

बेसिक शिक्षा को टारगेटः 100% परिषदीय स्कूल मिशन कायाकल्प से संतृप्त करें।

- नामांकन + उपस्थिति बढ़ाओ
- टॉयलेट, पानी, बिजली, फर्नीचर हर स्कूल में हो
- लाइब्रेरी, खेल, स्मार्ट क्लास पर फोकस

डीएमः 'बच्चे स्कूल आएं, रुकें और सीखें - तीनों जरूरी हैं।'

3. मनरेगा = अब सिर्फ गड्ढा नहीं, असेट बनेगा

- मनरेगा से बने तालाब, चेकडैम, पंचायत भवन का भौतिक सत्यापन होगा।
- जल संरक्षण, पौधारोपण, ग्रामीण सड़क से मनरेगा को जोड़ें।
- परफॉर्मेंस ग्रांट वाले गांव को 'मॉडल ग्राम' बनाओ। बी.डी.ओ 1 महीने में प्रेजेंटेशन दें - सड़क, पानी, लाइट, सफाई की पूरी रिपोर्ट के साथ।

4. हर गांव में स्वच्छता का तूफान

पंचायतीराज को आदेशः ठोस + तरल कचरा प्रबंधन हर पंचायत में।

प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट जो बन रही हैं, उन्हें तुरंत चालू कराओ। गंदगी मिली तो प्रधान-सेक्रेटरी की जवाबदेही तय होगी।

5. गोसदन मधवलिया बनेगा 'आदर्श गोसदन'

पशुपालन विभागः निराश्रित गोवंश के लिए *चारा, पानी, शेड, इलाज की 100% व्यवस्था। मधवलिया को पूरे जिले के लिए *रोल मॉडल* बनाएं।

6. महिला समूहों को 'लखपति दीदी' बनाओ

एनआरएलएम को टास्कः हर ब्लॉक में सफल एसएच जीके मॉडल तैयार हों।

बैंक लिंकेज + स्किल ट्रेनिंग + मार्केटिंग - तीनों से जोड़कर महिलाओं की कमाई बढ़ाओ।

7. पौधा लगाना नहीं, बचाना है

वन विभागः पौधारोपण से पहले गड्ढे खोदकर रिपोर्ट दो। डीएम सख्त- 'पौधा लगाने का फोटो नहीं, 6 महीने बाद जिंदा पौधे का फोटो* चाहिए। जीवितता 80% से कम तो कार्रवाई होगी।'

'हर विभाग लाए 1 इनोवेशन'

डीएम का नया फॉर्मूलाः 'योजना की सफलता खर्च से नहीं, जनता को मिले लाभ से नापी जाएगी।'

हर विभाग अपने क्षेत्र में 1 नई पहल शुरू करे। फील्ड विजिट अनिवार्य। मासिक रिपोर्ट में 'क्या किया' नहीं, क्या बदला' बताना होगा।

विकास भवन का भी कायाकल्प होगा

बैठक से पहले डीएम ने *विकास भवन का निरीक्षण किया। नया सभागार जल्द चालू करने और परिसर को स्वच्छ, हरित, जनोपयोगी बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में ये अफसर रहे मौजूद

सीडीओ महेंद्र कुमार सिंह, डीएफओ निरंजन सुर्वे, डीडीओ भोलानाथ कन्नौजिया, पी.डी.

राम दरश चौधरी, सीवी ओडॉ. एजाज अहमद, डीसी मनरेगा गौरवेंद्र सिंह समेत सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। डीएम का मैसेज साफ हैः 2026-27 का साल 'डिलीवरी का साल' होगा। फाइलों की जगह फील्ड पर रिजल्ट दिखाओ।

सिकरीगंज में जमीनी विवाद ने ली युवक की जान, पीट-पीटकर हत्या से गांव में सनसनी

● ढखवा गांव में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष, 26 वर्षीय पिंटू साहनी की मौत; पुलिस ने शुरू की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के ढखवा गांव में जमीनी विवाद ने शनिवार देर रात खूनी रूप ले लिया। भूमि को लेकर चल रहे पुराने विवाद में हुई मारपीट के दौरान 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान पिंटू साहनी (26) के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच काफी समय से विवाद चला आ रहा था। शनिवार रात इसी मामले को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद बढ़ने पर जमकर मारपीट हुई। आरोप है कि विरोधी पक्ष के लोगों ने पिंटू साहनी पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद परिजन और ग्रामीण उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन उसकी हालत बिगड़ती चली गई और उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलते ही सिकरीगंज पुलिस तथा क्षेत्राधिकारी खजनी विवेक तिवारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालात को देखते हुए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और पुलिस लगातार निगरानी कर रही है।

सीओ विवेक तिवारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला जमीनी विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है। इस घटना ने एक बार फिर जमीन संबंधी विवादों के बढ़ते हिंसक स्वरूप पर चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और लोग पुलिस कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

बॉर्डर पर तस्करी का खेल फेलः 74 शीशी नेपाली 'किमसिम सौंफ' शराब के साथ 55 साल का तस्कर गिरफ्तार

महराजगंज ब्यूरो। भारत-नेपाल बॉर्डर से सटे ठूठीबारी में पुलिस ने अवैध नेपाली शराब तस्करी के एक और रैकेट को ध्वस्त किया है। 74 शीशी 'किमसिम सौंफ' ब्रांड की नेपाली शराब के साथ एक तस्कर को रंगे हाथ पकड़ा गया। **कैसे पकड़ा गया तस्कर? मुखबिर की पक्की खबर** 30 मई की रात 8:06 बजे उपनिरीक्षक उमाकान्त सरोज अपनी टीम का0 विकेश कुमार के साथ ठूठीबारी थाना क्षेत्र में गश्त पर थे। कच्ची सड़क पर चेकिंग कर रहे थे। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि एक शख्स प्लास्टिक की बोरी में नेपाली शराब लेकर नेपाल से भारत आ रहा है। पुलिस ने घेराबंदी कर संदिग्ध को रोका। तलाशी में बोरी से 74 शीशी नेपाली शराब बरामद हुई। हर शीशी 300 रूकी थी। कुल 22.2 लीटर शराब जब्त की गई। गिरफ्तार तस्कर दीपलाल उम्र 55 वर्ष पिता दुःखीलाल पता ग्राम पिपरा, थाना ठूठीबारी, महराजगंज का बताया गया। आरोपी के खिलाफ थाना ठूठीबारी में धारा 60/63 आबकारी अधिनियम में केस दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है।

किमसिम सौंफ' क्यों है बॉर्डर पर हिट?

किमसिम सौंफ नेपाल का देसी ब्रांड है। भारत में इसकी तस्करी की 3 वजहः

1. सस्ती है नेपाल में 1 शीशी 9?40-50, भारत में 120-150 में बिकती है।

2. नशा तेज लोकल शराब से ज्यादा नशीली मानी जाती है।

3. आसानी से छुप जाती है 300 रूकी छोटी शीशी, बोरी-साइकिल से पार कर देते हैं।

ठूठीबारी-नवलपरासी बॉर्डर पर दर्जनों कच्चे

» नेपाली शराब सेहत के लिए खतरा यों ?
मिथाइल अल्कोहल का खतरा - आंखों की रोशनी जा सकती है.FSSAI अप्रूव्ड नहीं- वालिटी का कोई मानक नहीं। जहरीली हो सकती है ।

रास्ते हैं। SP शक्ति मोहन अवस्थी के 'ऑपरेशन सीमा' के तहत पिछले 1 महीने में ये तीसरी बड़ी बरामदगी है। - पहले 12 मई को 120 शीशी पकड़ी गई थी - फिर 22 मई को 90 शीशी के साथ 2 तस्कर पकड़े गए

आबकारी एक्ट 60/63 में कितनी सजा? धारा 60 अवैध शराब रखना बेचना 6 महीने से 3 साल तक जेल 5000 तक जुर्माना .धारा 63 पहली बार से ज्यादा मात्रा रिपीट ऑफेंस 2 से 5 साल तक जेल ?10,000 जुर्माना .22.2 लीटर वाणिज्यिक मात्रा मानी जाती है, सजा सख्त होगी। थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंहः 'बॉर्डर पर तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही 'ठूठीबारी बॉर्डर पर 24×7 पुलिस सतर्क है। स्स्क्के साथ जॉइंट पेट्रोलिंग चल रही है। शराब, मवेशी, - किसी भी तस्करी को बर्दाश्त नहीं करेंगे। गांव वालों से अपील है - तस्करी की सूचना 112 पर दें, नाम गुप्त रहेगा।

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के प्रथम चरण में 93 प्रतिशत अभ्यर्थी हुए शामिल

भदोही। संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 के तहत जनपद भदोही में बनाए गए छह परीक्षा केंद्रों पर प्रथम पाली की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा में कुल 2804 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 2681 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 203 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा जारी उपस्थिति विवरण के अनुसार काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ब्लॉक-ए केंद्र पर 500 में से 468 अभ्यर्थी उपस्थित एवं 32 अनुपस्थित रहे। ब्लॉक-बी केंद्र पर 465 अभ्यर्थी उपस्थित तथा 35 अनुपस्थित रहे। श्री गुलाबधर मिश्र इंटर कॉलेज केंद्र पर 384 में से 355 अभ्यर्थी उपस्थित एवं 29 अनुपस्थित रहे। वहीं श्री इंदिरा बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज में 500 में से 460 अभ्यर्थी उपस्थित तथा 40 अनुपस्थित रहे। विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज में 468 अभ्यर्थी उपस्थित एवं 32 अनुपस्थित रहे, जबकि जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज केंद्र पर 465 अभ्यर्थी उपस्थित और 35 अनुपस्थित रहे। जनपद के सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा एवं पारदर्शिता के व्यापक इंतजाम किए गए थे। परीक्षा शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हुई। कुल मिलाकर प्रथम पाली में लगभग 95.6 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई, जो परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों की गंभीरता को दर्शाती है।

अपराध पर कार्रवाई से लेकर मौसम अलर्ट तक, देवरिया पुलिस रही पूरी तरह सक्रिय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। पुलिस ने कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और मौसम जनजागरूकता को लेकर जिलेभर में कई अहम अभियान चलाए। कहीं अवैध तमंचे के साथ आरोपी गिरफ्तार हुआ तो कहीं महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। वहीं मौसम विभाग की चेतावनी के बाद पुलिस ने गांव-गांव और बाजारों में पहुंचकर लोगों को सतर्क रहने की अपील की।

तमंचा और कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान के दौरान सहनकोट माता मंदिर के पास से मोटरसाइकिल सवार सूरज यादव को गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके पास से 315 बोर का एक देशी तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी पर पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज बताए गए हैं।

दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट मामले में आरोपी गिरफ्तार

सुरौली पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी उग्रसेन उर्फ भल्लू को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता के परिजनों ने 29 मई को थाना सुरौली में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले में पुलिस ने बीएनएस, पाक्सो एक्ट और एससी/एसटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बहू-बेटी अभियान के जरिए महिलाओं को किया जागरूक

मिशन शक्ति फेज-5.0 के अंतर्गत जिले के सभी थानों में बहू-बेटी चलाकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, स्वावलंबन और कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति टीमों ने गांवों और कस्बों में चौपाल लगाकर दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध और महिला हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक किया। साथ ही नए आपराधिक कानूनों और सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्ती

यातायात पुलिस ने शहर क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर बिना फिटनेस, बिना ड्राइविंग लाइसेंस और सड़क पर अवैध रूप से सवारी भरने वाले ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान कुल 96 वाहनों का ई-चालान किया गया, जबकि तीन वाहनों को सीज किया गया। पुलिस ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार जारी रहेगी।

मौसम अलर्ट पर पुलिस की जनजागरूकता

मौसम विभाग द्वारा आंधी, बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी के बाद देवरिया पुलिस ने जिलेभर में अलर्ट अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की अपील की। किसानों और मजदूरों को खुले मैदानों और पेड़ों के नीचे काम न करने की सलाह दी गई, जबकि आमजन से बिजली के खंभों और जलाशयों से दूर रहने को कहा गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एसपी के निर्देश पर पति समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गोपीगंज। दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने और घर से निकालने के आरोप में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गोपीगंज थाने में पति समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रयागराज जनपद की निवासी पूजा बिंद ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया था कि वर्ष 2019 में उसकी शादी गोपीगंज थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर निवासी जयप्रकाश बिंद के साथ हुई थी। विवाह के बाद से ही पति, सास, ससुर, देवर एवं ननद द्वारा दो लाख रुपये नकद और मोटरसाइकिल की मांग को लेकर उसे मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। पीड़िता का आरोप है कि 20 मई 2026 को ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया तथा दहेज न लाने पर जान से मारने की धमकी दी। स्थानीय थाने में सुनवाई न होने पर उसने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गोपीगंज थाने में पति जयप्रकाश बिंद समेत पांच लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है।

संक्षिप्त खबरें

टीएमसी के पूर्व विधायक खोकन दास प्रयागराज में गिरफ्तार, हत्या की कोशिश के केस में वांछित थे

प्रयागराज। बंगाल में हत्या की कोशिश, बलवा के मुकदमे में वांछित चल रहे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व विधायक खोकन दास को हंडिया टोल प्लाजा से गिरफ्तार कर लिया गया। रविवार दोपहर बंगाल पुलिस ने प्रयागराज पुलिस के सहयोग से घेरेबंदी करके पूर्व विधायक को पकड़ा। वह कार में तीन लोगों के साथ दिल्ली से बंगाल की तरफ जा रहे थे, तभी उन्हें दबोचा गया। अभियुक्त खोकनदास का ट्रांजिट रिमांड बनवाया जा रहा है, जिसके बाद उन्हें बंगाल ले जाया जाएगा।

हत्या का प्रयास, बलवा आदि में दर्ज है मुकदमा

बताया गया है कि वर्ष 2012 में बंगाल के पूर्व वर्धमान जिले के वर्धमान दक्षिण से खोकन दास विधायक थे। वह इस बार भी टीएमसी से प्रत्याशी थे, लेकिन 30 हजार वोट से हार गए। जून 2025 में वर्धमान में खोकन दास के खिलाफ हत्या का प्रयास, बलवा समेत कई धाराओं में मुकदमा पंजीकृत हुआ था। उस मुकदमे में पूर्व विधायक वांछित चल रहे थे।

लोकेशन दिल्ली में मिली तो पुलिस ने पीछा किया

उनकी गिरफ्तारी के लिए बंगाल के एक इंस्पेक्टर की अगुवाई में दारोगा और सिपाहियों की टीम लगी थी। कुछ दिन पहले उनकी लोकेशन दिल्ली में मिली तो पुलिस टीम ने पीछा किया। इसका पता चलते ही खोकन दास तीन साथियों के साथ कार से ही निकल पड़े।

हंडिया टोल प्लाजा पर पकड़ा गया

रविवार दोपहर 12 बजे के बाद वह प्रयागराज के हंडिया थाना क्षेत्र स्थित टोल प्लाजा पर पहुंचे तो बंगाल पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से घेर लिया। इसके बाद सभी को हंडिया थाने ले जाया गया। वहां पूछताछ करते हुए पूर्व विधायक की गिरफ्तारी की गई। फिर ट्रांजिट रिमांड के लिए कोर्ट ले जाया गया। उनके साथ रहे बाकी लोगों को छोड़ दिया गया।

बंगाल पुलिस ट्रांजिट रिमांड बनवाकर साथ ले जाएगी

थाना प्रभारी हंडिया अनूप सरोज ने बताया कि हत्या की कोशिश के मुकदमे में वांछित खोकन दास बंगाल जा रहे थे, तभी टोल प्लाजा के पास से पकड़ा गया। बंगाल पुलिस ट्रांजिट रिमांड बनवाकर साथ ले जाएगी।

'उम्रदराज कैदियों को जमानत पर छोड़ा जाना चाहिए', इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 12 दोषियों को रिहा करने का दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति जयकृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने कुछ अपीलों की सुनवाई के दौरान कहा कि उम्रदराज दोषियों की सजा निलंबित कर उन्हें जमानत पर रिहा कर देना चाहिए। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने 12 अभियुक्तों की जमानत मंजूर कर ली है। कोर्ट को बताया गया कि मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है। दोषियों को संदेह के आधार पर फंसाया गया और उनके खिलाफ कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं है। यह भी स्पष्ट किया गया कि ये सभी दोषी मुकदमे के दौरान भी जमानत पर थे और उन्होंने कभी इसका दुरुपयोग नहीं किया। अदालत ने दोषियों की वृद्धावस्था पर विशेष सहानुभूतिपूर्वक विचार किया। हत्या मामले में अभियुक्त मोहम्मद अयूब फैजी और अली जहीर निर्णय के समय 85 वर्ष, जबकि मोहम्मद याकूब, मोहम्मद असद, अफजल और अलाउद्दीन की आयु 70 वर्ष है। हाई कोर्ट ने दोषियों की सजा को अपील के अंतिम निर्णय तक स्थगित करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने हुसैन अहमद, फहीम अख्तर, मोहम्मद याकूब, इरशाद अहमद, दिलशाद अहमद, वसीम अहमद, मोहम्मद अयूब फैजी, असरार अहमद, अली जहीर, मोहम्मद असद, अफजल और अलाउद्दीन को व्यक्तिगत मुचलके और दो प्रतिभूति पेश करने पर रिहा करने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त अपील में निर्णय आने तक दोषियों पर लगाए गए जुर्माने की वसूली पर भी रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 नवंबर 2026 की तारीख निर्धारित की है। कुल पांच अपीलों में उक्त अभियुक्तों की तरफ से दोषसिद्धि की सजा निलंबित कर जमानत पर रिहा करने की प्रार्थना की गई थी। प्रकरण वर्ष 1999 में आईपीसी की विभिन्न धाराओं में थाना मुबारकपुर आजमगढ़ दर्ज किया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार लापता हुए अली अकबर की लाश दो दिन 30 अप्रैल को मिली थी। वादी मुकदमा नासिर हुसैन ने एफआइआर दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि 27 अप्रैल 1999 की दोपहर अभियुक्तों ने अली अकबर की हत्या कर शव छिपा दिया।

हाईकोर्ट के स्टे के बावजूद अनाथालय की भूमि पर निर्माण का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। सदर कोतवाली क्षेत्र के मेला रोड स्थित संकटा देवी परिसर में संचालित जयेन्द्र बाल एवं महिला सदन अनाथालय की भूमि पर हाईकोर्ट के स्थगन आदेश के बावजूद पक्का निर्माण कराए जाने का मामला सामने आया है। संस्था प्रबंधन ने स्थानीय पुलिस पर निर्माण कार्य न रोकने और दबंगों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। संस्था की प्रबंधक अनारकली शुक्ला ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि अनाथालय की विवादित भूमि एवं दुकानों से संबंधित मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। उनका आरोप है कि विपक्षी पक्ष द्वारा मृत किरायेदार के उत्तराधिकारी के साथ कथित सांठगांठ कर न्यायालय में आदेश प्राप्त किया गया, जबकि संपत्ति पर उसका कोई वैधानिक अधिकार नहीं था। संस्था के विधिक प्रतिनिधि अनुज कुमार शुक्ला के अनुसार, गाटा संख्या 1375 के स्वामित्व का मामला प्रथम अपील संख्या 149/2025 के रूप में उच्च न्यायालय में लंबित है। इसके बावजूद विपक्षी पक्ष ने कथित रूप से पक्की नाली और इंटरलॉकिंग फर्श का निर्माण करा दिया।पीड़ित पक्ष का आरोप है कि 25 मई को निर्माण कार्य शुरू होने पर यूपी-112 को सूचना दी गई थी। मौके पर पुलिस भी पहुंची, लेकिन निर्माण कार्य नहीं रुक सका। इससे पहले 13 अप्रैल को परिसर की उत्तरी दीवार गिराए जाने का भी आरोप लगाया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक खीरी ने जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, पीड़ित परिवार ने चेतावनी दी है कि यदि यथास्थिति बहाल नहीं की गई तो वे न्यायालय की शरण लेकर अवमानना की कार्रवाई की मांग करेंगे।

मुंडिया के लाल ने मेडीकल क्षेत्र में पाई बड़ी उपलब्धि,देश भर में पाई छठी रैंक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। थाना इज्जतनगर के गांव मुंडिया अहमद नगर के रहने वाले किसान सूरजपाल के बेटे डॉ. कमल राज ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी राष्ट्रीय उपलब्धि हांसिल की है। उन्होंने देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षाओं में से एक फॉर्म इस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपोर्टेंस सुपर-स्पेशलिटी (जुलाई 2026) में मचा उरोलॉजी(सर्जिकल ग्रुप) विभाग के अंतर्गत पूरे देश में छठी (रैंक 6) ऑल इंडिया मेरिट लिस्ट में हांसिल की है। जैसे ही यह खबर डॉ. कमल राज के पिता सूरज पाल को मिली तो पूरे परिवार में खुशी छा गई।एक ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर देश के शीर्ष सर्जिकल ग्रुप में छठा स्थान पाना पूरे बरेली जनपद के लिए बड़े ही गौरव की बात है। डॉ. कमल राज की इस ऐतिहासिक सफलता पर उनके पूरे गांव में खुशी का माहौल है।

कड़ी मेहनत और समर्पण से पूरा हुआ सपना

अपनी इस शानदार कामयाबी पर डॉ. कमल राज ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस कठिन परीक्षा में टॉप रैंक हांसिल करना उनके लिए एक सपना सच होने जैसा है। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पिता सूरज पाल, गृहणी माता ऊषा देवी एवं गुरुजनों को दिया है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में एक कुशल यूरोलॉजिस्ट के रूप में डॉ. कमल राज देश की स्वास्थ्य सेवाओं में अपना बहुमूल्य और उत्कृष्ट योगदान देंगे। उनकी सफलता पर पूर्व प्रधान वेदप्रकाश पटेल,डॉ धीरज पाल गंगवार, लक्ष्मी गंगवार,पूजा मिश्रा, उमेश पटेल, सुनील पटेल, अरविंद चौहान आदि ने खुशी जताई है।

युवती को बहला फुसलाकर कर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

मितौली- खीरी में कोतवाली मितौली पुलिस ने एक युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया। यह कार्रवाई क्षेत्राधिकारी मितौली यादवेन्द्र के मार्गदर्शन और प्रभारी निरीक्षक महेश पाठक के नेतृत्व में मितौली पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस ने आरोपी आकाश पुत्र सोबरन (20 वर्ष) को उसके निवास स्थान ग्राम डहर, थाना मितौली, जिला खीरी से पकड़ा। आकाश पर मुकदमा अपराध संख्या 210/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87/137(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। उस पर एक युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में महिला उपनिरीक्षक महिमा पाण्डेय, कांस्टेबल सुगम कुमार और रिजर्व कांस्टेबल पवन कुमार शामिल थे। क्षेत्राधिकारी यादवेन्द्र ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

उल्ल नदी प्रदूषण की चपेट में, अस्तित्व पर मंडराया संकट

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले की आस्था और पहचान मानी जाने वाली उल्ल नदी आज गंभीर प्रदूषण का सामना कर रही है। नदी में लगातार बढ़ता कूड़ा-कचरा, प्लास्टिक और गंदे नालों का पानी इसके प्राकृतिक स्वरूप को नुकसान पहुँचा रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी स्वच्छ और निर्मल बहने वाली यह नदी अब कई स्थानों पर प्रदूषित दिखाई देती है। नदी के किनारों पर फैला कचरा और जल में तैरता प्लास्टिक पर्यावरण के साथ-साथ जलीय जीवों के लिए भी खतरा बन गया है।पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर के नालों का गंदा पानी सीधे नदी में गिरने से रोका जाए तथा नियमित सफाई अभियान चलाया जाए। नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे नदी में कूड़ा और प्लास्टिक न फेंकें तथा स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में उल्ल नदी का अस्तित्व और अधिक संकट में पड़ सकता है।

जहां कानून बेबस, वहां दबंग बेखौफ! बालूडिहा भट्टे पर अराजकता चरम पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। महेवा गंज चौकी क्षेत्र का बालूडिहा भट्ठा परिसर इन दिनों खुलेआम अराजकता का केंद्र बना हुआ है। शाम ढलते ही यहां शराबियों, दबंगों और संदिग्ध किस्म के लोगों का जमावड़ा लग जाता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि देर रात तक शराब पार्टी, गाली-गलौज, मारपीट और हुड़दंग का ऐसा नंगा खेल चलता है, मानो इलाके में कानून नाम की कोई चीज ही न बची हो। ग्रामीणों का कहना है कि भट्ठा परिसर अब 'मिनी बियर बार' में तब्दील हो चुका है, जहां खुलेआम शराब, शबाब और कबाब का दौर चलता है। युवक-युवतियों की मौजूदगी और अशोभनीय हरकतों से आसपास का माहौल पूरी तरह दूषित हो रहा है। हालत यह है कि शाम के बाद क्षेत्र के लोग अपने परिवार और बेटियों को लेकर भयभीत रहने लगे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर इतनी खुली गुंडागर्दी के बावजूद महेवा गंज पुलिस आखिर खामोश क्यों है? स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायतें होने के बाद भी न तो कोई ठोस कार्रवाई हुई और न ही अराजक तत्वों पर लगाम लगाई गई। इससे दबंगों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें पुलिस का जरा सा भी खौफ नहीं रह गया। सूत्रों के मुताबिक कुछ समय पहले एक कार मैकेनिक के साथ पुलिस की मौजूदगी में ही मारपीट की घटना हुई थी, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हुई। क्षेत्रवासियों का कहना है कि अगर समय रहते पुलिस प्रशासन नहीं जागा तो किसी दिन यहां बड़ी वारदात होना तय माना जा रहा है। लोगों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर भट्ठा परिसर में चल रही अवैध गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर सीएमओ कार्यालय में संगोष्ठी

● अधिकारियों और कर्मचारियों ने ली शपथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने की। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को तंबाकू का सेवन न करने और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने तंबाकू उत्पादों से होने वाले जानलेवा नुकसानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने धुआं रहित और धुआं वाले तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों को अलग-अलग रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि धुआं रहित तंबाकू उत्पाद (खैनी, गुटका, पान मसाला आदि) चबाने वाले तंबाकू उत्पादों से मुंह का कैंसर (ओरल कैंसर), जीभ, गले और मसूड़ों की बीमारियां होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। यह उत्पाद सीधे तौर पर पाचन तंत्र को भी नुकसान पहुंचाते हैं। धुआं वाले तंबाकू उत्पाद (बीड़ी, सिगरेट, हुक्का आदि): इनके सेवन से फेफड़ों का कैंसर, क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, दिल का दौरा (हार्ट अटैक) और स्ट्रोक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियां होती हैं। यह सीधे तौर पर श्वसन तंत्र को नष्ट कर देता है।

'पैसिव स्मोकिंग' भी है बेहद खतरनाक

सीएमओ ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि तंबाकू का धुआं सिर्फ पीने वाले को ही नहीं, बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोगों को भी समान रूप से बीमार बनाता है। इसे पैसिव स्मोकिंग कहा जाता है। जन जागरूकता फैलाते हुए उन्होंने कहा कि धूम्रपान करने वालों के संपर्क में आने से निर्दोष लोग भी फेफड़ों और दिल की बीमारियों का शिकार हो जाते हैं।

गर्भवती माताओं और अजन्मे बच्चे को बड़ा खतरा

संगोष्ठी में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। डॉ. संतोष गुप्ता ने कहाः 'यदि कोई गर्भवती माता तंबाकू उत्पादों का सेवन करती है या किसी अन्य के धूम्रपान के धुएं के संपर्क में आती है, तो इसका सीधा और घातक असर उसके गर्भ में

पल रहे बच्चे पर पड़ता है। इससे समय से पहले प्रसव (प्री-मैच्योर डिलीवरी), बच्चे का वजन कम होना और बच्चे में जन्मजात विकृतियां होने का खतरा अत्यधिक बढ़ जाता है।

कार्यक्रम के दौरान एसीएमओ डॉ. एसपी मिश्रा, एसीएमओ डॉ. आरएम गुप्ता, और डिप्टी सीएमओ व कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद वर्मा सहित जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनिल यादव ने भी तंबाकू मुक्ति को लेकर अपने-अपने विचार साझा किए और स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों की जानकारी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन विजय वर्मा द्वारा किया गया। संगोष्ठी के अंत में सभी ने जिले को तंबाकू मुक्त बनाने में अपना सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

भुईफोरवानाथ मंदिर भूमि प्रकरण मे एसडीएम के निलंबन की मांग- अधिवक्ताओं ने खोला मोर्चा

● मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। शहर के ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित भुईफोरवानाथ मंदिर की बेशकीमती भूमि को कथित रूप से भूमाफियाओं के हवाले करने का मामला अब पूरी तरह गरमा गया है। इस गंभीर प्रकरण को लेकर उत्तर प्रदेश अधिवक्ता महासंघ ने मोर्चा खोलते हुए तत्कालीन एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह के तत्काल निलंबन की मांग की है। शनिवार को बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन अजय कुमार शुक्ल के नेतृत्व में महासंघ के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी (डीएम) खीरी से मुलाकात की और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक तीखा ज्ञापन सौंपा अधिवक्ताओं का आरोप है कि मंदिर की सार्वजनिक और धार्मिक भूमि को भूमाफियाओं को सौंपने के खेल में प्रशासनिक स्तर पर बड़े पैमाने पर हेरफेर और गंभीर अनियमितताएं की गई हैं। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि आस्था के केंद्र के साथ इस तरह का खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 'धार्मिक और सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। लेकिन इस मामले में पारदर्शिता को ताक पर रखकर काम किया गया, जिससे आम जनता और अधिवक्ता समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है।'

अजय कुमार शुक्ल, सदस्य, बार काउंसिल यूपी ज्ञापन के माध्यम से अधिवक्ता महासंघ ने मुख्य रूप से निम्नलिखित मांगें उठाई हैं कि भूमाफियाओं को कथित संरक्षण देने के आरोपी एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह को तुरंत निलंबित किया जाए। पूरे भूमि प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराकर इसमें संलिप्त सभी दोषियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। मंदिर की संपत्ति को भूमाफियाओं के चंगुल से मुक्त कराकर सुरक्षित किया जाए। महासंघ के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन और शासन को दोटूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि इस मामले में शीघ्र ही कोई ठोस और दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो प्रदेश भर के अधिवक्ता सड़कों पर उतरकर व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस मौके पर महासंघ के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे, जिन्होंने मंदिर की भूमि को बचाने के लिए आर-पार की लड़ाई का संकल्प जताया है।

दिल्ली पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़, हिमांशु भाऊ गैंग से जुड़ा सक्रिय बदमाश पकड़ा गया

दिल्ली। बक्करवाला इलाके में बाहरी दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम और एक वांटेड बदमाश के बीच देर रात मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से दो-दो राउंड गोलियां चलीं। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद नामचीन ऑटो लिफ्टर मनोज बक्करवाला के बेटे आशीष उर्फ आशीष बक्करवाला को पकड़ लिया। आशीष पर आठ से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह चार मामलों में वांटेड चल रहा था। पुलिस के अनुसार, वह हत्या के मामले में जेल से छूटने के बाद हिमांशु भाऊ गैंग के लिए काम कर रहा था। 14 मई को मुंडका, रनहोला और कंझावला में हुई फायरिंग की घटनाओं में भी उसकी तलाश थी। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से हथियार बरामद कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बिजली संकट पर फूटा किसानों का गुस्सा, मझिगवां उपकेंद्र पर सड़क पर उतरे ग्रामीण

● तपती धूप में किसानों संग धरने पर बैठे सपा नेता कार्तिक तिवारी, एसडीओ को भी सड़क पर बैठकर करनी पड़ी वार्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहम्मदी खीरी। बिजली की लगातार खराब व्यवस्था और लो वोल्टेज की समस्या से परेशान ग्रामीणों व किसानों का गुस्सा आखिरकार मझिगवां विद्युत उपकेंद्र पर फूट पड़ा। किसानों के समर्थन में समाजवादी पार्टी नेता कार्तिक तिवारी भी मौके पर पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में किसानों और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया।भीषण गर्मी और तपती धूप के बीच किसान सड़क पर बैठकर बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। किसानों के साथ धरने पर बैठे सपा नेता कार्तिक तिवारी ने अधिकारियों से कहा कि जब किसान कई घंटों से धूप में बैठे हैं तो अधिकारियों को भी उनकी समस्या समझनी चाहिए। इसी दौरान उन्होंने एसडीओ को भी सड़क पर बैठकर किसानों से वार्ता करने को मजबूर कर दिया।काफी देर चली बातचीत के बाद अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या का जल्द समाधान कराया जाएगा। साथ ही प्रत्येक फीडर पर वर्तमान से अधिक विद्युत आपूर्ति देने की बात कही गई। आश्वासन मिलने के बाद किसानों का आक्रोश कुछ शांत हुआ, हालांकि ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

धर्म का साथी ईश्वर है अधर्म का कोई नहीं उपासना शास्त्री

● जन्म के साथी मात पिता है कर्म का साथी कोई नहीं जैसा कर्म करेगा बदे, वैसा ही फल पाएगा गीता ज्ञान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ भदपुरा विकासखंड के क्यों लड़िया मैं स्थित राधा रानी रिसोर्ट मैं चल रही श्रीमद् भागवत कथा के आज चौथे दिन कथा वाचक उपासना शास्त्री ने श्रद्धालुओं को ईश्वर भक्ति का संदेश दिया उन्होंने प्रवचन देते हुए कहा। मनुष्य को भक्ति जवानी में ही करना चाहिए इस जीवन का कोई भरोसा नहीं हर क्षण हर सांस अनमोल है इसलिए सभी को ईश्वर की भक्ति करना चाहिए धर्म के मार्ग पर चलने वाले का भगवान साथ देता अधर्म पर चलने वाले का नहीं इसलिए मनुष्य को ईश्वर की भक्ति जवानी में ही करना चाहिए माता-पिता जन्म के साथी है। परंतु कर्म के नहीं जैसा कर्म करोगे वैसा ही फल पाओगे यह शास्त्रों के अनुसार सभी ने भगवान की भक्ति करने का संदेश दिया है गीता में भी योगीराज कृष्ण ने कहा है जैसा कर्म करेगा बंदे बैसा फल देगा भगवान अपने प्रवचन के अनुसार उपासना शास्त्री ने कहा व्यक्ति को अपनी कमाई का कुछ अंश धर्म के नाम खर्च करना चाहिए। इस यह एक धर्म कार्य है किसी ने भी मनुष्य को धर्म के रास्ते पर चलने का संकेत नहीं दिया है फिर भी व्यक्ति धर्म के मार्ग से भटक कर धर्म के प्रति जल्दी मुड़ जाता है सत्य सनातन धर्म के तहत सभी को भगवान का भजन करना चाहिए अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए जिसके तहत भगवान श्री राम अपने पिता के वचन अनुसार 14 वर्ष के वनवास को चले गए योगीराज कृष्ण ने भी अपने माता-पिता की कैद से बंदी छुड़ाई थी यह आज के लोगों को भी रामायण और गीता संदेश देती है। इस पर चलकर अपने जीवन को उज्जवल बनाना चाहिए उन्होंने भगवान राम और भगवान कृष्ण के जीवन चरित्र पर विस्तृत चर्चा करते हुए श्रोताओं को ज्ञान से भक्ति विभोर किया यह कार्यक्रम क्यों लड़िया के ग्राम प्रधान रविंद्र कुमार गंगवार के द्वारा आयोजित किया जा रहा है यह कार्यक्रम क्यों लड़िया में ही स्थित राधा रानी रिसोर्ट मैं आयोजित किया जा रहा है इसको सुनने के लिए लोग भारी संख्या में उमड रहे हैं।

एसडीएम मितौली के निर्देशन में जनगणना कार्य पूर्ण, शिक्षक विमल सिंह हुए सम्मानित

नीमगांव खीरी- उपजिलाधिकारी मितौली मधुसूदन गुप्ता के कुशल निर्देशन एवं तहसील प्रशासन के प्रभावी नेतृत्व में जनगणना कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। इस कार्य में विकास खंड पसगवां के शिक्षक विमल सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तहसील स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जानकारी के अनुसार शिक्षक विमल सिंह ने अपने आवंटित क्षेत्र में निर्धारित समय से पूर्व शत-प्रतिशत जनगणना कार्य पूर्ण कर मिसाल पेश की। उनकी कार्यनिष्ठा, समयबद्धता एवं जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली की उपजिलाधिकारी मितौली ने सराहना की। बुधवार को तहसील सभागार में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान उपजिलाधिकारी मधुसूदन गुप्ता एवं तहसीलदार मितौली ने संयुक्त रूप से विमल सिंह को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी संजीव भारती ने कहा कि शिक्षक विमल सिंह का समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत है। समारोह में नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल सहित तहसील एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महेवा गंज में कानून बेदम! बालूडिहा भट्ठा बना शराब, शबाब और गुंडागर्दी का अड्डा

● भट्टे पर बियर बार, सड़क पर गुंडाराज! महेवा गंज पुलिस पर उठे बड़े सवाल

मज़ार की भूमि पर अवैध निर्माण को लेकर लोगों में आक्रोश

नगर पंचायत खीरी से की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। खीरी नगर पंचायत कार्यालय के सामने स्थित प्राचीन शाहिद बाबा के स्थान पर अवैध निर्माण को लेकर लोगों में आक्रोश। लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से शिकायत कर अवैध निर्माण रोकने और दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। खीरी कार्यालय नगर पंचायत गेट के सामने शाहिद मर्द रहमतुल्लाह आले की सदियों पुरानी दरगाह है जिसकी देखरेख बाजार के लोग सामूहिक तौर पर करते हैं और हर वर्ष यहां पर सालाना उर्स भी कराया जाता है। लोगों का कहना है चूंकि मजार शरीफ शाहिद मर्द की है तो इनका कोई भी वंशज यहां पर नहीं है। इसी वजह से मजार शरीफ की देखरेख और यहां पर प्रोग्राम सामूहिक तौर पर लोगो के सहयोग से कराए जाते हैं। बताते है लगभग 15 दिन पूर्व दरगाह पर लगे लगभग 40 वर्ष पुराने बढ़हल के एक विशालकाय वृक्ष को कस्बा खीरी के ही शमशाद मियां द्वारा अवैध तरीके से यह कह कर कटवा दिया गया कि इससे मजार पर जंगल होता है और इससे बाउंड्री भी गिर गई है। फिर इसके द्वारा बाउंड्री वॉल करने के नाम पर बाजार के लोगों से चंदा लिया और अब यहां पर बाउंड्री वॉल के साथ-साथ दुकानों का अवैध निर्माण कराने का प्रयास कर रहा है। शिकायत कर्ताओं ने आरोप लगाया कि उक्त व्यक्ति निजी लालच में दुकानें बना कर उसे अपने पुत्र और चाहतों के हाथों में बेचना चाहता है। शमशाद मियां नाम के इस व्यक्ति के इस कृत पर जब लोगों ने विरोध किया तो वह मारपीट करने पर

उतर आया है। तथा कथित मियां की इस हरकत से बाज़ार के लोग काफी आहत और काफी नाराजगी है। लोगों ने उक्त मियां द्वारा कराया जा रहे इस अवैध निर्माण को तत्काल रोक जाए और इसके द्वारा 40 वर्ष पुराने वृक्ष को काटने और अवैध निर्माण करने के कृत पर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। इस दौरान शिकायत कर्ताओं में मुख्य रूप से मोबीन ड्राइवर उर्फ ईदी, मो हसीन, फ़ज़ल मो0 युनुस, इस्तियाक हुसैन, जमाल अहमद, मोहम्मद तौहीद, रहमत अली, आरिस, मो0 युनुस, अजीज,बबलू दर्जनों लोग मौजूद रहे। इस संबंध में अधिशासी अधिकारी विनीत कुमार ने तत्काल क्षेत्रीय लेखपाल से मामले की जांच पड़ताल के आदेश दिया है और शिकायतकर्ताओं को आश्वासन दिया है कि अवैध निर्माण नहीं होने दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

दो उपनिरीक्षक सेवानिवृत्त, पुलिस लाइन में भावभीनी विदाई

भदोही। जनपद पुलिस में तैनात दो उपनिरीक्षक अधिवर्षता आयु पूर्ण कर रविवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर पुलिस लाइन ज्ञानपुर में विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। समारोह में पुलिस उपाधीक्षक विश्वज्योति राय ने सेवानिवृत्त उपनिरीक्षकों को स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर उनके दीर्घ, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दोनों अधिकारियों ने अपने सेवाकाल में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ पुलिस विभाग की सेवा की है, जिसके लिए विभाग सदैव उनका ऋणी रहेगा। सेवानिवृत्त होने वालों में उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस हरवंश सिंह तथा उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस सरफराज अहमद सिद्दीकी शामिल हैं। कार्यक्रम में प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस लाइन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने दोनों अधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सुखद जीवन की कामना की।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत जनपद भदोही पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में जनपद के सभी थानों की एंटी रोमियो टीमों ने बाजारों, विद्यालयों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर छात्राओं, बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने वूमेन पावर लाइन-1090, यूपी-112, महिला हेल्पलाइन- 181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930, एंबुलेंस सेवा-108 एवं स्वास्थ्य सेवा-102 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए पंपलेट वितरित कर जागरूक किया। पुलिस ने महिलाओं से किसी भी आपात स्थिति में हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने की अपील की।

अहिल्याबाई होलकर की 301 वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई शोभा यात्रा

चुनार, मिर्जापुर। अहिल्याबाई होल्कर की 301 वीं जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को नगर में शोभा यात्र निकाली गई। अहिल्याबाई होल्कर समिति के तत्वावधान में निकली यात्रा टेकौर स्थित बूढ़ेनाथ मंदिर से निकली जो टेकौर फव्वारा तिराहे से भरपुर, लालदरवाजा, बैंक मार्ग से होते हुए तहसील परिसर पहुंचा जहां पर सभा आयोजित हुआ जिसमें वक्ताओं ने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डालते उनके आदर्शों पर चलने की बात कही।शोभायात्रा व सभा के दौरान कमेटी के चन्द्रशेखर पाल,रामवृक्ष पाल, अशोक पाला,अजय पाल, रामकेश पाल,सुरेश पाल, राजेश पाल, रामबहाल पाल, जितेन्द्र पाल सहित पालिकाध्यक्ष मंसूर अहमद, जिला सहकारी बैंक सोनभद्र, मीरजापुर के चेयरमैन विजय वर्मा, सुनील पटेल, रमेश स्वामी, अख्तर भाई, अब्दुला भाई, अनवर अली, सभासद विक्की यादव, सभासद रामलाल कन्नौजिया, संतोष यादव, मंत्री यादव, करतार कुशवाहा, अभय वर्मा, पॉचू पाल, कमलेश पाल आदि प्रमुख मौजूद रहे।

दों पक्षों में मारपीट में युवक की मौत, गांव में तनाव

- शादी में डांस को लेकर बड़ा विवाद युवक का मौत का कारण बना।
- पुरानी रंजिश भी बताई जा रही वजह।
- पुलिस ने छः लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़ मीरजापुर, कछवां थाना अंतर्गत विदापुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर हुए मारपीट में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। रविवार को वाराणसी में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल प्रेम शंकर की मौत हो गई जिससे गांव में भारी तनाव का माहौल है जिससे भारी मात्रा में पुलिस बल गांव में तैनात किया कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यापुर निवासी ग्राम प्रधान सावित्री देवी व उनके पति पूर्व प्रधान खरपत्तू राम के घर के बगल में मुन्ना लाल के यहां शुक्रवार को लड़की की शादी थी। मुन्ना लाल के कहने पर प्रधान के लड़के रमाशंकर शादी में अपना टेंट लगाए हुए थे। द्वारचार के दौरान डांस को लेकर उनके टेंट में काम करने वाले कर्मचारियों और उनके पट्टीदारों बुद्धु राम व उनके परिवार के लोगों के बीच विवाद हो गया था। उस समय लोगों के द्वारा बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया गया था। बुद्धु राम व खरसूराम के परिवार के बीच वर्षों से कुछ पुराने विवाद को लेकर पहले से ही रंजिश चली आ रही थी। शनिवार शाम को रमाशंकर के चचेरे भाई गुड्डू घर के पास अकेले कहीं से आ रहे थे उसी समय बुद्धू राम के संदीप, सूरज व अन्य कहीं से वहां आ धमके और दोनों के बीच दोबारा वाद विवाद होने लगा।

थोड़ी ही देर में मामला इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ से दर्जनों लोग मौके पर लाठी डंडे के साथ ही धारदार हथियार लेकर वहां पहुंच गए और दोनों पक्षों में मारपीट होने लगा। इस दौरान प्रेमशंकर (35 वर्ष) पुत्र खरपत्तू राम के उपर विपक्षी पक्ष की ओर से किसी धारदार हथियार से हमला कर दिया गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। रविवार को इलाज के दौरान वाराणसी स्थित निजी

अस्पताल में उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही गांव में तनाव पैदा हो गया जिसको लेकर वहां प्रशासन द्वारा कई थानों की पुलिस तैनात कर दिया गया है। मृतक के शव का वाराणसी में ही पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। वही कछवा पुलिस ने संदीप पुत्र बुद्ध, विशाल पुत्र रामजतन, ओमप्रकाश पुत्र रामजतन, धीरज पुत्र रामसागर ,अजय पुत्र रामनरेश, निवासी ग्राम विदापुर, थाना कछवा तथा अनिकेत पुत्र रामप्यारे निवासी थाना लोहता वाराणसी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्तों के तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

शिव दयाल नगर में बह रही भक्ति क़ी धारा, जुट रही भक्तों क़ी भीड़

भदोही। कोइरौना क्षेत्र के शिव दयाल नगर में नौ दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ और श्री राम कथा का आयोजन बीते 26 मई से चल रहा है। महायज्ञ का आयोजन आचार्य संतोष दास त्यागी जी महाराज के मार्गदर्शन में यज्ञाचार्य हीरामणि त्रिपाठी के तरफ से किया जा रहा है। कार्यक्रम में सुश्री प्रियंका पाण्डेय और राम शरण शास्त्री के मुखारबिंद से संगीतमय प्रवचन किया जा रहा है। मुख्य यजमान राजकुमार सिंह उर्फ़ आली सिंह ने बताया कि 200 वर्ष से अधिक पुराना शिव मंदिर है जिसका जीर्णोद्धार वर्ष 2000 में जीर्णोद्धार किया गया और तभी से हर वर्ष महा शिवरात्रि के मौके पर अखंड हरिकीर्तन का आयोजन होता है और इस बार पहली बार श्री विष्णु महायज्ञ और श्री रामकथा का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में डॉ सुरेन्द्र सिंह, विनीत सिंह और डॉ राजेंद्र सिंह ने क्षेत्र को लोगों से इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में पहुंचने क़ी अपील क़ी।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर संगोष्ठी, पत्रकारों को किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शनिवार को चौरी रोड स्थित बिस्मिल्लाह कॉम्प्लेक्स में राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की जिला इकाई के तत्वावधान में विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पत्रकारों द्वारा केक काटकर हिंदी पत्रकारिता दिवस की शुभकामनाएं देने के साथ हुई। गोष्ठी में वक्ताओं ने पत्रकारिता के वर्तमान स्वरूप, बदलती चुनौतियों और सामाजिक सरोकारों पर विस्तार से चर्चा की। जिलाध्यक्ष गंगाधर ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ है और पत्रकारों को निष्पक्षता एवं सत्यनिष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए।

राजेश जायसवाल, एजाज अंसारी, मिस्बाह खान, शाहिद सिद्दीकी, वसीम आलम तथा जुमई शेख ने डिजिटल युग में पत्रकारिता के बढ़ते प्रभाव और चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि तकनीकी बदलावों के दौर में पत्रकारों की जिम्मेदारियां और अधिक बढ़ गई हैं। समाजसेवी इरफान चिश्ती एवं मौलाना जाकिर हुसैन ने कहा कि पत्रकारिता समाज को दिशा देने का कार्य करती है। उन्होंने पत्रकारों से जनहित, सत्य और निष्पक्षता के मूल्यों को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। समारोह के अंत में उपस्थित पत्रकारों को सम्मानित किया गया तथा हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

परिजनों द्वारा लगया गया जाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़ मीरजापुर, चुनार कोतवाली अंतर्गत कठेरवां मोड़ के पास बुद्धवार को साइकिल से घर जा रही युवती श्वेता कुमारी निवासी पयागपुर जो बाइक सवार से टकरा गई उसे सर आदि काफी चोट लगी थी जिसकी इलाज के दौरान मौत हो जाने से नाराज़ परिजनों द्वारा रविवार को सायं 4 बजे शव को राज्य 74 पर रखकर आवागमन बंद कर दिया। परिजनों का कहना था कि प्रशासन दुर्घटना वाले दिन बाइक सवार युवक को गिरफ्तार करने के बाद छोड़ दिया था और आज भी सड़क पर बैठी महिलाओं के द्वारा पुरूष जवानों ने उनके साथ जबरजस्ती सड़क से हटाने का प्रयास किया उधर परिजनों द्वारा युवक की गिरफ्तारी की भी मांग कर रहे थे। मौके पर पहुंची चुनार पुलिस द्वारा परिजनों को समझाया जा रहा था लेकिन परिजन नहीं माने। परिजनों का कहना था कि पुलिस इस मामले में जिस तरह से कार्रवाई की है उससे उनको पुलिस पर भरोसा नहीं है। मौके पर क्षेत्र के संभ्रांत लोगों द्वारा भी जाम खत्म कराने के लिए प्रयास किया जा रहा था। समाचार लिखे जाने तक मृतक लड़की के परिवार के चार सदस्य चुनार थाने पर आरोपी पक्ष से बातचीत कर रहे थे, उनका कहना था कि अगर वह संतुष्ट हो जाएंगे तो जाम खत्म कर दिया जायेगा। मौके पर थाना प्रभारी विजय शंकर सिंह भारी पुलिस बल के साथ उपस्थित रहे।

सरोई में लोजपा का सदस्यता अभियान, सैकड़ों लोग पार्टी से जुड़े

भदोही। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 'लोजपा चली गांव की ओर' अभियान के तहत रविवार को सरोई बाजार में ग्रामीण चौपाल एवं सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पासी समाज सहित विभिन्न वर्गों के सैकड़ों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पूर्वांचल प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासी ने कहा कि पार्टी गरीब, वंचित एवं शोषित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है। वहीं प्रदेश महासचिव एवं भदोही प्रभारी कमल तिवारी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की भदोही पर विशेष नजर है और वे जिले के जनहित के मुद्दों को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने दावा किया कि जिले में पार्टी का संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और आगामी विधानसभा चुनाव में लोजपा (रामविलास) प्रभावी भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष विकास दुबे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विजय राय एवं सुनील पासी ने किया।

साइकिलिंग से सर्वांग व्यायाम होता है- सुरेश सेठ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। प्रकृति की रक्षा और स्वस्थ जीवन के पावन संकल्प को संजोए 'भदोही साइकिलिंग क्लब' की 'विशाल साइकिल यात्रा' रविवार को जन-चेतना का सैलाब बन गई। 'साइकिल मैन भदोही' अताउल मुस्तफा अंसारी के ऊर्जावान नेतृत्व में इस यात्रा ने हर नागरिक को स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। यह उनके नेतृत्व कौशल और अटूट संकल्प का ही करिश्मा है कि समाज के सभी वर्गों ने एक मंच पर आकर 'स्वच्छ, हरित और समृद्ध भारत' के निर्माण के इस महायज्ञ में आहुति देने का संकल्प लिया है। जन-चेतना को जगाती 'भदोही साइकिलिंग क्लब' की इस अनूठी पहल का गवाह राष्ट्रीय राजमार्ग का बड़ा चौराहा बना, जहाँ से इस महायात्रा का आधिकारिक शंखनाद हुआ। यहाँ आयोजित गरिमामयी समारोह में इंडियन बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन के जिलाध्यक्ष सुरेश सेठ जनसमुदाय को प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति को साइकिल को अपनी दैनिक चर्या का अनिवार्य हिस्सा बना लेना चाहिए। साइकिल चलाना न केवल हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि वाहनों से उत्सर्जित होने वाले घातक प्रदूषण से भी प्रकृति की रक्षा करता है। यह एक ऐसी विधा है जो 'एक पंथ दो काज' की कहावत को चरितार्थ करती है; इससे हमारा शरीर भी निरोगी रहता है और पर्यावरण भी सुरक्षित। यह अनूठी मुहिम आने वाले समय में 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' के महासंकल्प को सिद्ध करने में अत्यंत मील का पत्थर साबित होगी।

इंडियन बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन के जिलाध्यक्ष सुरेश सेठ ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए श्री सेठ स्वयं भी साइकिल थामकर इस जन-जागरूकता अभियान के हमकदम बने और यात्रियों का उत्साहवर्धन किया। राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से शुरू हुई साइकिल यात्रा सदर मोहाल, अंजही मोहाल, केड़वरिया, खत्रीपुर, रामपुर कायस्थान, अमिलौर, रामपुर घाट के विभिन्न क्षेत्रों में पहुँची। पूरी यात्रा के दौरान साइकिल सवारों का जोश देखने लायक था। 'साइकिल चलाएँ, ईंधन बचाएँ', 'वृक्ष लगाओ, पर्यावरण बचाओ' और 'करो योग, रहो निरोग' जैसे नारों से पूरा वातावरण गूँज उठा। 'हिंदुस्तान जिंदाबाद', 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के उद्घोष के साथ यात्रियों ने संकल्प लिया कि 'हम सबने यह ठाना है, पूरे उत्तर प्रदेश को

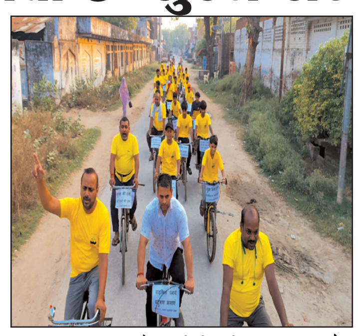

स्वस्थ बनाना है।' लोगों को स्वास्थ्य और प्रकृति के प्रति जागरूक करते हुए यह यात्रा रामपुर घाट पहुँची, जहाँ इसका समापन हुआ। 'इस मुहिम को सफल बनाने में प्रवीण श्रीवास्तव, राम श्रृंगार चौधरी, प्रमोद मौर्या, जेपी दुबे, बनारसी बिंद, कमलेश कश्यप, जगदीश यादव, राजीव जायसवाल, पंकज सिंह, जय कुमार मौर्या, अशोक राजभर, अनुराग मोदनवाल, अभी कनौजिया, जिगर गुप्ता, सरफराज अहमद, श्याम सुंदर बिंद, महमूद आलम, विराट चौधरी, मैनु अली, आशीष बिंद, ताहा खान, महेंद्र यादव, मोहम्मद इमरान, अनिकेत मौर्या, अपूर्व जायसवाल, इरफान अंसारी, आदर्श बिंद, अबू हुरैरा, रोहित बिंद, उज्जवल गुप्ता, संदीप बिंद, अहेम मोदनवाल, हिमांशु बिंद, रतन बिंद, नैतिक कनौजिया, नीरज बिंद सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया।

वीडियो जारी कर अवैध खनन पर भड़के विधायक दीनानाथ भास्कर

- बोले- तत्काल बंद कराएं अवैध खनन, नहीं तो माना जाएगा अधिकारी जेब भरने और सरकार को बदनाम करने में लगे हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। औराई विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक दीनानाथ भास्कर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर क्षेत्र में चल रहे अवैध मिट्टी खनन को लेकर स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागीय अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। विधायक ने कहा कि औराई क्षेत्र में अवैध खनन का कारोबार खुलेआम चल रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने के बजाय मूकदर्शक बने हुए हैं। वीडियो संदेश में विधायक ने कहा कि औराई कोतवाली क्षेत्र के विक्रमपुर समेत कई इलाकों में बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन किया जा रहा है। मिट्टी लदे ट्रैक्टर दिन-रात सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और आम लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि खनन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के बजाय उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है।

विधायक ने हाल ही में हुई दो दुर्घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि शुक्रवार को मिट्टी लदे ट्रैक्टरों की चपेट में आने से एक ही दिन में दो लोग हादसे का शिकार हुए। इनमें कक्षा 12 के छात्र आनंद गौतम की मौत हो गई, जबकि शाखा डाकपाल प्रीति गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों मामलों में चालक वाहन लेकर फरार हो गए। उन्होंने कहा कि अवैध खनन अब केवल नियमों के उल्लंघन का मामला नहीं रह गया है, बल्कि लोगों की जान लेने वाला कारोबार बन चुका है। दीनानाथ भास्कर ने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तत्काल प्रभाव से अवैध खनन बंद नहीं कराया गया तो यह माना जाएगा कि अधिकारी स्वयं इस अवैध कारोबार से लाभ उठा रहे हैं और प्रदेश सरकार की छवि को

धूमिल करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यदि अधिकारी अवैध खनन रोकने में विफल रहते हैं तो यह समझा जाएगा कि वे अपनी जेब भरने और सरकार को बदनाम करने में लगे हैं। 'विधायक ने जिला प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर अवैध खनन पर प्रभावी कार्रवाई करने, दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने तथा क्षेत्र में कानून व्यवस्था और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। विधायक के इस बयान के बाद जिले में अवैध खनन को लेकर सियासी और प्रशासनिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

राजमाता अहिल्या बाई की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मीरजापुर। हलिया थाना क्षेत्र के बरुआ औरा मे राजमाता अहिल्याबाई की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई लगभग 200 पब्लिक झंडा डीजे के साथ रैली निकाल कर अहिल्याबाई की जयंती मनाया गया विवेक सिंह ने बताया कि हर वर्ष राजमाता अहिल्याबाई की जयंती बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। भारी संख्या में लोग एकजुट होकर गाजे बाजे के साथ रैली निकालकर राजमाता अहिल्याबाई की जयंती मनाते हैं साथ ही साथ राजमाता अहिल्या बाई के चित्र पर माल्यार्पण करके लोगों के द्वारा अहिल्याबाई के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि अहिल्याबाई ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत भर के प्रसिद्ध तीर्थ और स्थान में मंदिर बनवाए घाट बंधवाई और बावड़ियों का निर्माण किया मार्ग बनवाया काशी विश्वनाथ में शिवलिंग को स्थापित किया भूखों के लिए अन्य शास्त्र अन्य क्षेत्र मे प्रयासों के लिए प्याऊ लगाई मंदिरों के विद्वानों की नियुक्ति शास्त्रों के मनन चिंतन और प्रवचन हेतु की व्यवस्था की इस मौके पर विवेक सिंह ननकू पाल राकेश उमाकांत बब्बू मनोज छोटेलाल अनिल विवेक इत्यादि लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निर्देशन में पुलिस लाइन मीरजापुर में 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' के अवसर पर शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

मीरजापुर। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निर्देशन में 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' के अवसर पर पुलिस लाइन मीरजापुर में शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गायत्री यादव क्षेत्राधिकारी लाइन/यातायात द्वारा पुलिस लाइन के अधिकारी/ कर्मचारीगण को तम्बाकू के उपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक कर तम्बाकू सेवन न करने की शपथ दिखाई गयी। उक्त जागरुकता व शपथ के कार्यक्रम में प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य पुलिस के अधिकारी/कर्मचारिगण मौजूद रहें।

नगर विधायक बोले- पत्रकार न रहें तो सरकार तानाशाह हो जाएगी

- हिन्दी पत्रकारिता दिवस मीरजापुर प्रेस क्लब ट्रस्ट के कार्यक्रम में मंथन,
- पत्रकार भवन का रास्ता साफ, पालिकाध्यक्ष ने जमीन, नगर विधायक ने 10 लाख अनुदान किया घोषित,एमएलसी ने भरी सहमति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर मीरजापुर प्रेस क्लब ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'वैश्विक परिदृश्य में पत्रकारिता' विषयक संगोष्ठी में पत्रकारिता की चुनौतियों, लोकतंत्र में उसकी भूमिका और बदलते मीडिया परिवेश पर गंभीर मंथन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नगर के लाल डिग्गी स्थित लायंस स्कूल सभागार में किया गया था। मुख्य वक्ता अरुण आनंद ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौर की पत्रकारिता एक मिशन हुआ करती थी, जिसका उद्देश्य देश और समाज की सेवा करना था। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पत्रकारिता के स्वरूप में धीरे-धीरे बदलाव आया और समय के साथ इसमें व्यावसायिकता का प्रभाव बढ़ता गया। उन्होंने आपातकाल के दौर का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय मीडिया पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे। समाचार पत्रों को स्याही तक उपलब्ध नहीं हो पाती थी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा दिया गया था। लेखन और प्रकाशन पर नियंत्रण के कारण पत्रकारों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

अरुण आनंद ने कहा कि वर्तमान समय में परिस्थितियां भले ही अलग हों, लेकिन पत्रकारिता नई चुनौतियों से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि आज मीडिया संस्थानों को आर्थिक संसाधन तो उपलब्ध हैं, किंतु स्वतंत्र और निष्पक्ष लेखन पर विभिन्न प्रकार के दबाव महसूस किए जा रहे हैं। कई बार अधिकारियों या प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ खबर प्रकाशित होने पर पत्रकारों और मीडिया संस्थानों पर मुकदमे दर्ज कराए जाते हैं, जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता प्रभावित होती है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारों के सामने नौकरी की असुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। कभी भी रोजगार छिन जाने की आशंका के कारण कई पत्रकार खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए पत्रकारिता की स्वतंत्रता और निष्पक्षता का सुरक्षित रहना अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं। यदि पत्रकार न रहें तो सरकार तानाशाह हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत को अब 'सोने की चिड़िया' नहीं बल्कि 'बब्बर शेर' बनना चाहिए। चिड़िया बनने पर उसे फिर कोई लूट सकता है, जबकि बब्बर शेर बनने पर वह अपनी सुरक्षा और सम्मान

की रक्षा स्वयं कर सकता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में सत्य और निष्पक्षता सबसे बड़ी ताकत है, प्रभाव पैदा करने की नहीं बल्कि सत्य को सामने लाने की आवश्यकता है। उन्होंने भगवान शिव के परिवार का उदाहरण देते हुए कहा कि परिवार में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। इसी तरह पत्रकारों को भी एक मंच पर रहकर समाज और लोकतंत्र के हित में कार्य करना चाहिए।

एमएलसी विनीत सिंह ने पत्रकारों को गुटबाजी से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि झाड़ू बंधी रहती है तो सफाई करती है, लेकिन बिखर जाने पर स्वयं कचरा बन जाती है। उन्होंने निष्पक्ष पत्रकारिता को लोकतंत्र की आवश्यकता बताते हुए पत्रकारों से एकजुट रहने का आह्वान किया। पत्रकार भवन की मांग पर चर्चा के दौरान पालिकाध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस पर नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने पत्रकार भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। विनीत सिंह ने जमीन मिलने पर दूसरे दिन से निर्माण कार्य कराने का

भरोसा दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रवादी मंच के मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता कठिन दौर से गुजर रही है और पीत पत्रकारिता लोकतंत्र के लिए खतरा बनती जा रही है। उन्होंने पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखने पर जोर दिया।

संपादक कृष्णानंद त्रिपाठी ने कहा, 'जो छिपाया जाए वह खबर है और जो दिखाया जाए वह प्रचार है।' उन्होंने खोजी पत्रकारिता के कमजोर पड़ने पर चिंता जताई और नई पीढ़ी के पत्रकारों से अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। डॉ योगानंद गिरी ने पत्रकारिता की विश्वसनीयता को बनाए रखने पर जोर दिया। कार्यक्रम में पत्रकारिता की गरिमा, निष्पक्षता, ज्ञान के प्रसार तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मीडिया की भूमिका पर व्यापक चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता की विश्वसनीयता और सामाजिक सरोकारों को बनाए रखना आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती है। कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन संयोजक अमरेश मिश्र, अध्यक्षता राजेश मिश्र एवं संचालन संतोष ऊमर ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से बैटरी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। थाना राजगढ़ पर दिनांकः 29.06.2025 को वादी चन्दन सिंह पुत्र सुदामा सिंह निवासी सीता बहार थाना करमा जनपद सोनभद्र द्वारा अज्ञात के विरूद्ध आभुषण व ट्रेक्टर की बैटरी चोरी के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना राजगढ़ पर मु0अ0सं0-110/2025 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराये जाने हेतु प्रभारी राजगढ़ को निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना राजगढ़ पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोगों में पतारसी

सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही व गिरफ्तारी के क्रम में दिनांकः 30.05.2026 को उप-निरीक्षक सुरेश सिंह यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त जय सिंह पुत्र सुभाष सिंह निवासी ग्राम सरसो महुवरिया थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया तथा कब्जे से चोरी की 01 अदद पुरानी बैट्री बरामद। थाना राजगढ़ पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त को 0न्यायालय/जेल भेजा गया।

अधिवर्षता की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर पुलिस महानिरीक्षक को पुलिस लाइन में दी गई विदाई

मीरजापुर। पुलिस लाइन मीरजापुर स्थित मां विन्ध्यवासिनी सभागार कक्ष में 'राकेश प्रकाश सिंह' पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर के अधिवर्षता की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा विदाई समारोह में पुष्पमाला, बुके/प्रतीक चिह्न भेंट कर उनके दीर्घ, समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके सुखद, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना की गयी। उक्त विदाई समारोह में राजकुमार मीणा पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व कनिष्क आर. जामकर सहायक पुलिस अधीक्षक, समस्त क्षेत्राधिकारी व प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य पुलिस के अधिकारी/कर्मिचारीगण मौजूद रहें।

संक्षिप्त खबरें

सांसद के प्रयास से नैनी स्टेशन पर रीवांचल एक्सप्रेस ठहराव की सम्भावना

राहुल जायसवाल की रिपोर्ट

नैनी। शनिवार को प्रयागराज के सांसद उज्ज्वल रमण सिंह के प्रयास से मंडल रेल प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे रजनीश अग्रवाल ने गाड़ी संख्या 12427/28 रीवा आनंद विहार टर्मिनल रीवांचल एक्सप्रेस का नैनी स्टेशन पर ठहराव प्रदान करने वाला प्रस्ताव मुख्यालय को पत्र संख्या 1=टी टी/ठहराव/मांग/पार्ट 11/2026 द्वारा भेजा गया। यह प्रस्ताव सांसद के पत्र दिनांक 9/4/2026 द्वारा संदर्भित था। शहर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज के महासचिव राकेश श्रीवास्तव और उपाध्यक्ष नयन कुमार कुशवाहा और सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने लोकप्रिय सांसद उज्ज्वल रमण सिंह की प्रशंसा एवम् एडवांस बधाई देते हुए कहा कि उनके अथक प्रयास से जमुनापार,नैनी, सहित कई गांव के लोगों को नैनी स्टेशन से दिल्ली आने जाने का मौका पहली बार मिलेगा।एक पत्र इससे पहले नैनी व्यापार मंडल के महामंत्री घनश्याम जायसवाल ने दिया था।

दिशा छात्र संगठन के कार्यकर्ता योगेश मीणा की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन, तत्काल रिहाई की माँग

ब्यूरो प्रयागराज- दिशा छात्र संगठन के कार्यकर्ता एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि छात्र योगेश मीणा की गिरफ्तारी के विरोध में आज इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ भवन गेट पर दिशा छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और उनकी तत्काल रिहाई की माँग उठायी। दिशा छात्र संगठन के प्रियांशु ने कहा कि 30 मई को उत्तर प्रदेश एसटीएफ द्वारा योगेश मीणा को दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज से गिरफ़्तार किया गया। गिरफ़्तारी के समय न तो योगेश मीणा को गिरफ़्तारी का स्पष्ट कारण बताया गया और न ही उनके परिजनों को इसकी सूचना दी गई। गिरफ़्तारी के बाद से अब तक उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा उनके ठिकाने और स्थिति के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। जय ने कहा कि योगेश मीणा एक कानून के छात्र होने के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय रूप से काम करते रहे हैं। ऐसे में उन्हें इस प्रकार हिरासत में लेना और उनकी स्थिति के बारे में जानकारी न देना लोकतांत्रिक अधिकारों तथा कानूनी प्रक्रियाओं का गंभीर उल्लंघन है। दिशा छात्र संगठन ने मांग की कि योगेश मीणा के संबंध में तत्काल जानकारी सार्वजनिक की जाए, उनके परिवार और साथियों को उनसे मिलने की अनुमति दी जाए तथा उन्हें अविलंब रिहा किया जाए। प्रदर्शन में उपस्थित छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन द्वारा शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। इस प्रदर्शन में निधि, प्रियांशु, सौम्य, जय, प्रेमचन्द आदि उपस्थित ।

प्रयागराज में एक दिन में 124 लेखपालों के तबादले से मची खलबली

लेखपालों के तबादले में नियमों को ताक पर रख दिया गया। शासन ने 10 प्रतिशत तबादले के आदेश दिए थे, लेकिन यहां 23 प्रतिशत लेखपाल इधर से उधर कर दिए गए। सेवानिवृत्त के बेहद करीब पहुंचे और प्रोबेशन वाले कर्मचारियों की तहसीलें भी बदल दी गई। तबादलों में मनमानी का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने धरना-प्रदर्शन व कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी है। जिले की आठ तहसीलों में करीब 540 लेखपाल तैनात हैं। प्रभारी मुख्य राजस्व अधिकारी संजय कुमार पांडेय ने 30 मई को इनके तबादले के अलग-अलग आदेश जारी किए। एक आदेश में 60, दूसरे में 55 लेखपालों का स्थानांतरण हुआ। तीसरे आदेश में छह लेखपालों के तबादले हुए और तीन के पूर्व में हुए स्थानांतरण में बदलाव किया। इस तरह 540 में 124 तबादले इधर से उधर किए गए। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने इन तबादलों को नियमों के विपरीत बताया। रविवार को प्रभारी सीआरओ से मिलकर आपत्ति दर्ज कराई। जिलाध्यक्ष राज कुमार सागर, जिलामंत्री अवनीश पांडेय ने कहा कि संघ के पदाधिकारियों का दो वर्ष तक तबादला नहीं करने का आदेश है। जबकि यहां तीन तहसील अध्यक्ष व तीन तहसील मंत्री का स्थानांतरित कर दिए गए हैं।कहा कि ऐसे लेखपालों का स्थानांतरण हुआ, जिनकी सेवानिवृत्त के सिर्फ चंद महीने बचे हैं। नई ज्वाइनिंग के बाद लेखपाल एक वर्ष ट्रेनिंग व दो वर्ष प्रोबेशन पीरियड में काम करते हैं। इसमें उनके तबादले नहीं होते। जबकि यहां प्रोबेशन वाले कई लेखपालों की तहसीलें भी बदल दी गई हैं। इसी तरह अन्य नियमों की अनदेखी तबादलों में हुई।

'भगवान मंत्रियों का इंतजार नहीं करते, सब बराबर हैं', मद्रास हाई कोर्ट ने मंदिरों में वीआईपी दर्शन पर उठाए सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। भारत में लगभग हर छोटे-बड़े प्रसिद्ध मंदिर में वीआईपी दर्शन के लिए एक अलग लाइन या विशेष पास की व्यवस्था होती है। कुछ तय रकम या टिकट के पैसे देने के बाद कोई भी व्यक्ति घंटों लंबी लाइनों से बचकर सीधे भगवान के गर्भगृह तक दर्शन के लिए पहुंच जाता है। हालांकि, पैसे और रसूख के दम पर मिलने वाली इस विशेष सुविधा पर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे हैं। ऐसा ही एक गंभीर मामला अब मद्रास हाई कोर्ट की चौखट पर पहुंचा है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हाई कोर्ट ने मंदिरों में पैसे और वीआईपी दर्जे के आधार पर दी जाने वाली इस विशेष सुविधा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। अदालत ने दोटूक शब्दों में कहा कि भगवान के दरबार में कोई मंत्री हो या आम आदमी, उनमें कोई भेद नहीं हो सकता। ईश्वर के सामने सभी इंसान बराबर हैं, ऐसे में मंदिरों के भीतर वीआईपी दर्शन की इस कुप्रथा का कोई औचित्य नहीं है।'लाइव लॉ' की रिपोर्ट के मुताबिक, मद्रास हाई कोर्ट के जस्टिस जी आर स्वामीनाथन और जस्टिस लक्ष्मीनारायणन की खंडपीठ (बेंच) ने इस मामले की सुनवाई के दौरान बेहद तीखे सवाल उठाए। अदालत ने मंदिरों में वीआईपी दर्शन की प्रथा पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या भगवान के सामने किसी रसूखदार मंत्री और एक आम नागरिक में कोई फर्क है? कोर्ट ने कड़े लहजे में कहा कि दर्शन के लिए कोई भी प्रशासनिक प्रक्रिया तय की जाए, लेकिन उससे मंदिर की कतारों में खड़े आम श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी या मानसिक ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। जस्टिस जी आर स्वामीनाथन की बेंच ने वीआईपी संस्कृति पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा, 'मंत्रियों और विधायकों को अपने मन से यह गलतफहमी निकाल देनी चाहिए कि मंदिर में भगवान उनका इंतजार कर रहे हैं, और वे अपने रसूख के दम पर किसी भी समय मंदिर में सीधे प्रवेश कर सकते हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए। आखिर हमें इस वीआईपी दर्शन की क्या आवश्यकता है? जब ईश्वर के समक्ष सभी लोग पूरी तरह समान हैं, तो फिर वहां क्या मंत्री और क्या आम जनता।'। कोर्ट के इन कड़े और तीखे सवालों पर सरकार की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल पी वी बालासुब्रमण्यम ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने वीआईपी दर्शन की पैरवी करते हुए दलील दी कि इस तरह की प्रथा का पालन करने से एक तरफ जहां विशिष्ट लोगों के कारण लगने वाली लंबी-लंबी कतारों से मुक्ति मिलती है, वहीं दूसरी तरफ वीआईपी टिकटों से मंदिरों को भी काफी बड़ी आय (राजस्व) प्राप्त होती है। अपनी इस दलील के साथ ही उन्होंने इस विषय पर सरकार का विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से कुछ समय की मांग की। हाई कोर्ट ने सरकार के इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए उन्हें पूरा जवाब पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया है। दरअसल, यह पूरा कानूनी विवाद हाल ही में विजय सरकार में मंत्री बने आर निर्मल कुमार के एक मंदिर दौरे को लेकर शुरू हुआ है। मंत्री निर्मल कुमार पर बेहद गंभीर आरोप लगे थे कि जब वे दर्शन के लिए पहुंचे, तो उनके रसूख के कारण तिरुपरनकुंड्रम स्थित ऐतिहासिक सुब्रमण्य स्वामी मंदिर के कपाट आम जनता के लिए पूरी तरह बंद करवा दिए गए थे। इसके बाद जब मंत्री महोदय ने आराम से दर्शन कर लिए, तब कहीं जाकर आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर को दोबारा खोला गया। हालांकि, विपक्ष द्वारा लगाए गए इन गंभीर आरोपों को विजय सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया है। मद्रास हाई कोर्ट में यह जनहित याचिका विश्व हिंदू परिषद (VHP) की तमिलनाडु इकाई के वरिष्ठ नेता पी. चोकलिंगम द्वारा दायर की गई है।

उन्होंने कोर्ट में दावा किया कि मंत्री निर्मल कुमार की तरह ही आए दिन कई बड़े नेता, मंत्री और विधायक मंदिरों में वीआईपी दर्शन के लिए प्रोटोकॉल का धौंस जमाते हैं, जिसकी वजह से दूर-दूर से आए आम भक्तों को घंटों धूप और कतारों में खड़े रहकर भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि सनातन धर्म किसी भी व्यक्ति के साथ धन, सामाजिक स्थिति, पद या जाति के आधार पर भेदभाव की अनुमति कतई नहीं देता है, इसलिए मंदिर के भीतर सभी भक्तों के साथ पूरी तरह समान व्यवहार किया जाना चाहिए। हालांकि, याचिकाकर्ता चोकलिंगम ने अपनी गुहार में व्यावहारिक आधार पर कुछ विशेष छूट की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, गर्भवती महिलाओं, नवविवाहित जोड़ों, मंदिर में अपनी कला की प्रस्तुति देने वाले स्थानीय कलाकारों, इसके अलावा देश के राष्ट्राध्यक्षों और संवैधानिक पदों पर बैठे अधिकारियों (जैसे राष्ट्रपति, राज्यपाल या मुख्य न्यायाधीश) को इस नियम से अलग रखकर कुछ विशेष रियायतें जरूर दी जानी चाहिए, लेकिन इसका फायदा राजनीतिक लाभ के लिए नहीं उठाया जाना चाहिए।

दावे विश्वगुरु के लेकिन देश में एक परीक्षा भी नहीं करवा सकते

● राहुल का आरोप- मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था तबाह कर दी है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को नीट पेपर लीक विवाद को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए बड़ा हमला बोला। राहुल गांधी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखते हुए कहा कि नीट, सीबीएसई,एसएससी और आज CUET, चार परीक्षाएं और एक करोड़ बच्चे। एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई। जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं - वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी। राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को ''पूरी तरह से बर्बाद'' करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार एक ओर भारत के 'विश्वगुरु' होने का दावा करती है जबकि दूसरी ओर वह एक भी परीक्षा निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से आयोजित नहीं कर पा रही है। राहुल गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि भारत भर में स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा-स्नातक (सीयूईटी- यूजी) 2026 की परीक्षा में तकनीकी खराबी के कारण शनिवार को कुछ केंद्रों पर देरी हुई। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी। चार परीक्षाएं। एक करोड़ बच्चे। एक भी (परीक्षा) ईमानदारी से नहीं हो पाई।''गांधी ने कहा, ''दावे विश्वगुरु के, लेकिन देश में एक परीक्षा नहीं करवा सकते - मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था तबाह कर दी है।'' कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, ''जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं - वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी।'' राहुल गांधी ने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्तिगत रूप से नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक की निगरानी भी की थी। बता दें कि राहुल गांधी पिछले कुछ दिनों से लगातार नीट पेपर लीक और ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) सिस्टम को लेकर सरकार को घेरते नजर आ रहे हैं। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा था कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की विफलता पर मोदी की चुप्पी और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई न करना यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार के अस्तित्व की चिंता है, न कि लाखों छात्रों के भविष्य की। कांग्रेस नेता ने उन छात्रों के साथ अपनी पिछली बातचीत का एक वीडियो भी साझा किया, जिन्होंने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट- यूजी) परीक्षा दी थी और पेपर लीक के मद्देनजर परीक्षा प्रणाली को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त की थीं।

महाराष्ट्र: 'शर्तिया इलाज' के दावों वाली पतंजलि की 51 लाख रुपये की दवाएं ज़ब्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने भ्रामक दवा विज्ञापनों और नियमों का उल्लंघन करने वाली दवाओं के खिलाफ राज्यव्यापी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को 73.24 लाख रुपये मूल्य की दवाएं जब्त कीं. जब्त की गई दवाओं में 51.41 लाख रुपये की दवाएं बाबा रामदेव से जुड़े पतंजलि समूह की हरिद्वार स्थित कंपनी दिव्य फार्मेसी द्वारा निर्मित बताई गई हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में नियुक्त एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया गया. 25 मई को पदभार संभालने के बाद मुंढे ने सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए राज्यभर में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे.इसके तहत मुंबई, कोंकण, पुणे, नासिक, अमरावती, नागपुर और छत्रपति संभाजीनगर सहित एफडीए के सात क्षेत्रीय प्रभागों में एक साथ छापेमारी की गई। एफडीए अधिकारियों का कहना है कि दवाओं और चमत्कारी उपचार संबंधी आपत्तिजनक विज्ञापन (निषेध) अधिनियम, 1954 के तहत की गई इस कार्रवाई में राज्यभर के 12 आयुर्वेदिक औषधि प्रतिष्ठानों की जांच की गई. जांच के दौरान ऐसी दवाएं जब्त की गईं जिनका प्रचार कथित तौर पर गंभीर बीमारियों के शर्तिया इलाज और चमत्कारी परिणाम जैसे दावों के साथ किया जा रहा था। जब्त की गई दवाओं का बड़ा हिस्सा दिव्य फार्मेसी से संबंधित बताया गया है. एफडीए के मुताबिक, कोंकण क्षेत्र में 18.58 लाख रुपये, पुणे में 14.68 लाख रुपये, नागपुर में 7.26 लाख रुपये, नासिक में 7.10 लाख रुपये, मुंबई में 1.85 लाख रुपये, अमरावती में 1.42 लाख रुपये और छत्रपति संभाजीनगर में 48,718 रुपये मूल्य की दवाएं जब्त की गईं। जिन उत्पादों को जब्त किया गया उनमें दृष्टि आई ड्रॉप, गिलोय घन वटी, कुटज घन वटी, सिस्टोग्रिट डायमंड टैबलेट, न्यूरोग्रिट गोल्ड कैप्सूल, मधुग्रिट टैबलेट और मेमोरीग्रिट टैबलेट शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कार्रवाई केवल आयुर्वेदिक दवाओं तक सीमित नहीं रही. पुणे क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान एफडीए ने 21.83 लाख रुपये मूल्य की कथित रूप से गलत लेबलिंग वाली एलोपैथिक दवाएं भी जब्त कीं. इस अभियान में एलोपैथिक दवाओं की सबसे बड़ी बरामदगी पुणे क्षेत्र से हुई। पूरे राज्य में जब्त की गई आयुर्वेदिक और एलोपैथिक दवाओं का कुल मूल्य 73,24,656 रुपये बताया गया है. एफडीए की हालिया कार्रवाइयों में इसे सबसे बड़े प्रवर्तन अभियानों में से एक माना जा रहा है।

निर्माणाधीन नाले में पलटा ईंट लदा ट्रैक्टर, बड़ा हादसा टला

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के एडीए पाल चौराहे के समीप स्थित जानवी अपार्टमेंट के पीछे रविवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ईंट लादकर जा रहा एक ट्रैक्टर निर्माणाधीन नाले के पास अनियंत्रित होकर उसमें जा गिरा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर चालक कुछ समझ पाता, उससे पहले ही ट्रैक्टर का पिछला हिस्सा नाले में धंस गया और वाहन असंतुलित हो गया। घटना के समय आसपास लोगों की मौजूदगी भी थी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया।हालांकि, गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि या चोट नहीं हुई। ट्रैक्टर चालक सहित सभी लोग सुरक्षित बच गए। स्थानीय लोगों ने इसे बड़ी दुर्घटना टलने जैसा बताया।घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ट्रैक्टर को बाहर निकालने के प्रयास किए गए। स्थानीय नागरिकों ने निर्माणाधीन नाले के आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मधु किश्वर ने पीएम पर भ्रामक वीडियो किया था साझा

● हाईकोर्ट ने खारिज की अग्रिम जमानत याचिका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़े भ्रामक और आपत्तिजनक वीडियो को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा करने के मामले में फंसी प्रसिद्ध लेखिका और शिक्षाविद् मधु पूर्णिमा किश्वर को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस अमन चौधरी की अदालत ने माना कि मामले की परिस्थितियां अग्रिम जमानत देने के लिए उपयुक्त नहीं हैं और जांच के हित में हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता से इन्कार नहीं किया जा सकता। मधु किश्वर ने गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए अग्रिम जमानत की मांग की थी।ड्डु उनके खिलाफ चंडीगढ़ के सेक्टर-26 थाना में मामला दर्ज है। याचिका में मधु किश्वर की ओर से दलील दी गई कि उन्होंने केवल 14 सेकंड का एक वीडियो री-ट्वीट किया था। उनका कहना था कि इसमें कोई दुर्भावना नहीं थी और जालसाजी अथवा वीडियो तैयार करने से उनका कोई संबंध नहीं है। वहीं, चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से अदालत को बताया गया कि यह केवल साधारण री-ट्वीट का मामला नहीं है। जांच में सामने आया कि संबंधित वीडियो पहले अन्य सोशल मीडिया मंचों पर डाला गया था लेकिन मधु किश्वर ने उसे डाउनलोड कर अपने एक्स अकाउंट से दोबारा पोस्ट किया। प्रशासन ने अदालत को बताया कि उनके लाखों फॉलोअर्स होने के कारण वीडियो को व्यापक प्रसार मिला और उसे करीब 1.74 लाख व्यूज प्राप्त हुए। इससे भ्रामक सूचना फैलाने और एक सांविधानिक पद की छवि को नुकसान पहुंचाने में मदद मिली। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड से यह भी स्पष्ट हुआ है कि जांच एजेंसी की ओर से भेजे गए नोटिसों के बावजूद याचिकाकर्ता जांच में शामिल नहीं हुई जबकि अन्य सह-आरोपी जांच में शामिल हो चुके हैं। कोर्ट ने इसे उनके आचरण का महत्वपूर्ण पहलू माना। हाईकोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि रचनात्मक आलोचना और सोशल मीडिया पर किसी व्यक्ति अथवा सांविधानिक पद के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी के बीच स्पष्ट अंतर है। अदालत के अनुसार, बड़े सोशल मीडिया प्रभाव वाले व्यक्तियों की पोस्ट का व्यापक असर पड़ सकता है और ऐसी सामग्री सामाजिक सौहार्द तथा सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। इन सभी तथ्यों, जांच की आवश्यकता और सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों में तय सिद्धांतों का हवाला देते हुए हाईकोर्ट ने मधु किश्वर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं को निष्पक्ष, पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने का डीएम ने दिया निर्देश

● विभिन्न विद्यालयों में बनाये गये परीक्षा केन्द्र एवं कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

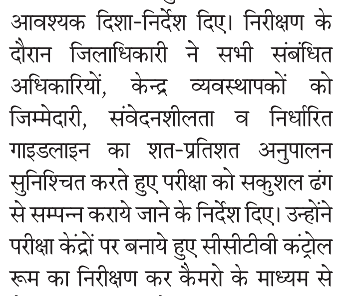

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार को आयोजित सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय (प्रा0)परीक्षा -2025 एवं रविवार को ही बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झाँसी के द्वारा आयोजित बी0 एड0 संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026-28 को निष्पक्ष, पारदर्शी व शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने के दृष्टिगत आर्य कन्या इंटर कालेज मुट्ठीगंज , रमा देवी इंटर कालेज बालिका कालेज सहित अन्य कालेजों में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित रखने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों, केन्द्र व्यवस्थापकों को जिम्मेदारी, संवेदनशीलता व निर्धारित गाइडलाइन का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर बनाये हुए सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कैमरो के माध्यम से हो रही मॉनिटरिंग को भी देखा।

लोगों की जेब पर एक और झटका : जून माह में बिजली का बिल 10% अधिक आएगा

प्रयागराज। पहले गैस सिलिंडर फिर डीजल-पेट्रोल व सीएनजी की कीमत में बढ़ोतरी से लोग उबरे भी नहीं थे कि बिजली के बिल बढ़ने का एक और झटका उन्हें लगा है। जून में आने वाले बिजली का बिल 10 प्रतिशत अधिक आएगा, इसकी जानकारी होते ही उपभोक्ताओं के माथे पर पसीना आ गया है। इस बढ़ोतरी से जिले के करीब 9.50 लाख उपभोक्ता प्रभावित होंगे। जिले में करीब 9.50 लाख बिजली उपभोक्ता हैं, जिसमें शहरी क्षेत्र में लगभग चार लाख व ग्रामीण क्षेत्र में 5.50 लाख शामिल हैं। इन सभी का बिजली का बिल जून में 10 प्रतिशत अधिक आएगा। यह बढोतरी मार्च के ईंधन अधिभार (फ्यूल सरचार्ज) के रूप में होगी। एक तौर पर मार्च का फ्यूल सरचार्ज जून में वसूला जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में नए नियमों के तहत ईंधन अधिभार की दर घटती-बढ़ती रहती है। फ्यूल सरचार्ज की दर बढ़ने से दस प्रतिशत बिजली के बिल में बढ़ोतरी की गई है।

चरित्र में नशामुक्ति का समावेश ही सच्ची जागरूकता : न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। 'विश्व तम्बाकू रहित दिवस' के अवसर पर क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी कार्यालय, प्रयागराज क्षेत्र, प्रयागराज द्वारा सिविल डिफेन्स एवं लायन्स क्लब के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय उद्यान शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद पार्क, प्रयागराज में एक भव्य जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसामान्य को तम्बाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह, न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में नीरज मिश्रा, उपनियंत्रक सिविल डिफेन्स, प्रयागराज, राजीव तिवारी, सहायक उपनियंत्रक सिविल डिफेन्स, प्रयागराज तथा लायन्स क्लब के लायन अर्पणधर दुबे, मंडलाध्यक्ष, लायन उदय चंदानी, उपमंडलाध्यक्ष प्रथम लायन उमेश चंद्र कक्कड़, उपमंडलाध्यक्ष द्वितीय लायन शीतला प्रसाद श्रीवास्तव, प्रोटोकॉल अधिकारी ,सदस्य नशा मुक्त भारत अभियान पवन पाण्डेय यातायात निरीक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री चारूल मिश्रा, क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी, प्रयागराज क्षेत्र द्वारा किया गया। न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह द्वारा हरी झण्डी दिखाकर जनजागरूकता रैली को रवाना किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि तम्बाकू एवं अन्य मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति केवल एक सरकारी अभियान या औपचारिक संकल्प तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे प्रत्येक व्यक्ति के चरित्र एवं जीवनशैली में उतारना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक नशामुक्ति के मूल्य हमारे आचरण और व्यवहार का हिस्सा नहीं बनेंगे, तब तक एक स्वस्थ एवं सशक्त समाज की स्थापना संभव नहीं है। उन्होंने सभी नागरिकों से तम्बाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के उन्मूलन हेतु सक्रिय भूमिका निभाने तथा समाज में व्यापक जनजागरूकता फैलाने का आह्वान किया। माननीय न्यायमूर्ति ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों को 'नशामुक्त भारत' के निर्माण हेतु संकल्प भी दिलाया। उपस्थित जनसमूह ने तम्बाकू एवं नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ग्रहण की। उपनियंत्रक सिविल डिफेन्स नीरज मिश्रा एवं सहायक उपनियंत्रक राजीव तिवारी ने कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से ही नशामुक्त समाज का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। सुश्री चारुल मिश्रा क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी प्रयागराज क्षेत्र प्रयागराज ने भी तम्बाकू एवं नशे के विरुद्ध निरंतर जन-जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में सिविल डिफेन्स के स्वयंसेवकों, लायन्स क्लब के सदस्यों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली के दौरान नशामुक्ति एवं तम्बाकू निषेध से संबंधित नारों एवं संदेशों के माध्यम से जनसामान्य को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का समापन नशामुक्त एवं स्वस्थ भारत के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

पश्चिम बंगाल: अभिषेक बनर्जी के बाद TMC सांसद कल्याण बनर्जी पर हमला

● सिर पर लगी चोट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- प्रदर्शनकारियों ने सांसद कल्याण बनर्जी का रास्ता रोका। बड़ी संख्या में लोग उनके खिलाफ नारे लगा रहे थे। इस दौरान कथित रूप से उनके सिर पर चोट लगी। वे थोड़ी देर बाद जमीन पर गिर गए। हमले के बाद जमीन पर लेटे कल्याण बनर्जी फोन पर बात करते हुए नजर आए। पश्चिम बंगाल में अभिषेक बनर्जी के बाद तृणमूल कांग्रेस के एक और सांसद पर कथित रूप से हमला हुआ है। सांसद कल्याण बनर्जी चंडीतला पुलिस स्टेशन में ज्ञापन सौंपने जा रहे थे। आरोप है कि स्थानीय लोगों ने उन्हें घेर लिया और कथित तौर पर मारपीट की। प्रदर्शनकारियों ने सांसद कल्याण बनर्जी का रास्ता रोकते हुए उन्हें काले झंडे दिखाए। तस्वीरों में नजर आया कि कल्याण बनर्जी भीड़ का सामना कर रहे थे। बड़ी संख्या में लोग उनके खिलाफ नारे लगा रहे थे। इस दौरान कथित रूप से उनके सिर पर चोट लगी। वे थोड़ी देर बाद जमीन पर गिर गए। हमले के बाद जमीन पर लेटे कल्याण बनर्जी फोन पर बात करते हुए नजर आए। इस दौरान सुरक्षाबलों को स्थिति को संभालने का प्रयास करते हुए भी देखा गया। वहीं, टीएमसी समर्थकों ने कल्याण बनर्जी को संभाला और उन्हें भीड़ से दूर ले जाने का प्रयास किया। कल्याण बनर्जी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैं अकेला आ रहा था। मेरे साथ कोई नहीं था। बीजेपी सदस्यों ने गाली-गलौज की और मेरे सिर पर बॉल से मारा। मेरे सिर से खून बह रहा है।' उन्होंने कहा, 'अब लोग तय करेंगे कि यह सही है या गलत कि सांसदों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। 'इससे पहले, शनिवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई। वे चुनाव के बाद शनिवार को हिंसा में मारे गए एक तृणमूल कार्यकर्ता के परिवार से मिलने सोनारपुर गए थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उनका विरोध किया। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने उनके काफिले पर अंडे व ईंट के टुकड़े फेंके और नारे लगाए। इस मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना को लेकर बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा, 'फिलहाल इलाज घर पर ही किया जाएगा। जितनी जरूरत होगी, सलाइन और ऑक्सीजन घर पर ही दी जाएगी। यदि आवश्यकता पड़ी तो अभिषेक को इलाज के लिए हैदराबाद ले जाया जाएगा। 'पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया है कि हमले के बाद अभिषेक बनर्जी के सीने में ब्लड क्लॉट जम गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उस समय अभिषेक के सिर पर हेलमेट नहीं होता, तो घटना जानलेवा साबित हो सकती थी।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को गर्भ समापन की मिली अनुमति, प्रयागराज जिला न्यायालय

प्रयागराज। जिला न्यायालय ने 16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को गर्भ समापन की अनुमति दी है। अदालत ने कहा कि किशोरी को अपने शरीर और प्रजनन संबंधी मामलों में निर्णय लेने का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के अधिकार का अभिन्न अंग है। न्यायालय के समक्ष विशेष लोक अभियोजक पाक्सो सविता पाठक ने मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके अनुसार पीड़िता लगभग सात सप्ताह की गर्भवती थी। जिला महिला चिकित्सालय के रेडियोलाजी एवं अल्ट्रासाउंड विभाग द्वारा 19 मार्च 2026 को किए गए अल्ट्रासाउंड परीक्षण में जुड़वा (ट्विन) गर्भ की पुष्टि हुई थी। रिपोर्ट में दोनों भ्रूण जीवित पाए गए। मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू कनौजिया ने कहा कि किसी महिला का अपने शरीर के संबंध में निर्णय लेने का अधिकार, विशेष रूप से प्रजनन संबंधी मामलों में, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित है। अदालत ने कहा कि नाबालिगों और अवांछित गर्भावस्था के मामलों में इस अधिकार पर अनुचित प्रतिबंध नहीं लगाए जा सकते, अन्यथा यह अधिकार निरर्थक हो जाएगा। जिला न्यायालय ने इस मामले में कहा कि पीड़िता के परिवारवालों ने गर्भ की जानकारी विवेचक को नौ मई 2026 को ही दे दी थी। इसके बाद भी उनकी ओर से गर्भ समापन को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

संक्षिप्त खबरें

धनबाद के शहरी बेघरों के लिए खुशखबरी, एक जून से पीएम आवास योजना के लिए आवेदन

धनबाद। एक जून से नगर निगम प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए पांच कैंप कार्यालय में विशेष कैंप का आयोजन करने जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों के पात्र एवं आवासहीन और कच्चे मकान में निवास करने वाले परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में धनबाद नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभुकों से आवेदन प्राप्त करने हेतु निगम क्षेत्र के कार्यालयों में विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप एक जून से छह जून तक चलेगा। नगर निगम के कतरास अंचल कार्यालय गुही बांध, छाताटांड़ अंचल कार्यालय, गोधर, धनबाद नगर निगम, मुख्यालय, झरिया अंचल कार्यालय बनियाहीर तथा सिन्दरी अंचल कार्यालय में कैंप का आयोजन किया जाएगा। आवेदकों का आवेदन केवल आनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किये जाएंगे। आवेदन भरने के पश्चात उसकी प्रिंट कापी एवं सभी आवश्यक दस्तावेज कैंप में जमा करना अनिवार्य होगा। केवल पूर्ण दस्तावेजों वाले आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। वहीं अपूर्ण आवेदन किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं होंगे।

यह चाहिए पात्रता

आवेदक के परिवार में पति, पत्नी एवं अविवाहित बच्चे शामिल होंगे। धनबाद नगर निगम क्षेत्र में निवास करने वाले ऐसे आवास विहीन परिवार, जिनके पास देश में कहीं भी अपने अथवा परिवार के किसी सदस्य के नाम पर पक्का मकान नहीं हो। आवेदक की वार्षिक आय तीन लाख से कम हो।

धनबाद के टुंडी में प्रतिबंधित मांस मिलने पर बवाल, पुलिस पर पथराव के बाद लाठीचार्ज और हवाई फायरिंग

धनबाद। टुंडी थाना क्षेत्र के मोहनाद गांव में शुक्रवार की शाम एक पिकअप वाहन में प्रतिबंधित मांस मिलने से बवाल हो गया। ग्रामीणों ने पुलिस के साथ धक्का-मुक्की करते हुए जमकर पथराव किया। पथराव में पुलिस के तीन जवान व एक दर्जन ग्रामीण घायल हो गए। अपने बचाव में पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इससे भी मामला शांत नहीं होता देख सात राउंड हवाई फायरिंग भी करनी पड़ी। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपितों को हिरासत में ले लिया है। शुक्रवार की शाम करीब पांच बजे गोविंदपुर थाना क्षेत्र के जंगलपुर निवासी चालक मन्नौवर अंसारी पिकअप वैन लेकर मोहनाद गांव के सरफुद्दीन अंसारी के घर पहुंचा और एक मवेशी (बैल) लादकर जाने लगा। वाहन में कुछ मात्रा में प्रतिबंधित मांस भी लदा था। वाहन से खून गिर रहा था। पास के मैदान में क्रिकेट खेल रहे बच्चों व ग्रामीणों ने वाहन को देख लिया और इसकी जानकारी अन्य लोगों को दे दी। इसके बाद काफी संख्या में ग्रामीण जुट गए और वाहन को घेर लिया। डर से चालक मन्नौवर अंसारी ने वाहन को सरफुद्दीन अंसारी के घर के सामने ही खड़ा कर दिया। इसके बाद वह भी जान बचाने के लिए सरफुद्दीन अंसारी के घर में घुस गया। ग्रामीण उग्र होकर सरफुद्दीन अंसारी के घर को घेरकर हंगामा करने लगे। वे चालक को घर से बाहर निकालने की मांग कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही टुंडी थाना प्रभारी उमाशंकर व सीओ सुरेश बर्णवाल पुलिस बल के साथ पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीण कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे। देखते ही देखते प्रतिबंधित मांस मिलने की खबर फैल गई और आसपास के 10 गांवों के लोग जुटकर हंगामा करने लगे। स्थिति बेकाबू होती देख पूर्वी टुंडी, मनियाडीह, बरवाअड्डा व गोविंदपुर थाने से काफी संख्या में पुलिसकर्मियों को बुला लिया गया। जिला पुलिस मुख्यालय को घटना की जानकारी देकर अतिरिक्त बल की मांग की गई। इसके बाद ग्रामीण एसपी मो. याकूब व एसडीओ बारंगे के नेतृत्व में धनबाद से भी भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया। गृहस्वामी सरफुद्दीन अंसारी, उसके बेटे असरफ अंसारी व पिकअप वैन चालक मन्नौवर को हिरासत में लेकर पुलिस वाहन से थाने ले जाया जा रहा था। इसका भीड़ ने विरोध किया। भीड़ आरोपितों की पिटाई करना चाहती थी। ग्रामीण एसपी द्वारा आरोपितों को बचाने पर भीड़ और उग्र हो गई तथा पुलिस के साथ धक्का-मुक्की व पथराव शुरू कर दिया। पत्थर लगने से राजेश लिंडा, अनिल यादव और विनय गुप्ता नामक पुलिस जवान घायल हो गए। इनमें राजेश लिंडा गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने सात राउंड हवाई फायरिंग की। इसके बाद भी जब भीड़ नहीं हटी तो मजबूरन लाठीचार्ज करना पड़ा। इससे भीड़ तितर-बितर हो गई। लाठीचार्ज में एक दर्जन ग्रामीण भी घायल हुए हैं। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपितों-सरफुद्दीन अंसारी, उसके बेटे असरफ अंसारी व चालक मन्नौवर-को हिरासत में ले लिया है। प्रतिबंधित मांस लदे वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में भारी तनाव है। निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और घटनास्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

बलिया में गवाही देने पर बुजुर्ग की पिटाई, वीडियो वायरल— पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया — जिले में कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली एक घटना सामने आई है। एक मामले में गवाही देना एक बुजुर्ग को भारी पड़ गया। दबंगों ने उन्हें बीच रास्ते में रोककर बेरहमी से पीटा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

क्या है पूरा मामला

पीड़ितः सहपलिया गाँव निवासी बुजुर्ग मोहन सिंह ज़ स्थानः खेजुरी थाना क्षेत्र, बलिया जिला ज़ घटनाः शनिवार को मोहन सिंह एसपी कार्यालय पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ज़ आरोपः मोहन सिंह का कहना है कि एक मामले में गवाही देने के कारण दबंगों ने उन्हें रास्ते में घेर लिया और मारपीट की।

वायरल वीडियो में क्या दिखा

वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक महिला समेत कई पुरुष बुजुर्ग को घेरकर हमला कर रहे हैं। हमलावर बुजुर्ग को जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटते नजर आ रहे हैं। बुजुर्ग खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हमलावर लगातार मारपीट करते दिख रहे हैं।

पुलिस का एक्शन

1. वीडियो वायरल होने के बाद खेजुरी थाना पुलिस हरकत में आई है। 2. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। 3. एसपी कार्यालय में दी गई शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

स्थानीय प्रतिक्रिया

घटना के बाद इलाके में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि गवाहों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। अगर गवाही देने पर इस तरह हमले होंगे तो लोग कोर्ट में सच बोलने से डरेंगे। पुलिस का कहना है कि वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जनता दल यूनाइटेड जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल का हुआ अभिनंदन - दिनेश प्रसाद

गोपालगंज- बरौली जदयू नगर अध्यक्ष दिनेश प्रसाद की अध्यक्षता में बरौली नगर मे जदयू सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमे नगर अध्यक्ष दिनेश प्रसाद ने जदयू जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल को पुष्प् गुच्छे एंव अंगवस्त्र से सम्मानित जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल ने कहा की हर वार्ड में वार्ड अध्यक्ष बनाएं और नगर कमिटी का गठन शीघ्र करे! समारोह में आदित्य नाथ दुबे, मनीष सिंह, राजा राम सिंह, अखिलेश प्रसाद पटेल, दशरथ सिंह पटेल, रविंद्र सिंह, मदन प्रसाद, संजय प्रसाद पूर्व मुखिया, सत्य देव पटेल, मोहन प्रसाद, राजू पटेल, कन्हैया प्रसाद, वशत सिंह,विजयेंद्र सिंह, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे!

बांसडीह में भंडारे के दौरान किशोर पर चाकू से हमला, हालत गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया- बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के राजा गांव-खरौनी मार्ग स्थित शाहपुर हनुमान मंदिर परिसर में शनिवार रात आयोजित भंडारे के दौरान खूनी संघर्ष हो गया। कुछ युवकों ने 15 वर्षीय किशोर पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे भंडारे में अफरा-तफरी मच गई।

क्या हुआ था

गोरधप्पा गांव निवासी चंदन तिवारी (15) पुत्र तारकेश्वर तिवारी शनिवार रात अपने दोस्तों के साथ शाहपुर हनुमान मंदिर में चल रहे भंडारे में प्रसाद लेने पहुंचा था। ज़ प्रसाद ग्रहण के दौरान किसी बात को लेकर वहां मौजूद कुछ युवकों से चंदन का विवाद हो गया। ज़ आरोप है कि कहासुनी के बीच युवकों ने चंदन पर चाकू से हमला कर दिया। चंदन गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा।

अस्पताल में भर्ती

हमले के बाद भंडारे में भगदड़ मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल चंदन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बांसडीह पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल चंदन का इलाज जारी है।

क्राइम

पुलिस कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही बांसडीह पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हमलावर युवकों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। अभी तक हमले के पीछे की असल वजह साफ नहीं हो पाई है।

मंदिर परिसर में दहशत

धार्मिक आयोजन के दौरान हुई इस वारदात से इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने मंदिर परिसर में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। चंदन के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी घटना को लेकर आक्रोश है।

राबड़ी के बाद रोहिणी ने भी सरकार को ललकारा; 10 सर्कुलर रोड आवास को लेकर बढ़ा टकराव

● राजधानी पटना में राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर रोड आवास को खाली कराने के मुद्दे पर सियासत गरमा गई है, जिसमें अब उनकी बेटी रोहिणी आचार्य भी सरकार को चुनौती दे रही हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। राजधानी पटना स्थित 10 सर्कुलर रोड आवास को खाली कराने के मुद्दे पर सियासत गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी के आवास को लेकर चल रहे विवाद में अब उनकी बेटी रोहिणी आचार्य भी खुलकर मैदान में उतर गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर बिहार सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि यदि हिम्मत है तो सरकार जबरन बंगला खाली कराकर दिखाए।

सरकार का प्रतिशोध मॉडल

सिंगापुर में रह रहीं रोहिणी आचार्य ने अपनी पोस्ट में राज्य सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए सरकार विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है। उनके अनुसार आवास से बेदखल करने की कोशिश लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और यह सत्ता के अहंकार का प्रतीक है। रोहिणी ने बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और बढ़ते अपराध के मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मोर्चों पर सरकार विफल साबित हुई है, जबकि विपक्ष को घेरने में पूरी ताकत लगा रही है। उन्होंने इसे 'प्रतिशोध मॉडल' की राजनीति करार दिया।

तीसरे नोटिस के बाद राबड़ी का सख्त रुख

दरअसल, भवन निर्माण विभाग की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने के लिए तीसरी बार नोटिस जारी किया गया है। हालांकि राबड़ी देवी ने साफ शब्दों में कहा है कि वह किसी भी कीमत पर बंगला खाली नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे जितना पुलिस बल लगा ले, वह अपने आवास से नहीं हटेंगी। राबड़ी देवी वर्ष 2006 से पूर्व मुख्यमंत्री के नाते इस आवास में रह रही हैं। वर्तमान में उन्हें नेता प्रतिपक्ष के तौर पर हार्डिंग रोड स्थित एक अन्य सरकारी आवास आवंटित है। इसी आधार पर सरकार उनसे मौजूदा बंगला खाली कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है।

मंत्री को हो चुका है बंगला आवंटित

सरकारी सूत्रों के अनुसार 10 सर्कुलर

रोड स्थित यह बंगला पहले ही बिहार सरकार के मंत्री Nand Kishore Ram को आवंटित किया जा चुका है। पिछले वर्ष भी इस आवास को लेकर विवाद हुआ था, जब परिसर से कुछ सामान और गमले हटाए गए थे। उस समय भी भवन निर्माण विभाग ने नोटिस जारी किया था।

राजद ने बताया राजनीतिक बदले की कार्रवाई

आवास विवाद को लेकर राष्ट्रीय जनता दल पूरी तरह आक्रामक मुद्रा में दिखाई दे रहा है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर लालू परिवार को अपमानित करने की कोशिश कर रहा है। वहीं प्रदेश प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा कि सरकार नियमों की मनमानी व्याख्या कर रही है और विपक्ष के नेताओं के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है।

बिहार में बिजली चोरी रोकने का नया फॉर्मूला; ट्रांसफार्मर से उपभोक्ता तक होगी निगरानी

● बिहार में बिजली चोरी रोकने के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने वाली कंपनियों को अब अगले एक दशक तक ऊर्जा लेखांकन का कार्य भी करना होगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। बिहार में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने वाली कंपनियों को अब अगले एक दशक तक ऊर्जा लेखांकन (इनर्जी अकाउंटिंग) का कार्य भी करना होगा। इसके लिए कंपनियां क्षेत्रवार निगरानी करेंगी और बिजली वितरण तथा खपत के आंकड़ों का विश्लेषण करेंगी। बिजली कंपनियों ने इसे अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य तकनीकी माध्यमों से बिजली चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाना है।

कैसे होती है इनर्जी अकाउंटिंग?

बिजली कंपनियों ने प्रत्येक क्षेत्र में स्थापित पावर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मरों पर सिम आधारित विशेष उपकरण लगाए हैं। इन उपकरणों के माध्यम से ट्रांसफार्मर से वितरित होने वाली बिजली की जानकारी सीधे बिजली कंपनी के सर्वर तक पहुंचती है। किसी क्षेत्र में मौजूद सभी ट्रांसफार्मरों से आपूर्ति की जा रही बिजली का नियमित डाटा उपलब्ध रहता है। इसके बाद उपभोक्ताओं की वास्तविक बिजली खपत और बिलिंग के आंकड़ों का मिलान किया जाता है। इसी प्रक्रिया को इनर्जी अकाउंटिंग कहा जाता है। इससे यह पता लगाया जाता है कि वितरित बिजली और बिलिंग के बीच कितना अंतर है।

स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनियों को मिली जिम्मेदारी

जिस क्षेत्र में जिस कंपनी ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए हैं, उसी कंपनी को वहां इनर्जी अकाउंटिंग की जिम्मेदारी भी दी गई है। संबंधित कंपनी को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी ट्रांसफार्मर से जितनी बिजली वितरित हो रही है, उसके अनुरूप बिलिंग क्यों नहीं हो रही है। कंपनी ट्रांसफार्मर से जुड़े प्रत्येक उपभोक्ता के बिल और बिजली खपत का सूक्ष्म विश्लेषण करेगी। इसके आधार पर वह बिजली कंपनी को रिपोर्ट सौंपेगी कि बिलिंग में कमी या असंगति कहां से उत्पन्न हो रही है। इस प्रक्रिया के जरिए बिजली चोरी में संलिप्त उपभोक्ताओं की पहचान करना आसान होगा। साथ ही यह भी जांचा जाएगा कि

किसी उपभोक्ता के यहां स्वीकृत या वास्तविक लोड अधिक होने के बावजूद उसका बिजली बिल अपेक्षित स्तर पर क्यों नहीं है।

बिहार में 90 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगे

बिहार में वर्तमान में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या करीब 2.22 करोड़ है। इनमें से लगभग 90 लाख उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर लगाने का अभियान लगातार जारी है और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने वाली कंपनियों के जिम्मे इनर्जी अकाउंटिंग का दायरा भी लगातार बढ़ता जाएगा। बिजली कंपनियों का मानना है कि इससे बिजली चोरी पर लगाम लगाने के साथ-साथ वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा सकेगा।

बिहार में 50 लाख से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री, सरकारी योजनाओं का मिलेगा सीधा लाभ

● बिहार में 50 लाख से अधिक किसानों ने फार्मर रजिस्ट्री पूरी कर ली है, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। यह पहल किसानों को डिजिटल पहचान प्रदान कर पारदर्शिता बढ़ाएगी और भूमि विवादों को कम करने में सहायक होगी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। बिहार में अब तक 50 लाख किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करा ली है। फार्मर रजिस्ट्री होने से किसानों की सटीक पहचान और उनका डिजिटल रिकार्ड तैयार हो रहा है। पहल का लाभ यह है कि फार्मर आइडी होने से खाद, बीज, ऋण एवं फसल सहायता का लाभ बिना किसी अड़चन के सीधे किसानों के खाते में पहुंचेगा। इससे उनमें आर्थिक समृद्धि एवं खुशहाली आएगी। फार्मर रजिस्ट्रेशन के बाद किसानों से जुड़ी सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी। लाभ सीधे किसानों तक पहुंचेगा। 30 जून तक चलने वाले अभियान को लेकर माना जा रहा है कि फार्मर रजिस्ट्री

का यह विशेष अभियान किसानों को डिजिटल पहचान देगा। फार्मर रजिस्ट्रेशन से भूमि विवादों को कम करने में बड़ी मदद मिलेगी।

88.40 लाख किसानों का हो चुका है ई-केवाईसी

राज्य में 4 करोड़ 54 लाख जमाबंदियां कायम हैं। कृषि विभाग के पोर्टल पर अभी तक 88 लाख 40 हजार किसानों का ई-केवाईसी पूर्ण किया जा चुका है, जिनमें अब तक 50 लाख से अधिक किसानों की फार्मर आईडी बन गई है।

शेष किसानों की फार्मर आइडी बनाने के लिए राज्य में अभियान चलाया जा रहा है। फार्मर आइडी बन जाने से किसानों को खेती से जुड़ी जानकारी रियल टाइम में मिल सकेगी। फार्मर रजिस्ट्री होने पर किसानों की जमीन का परिमार्जन भी आसान हो जाएगा और उन्हें इसके लिए कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

झरिया में घर से खींचकर ले गया, नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप; मां ने थाने में दी शिकायत

धनबाद। झरिया के जामाडोबा की रहने वाली एक नाबालिग की मां ने शनिवार शाम जोरापोखर थाना में शिकायत पत्र देकर मुहल्ले के एक युवक पर उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिकायत में महिला ने बताया कि 27 मई की रात मुहल्ले का रहने वाला सागर पासवान बाइक से उनके घर पहुंचा और दरवाजा खटखटाया। उस समय वह अपनी दो पुत्रियों के साथ घर में मौजूद थीं। दरवाजा खोलते ही आरोपित ने उनकी नाबालिग पुत्री का हाथ पकड़ लिया और जबरन अपने साथ ले जाने लगा। विरोध करने पर उसने जान से मारने की धमकी दी। महिला के अनुसार युवक उसकी पुत्री को जबरन अपने साथ ले गया। युवक ने नाबालिग को तीन नंबर क्वार्टर में ले जाकर उसके दुष्कर्म किया। उसके बाद पुत्री को लेकर हरियाणा भागने प्रयास किया।जानकारी मिलते ही आसपास के कुछ लोगों के साथ फुसबंगला में टेंपो से पुत्री को जबरन उतार कर अपने घर ले आए। घर आने के बाद पुत्री ने घटना की पूरी जानकारी दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

धनबाद क्लब पर बेदखली का खतरा, जिला परिषद ने जमीन पर ठोका दावा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धनबाद। जिले का सबसे पॉश धनबाद क्लब अब विवादों में आ गया है। जिला परिषद धनबाद ने इसकी जमीन पर अपना दावा किया है। साथ ही अब इस क्लब को हटाने की बात भी कही जा रही है। जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने साफ किया है कि लुबी सर्कुलर रोड के अगल-बगल की सारी जमीन जिला परिषद की है। ऐसे में धनबाद क्लब से जिला परिषद को एक रुपये तक की आय नहीं होती। अब इस क्लब को खाली कराने के लिए नोटिस दिया जाएगा। इसे लेकर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि जिला परिषद को स्वयं आय अर्जित करनी है। इसके लिए जरूरी है कि वह अपनी परिसंपत्तियों से कमाई करे। धनबाद जिले में परिषद की जमीन को लेकर बीते दिनों सर्वे कराया गया था, जिसमें यह पता चला कि यूनियन क्लब और धनबाद क्लब जिला परिषद की जमीन पर बने हैं। क्लब प्रबंधन के पास जमीन आवंटन से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं है। जमीन किसने दी या कब

दी गई, इसका भी कोई रिकॉर्ड नहीं है। यदि कोई दस्तावेज है तो उसे जिला परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। क्लब प्रबंधन पूरे नियम-कानून के साथ आए और नीलामी में भाग ले। तभी उन्हें यह क्लब दिया जाएगा। अध्यक्ष सिंह ने बताया कि परिसंपत्तियों से संबंधित विवादित मामलों का अध्ययन किया गया है और उनकी स्थिति भी देखी जा रही है। काफी परिसंपत्तियों को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है। उन्होंने कहा कि जिला परिषद का मुख्य काम पंचायतों का विकास करना है, लेकिन धनबाद क्लब का कोई फायदा पंचायतों अथवा ग्रामीण प्रतिभाओं को नहीं मिलता। ग्रामीण बच्चे धनबाद क्लब में नहीं आ सकते। वहां केवल पूंजीपति वर्ग के लोग ही आ-जा सकते हैं। जिला परिषद फंड के लिए जूझ रही है। जरूरत पड़ी तो इस मामले में कोर्ट में भी केस लड़ा जाएगा।

अंग्रेजों के जमाने में बना था क्लब

धनबाद क्लब का गठन वर्ष 1926 में हुआ था। दस्तावेजों के अनुसार उस समय यह यूरोपियन क्लब के नाम से जाना जाता था। बाद में, वर्ष 1950 के आसपास इसका नाम धनबाद क्लब रख दिया गया। वर्तमान में धनबाद क्लब की सदस्यता सभी को नहीं मिल सकती। इसकी सदस्यता के लिए 14 लाख रुपये देने पड़ते हैं और वर्तमान में क्लब के लगभग 950 सदस्य हैं। यानी क्लब की आय करोड़ों रुपये में है।

JMM में आदिवासी तो कांग्रेस में जनरल प्रत्याशी पर दांव की चर्चा, सियासी सरगर्मी तेज

● झारखंड में राज्यसभा चुनाव के लिए सभी दल उम्मीदवारों पर मंथन कर रहे हैं, जिसमें झामुमो का फैसला कांग्रेस की उम्मीदवारी के लिए महत्वपूर्ण है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची। झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने उम्मीदवारों को लेकर मंथन तेज कर दिया है। उम्मीदवारों के चयन में सामाजिक समीकरण को साधने की कोशिशें भी हो रही हैं। झामुमो से इस बार आदिवासी चेहरा के चुने जाने की पूरी उम्मीद है। मुख्यमंत्री की बहन अंजली सोरेन का नाम भी आगे आ रहा है। दूसरी ओर, कांग्रेस की ओर से गैर आदिवासी को उम्मीदवार बनाया जाना तय माना जा रहा है। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव होना है। इनमें से एक सीट पर कांग्रेस दावेदारी कर रही है। कांग्रेस की दावेदारी का आधार पार्टी के विधायकों की संख्या है। 16 विधायकों के साथ कांग्रेस गठबंधन की दूसरी बड़ी पार्टी है। सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायक एकजुट रहे तो दोनों सीटें जीतने की अधिक उम्मीद है। कांग्रेस आलाकमान का संदेश लेकर वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिल भी चुके हैं। इन बैठकों में एक सीट कांग्रेस को देने पर मुख्यमंत्री ने दो दिनों का समय मांगा था। सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से गठबंधन को लेकर शर्तें तय कर दी जाएंगी। इधर, कांग्रेस पार्टी की ओर से अभी से संभावित उम्मीदवार को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। पार्टी वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार पर निर्णय लेगी। राज्यसभा चुनाव के लिए पिछड़ा वर्ग से उम्मीदवार होने की संभावना फिलहाल कम

है, क्योंकि पार्टी में पिछड़ा वर्ग से विधायक दल के नेता और प्रदेश अध्यक्ष पहले से ही चुने जा चुके हैं। ऐसे में कहीं ना कहीं सामान्य वर्ग को भी जोड़कर रखने की कोशिश होगी और इस वर्ग से उम्मीदवार का चयन कर राज्यसभा में उम्मीदवार तय किया जाएगा। इधर, कांग्रेस के सीनियर नेता बता रहे हैं कि सर्वाधिक कठिनाई ऐसे उम्मीदवार के चयन में आएगी जो कांग्रेस को भी पसंद हो और मुख्यमंत्री को भी। स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी झामुमो के उम्मीदवार की घोषणा के बाद ही इसपर अंतिम निर्णय लेगी।

झरिया में रोज 200 हाइवा कोयले की हो रही चोरी

● माफिया घराने पर सांसद ढुलू महतो का बड़ा आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धनबाद। झरिया क्षेत्र में आउटसोर्सिंग कंपनियों की आड़ में कोयला चोरी, स्थानीय मजदूरों के रोजगार पर संकट और जबरन विस्थापन के मुद्दे पर सांसद ढुलू महतो ने बीसीसीएल और निजी कंपनियों पर तीखा हमला बोला है। लोदना क्षेत्र के जीनागोरा माड़ी गोदाम मोहल्ले में आयोजित जनसभा में उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि पुनर्वास की समुचित व्यवस्था किए बिना गरीबों और स्थानीय लोगों को डराकर उजाड़ने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बीसीसीएल और आउटसोर्सिंग प्रबंधन पर सीधा और तीखा हमला

कार्यक्रम में सांसद ढुलू महतो ने बीसीसीएल और आउटसोर्सिंग प्रबंधन पर सीधा और तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रबंधन के पास स्थानीय मजदूरों से मैनुअल लोडिंग कराने के लिए कोयला नहीं है, लेकिन कुजामा परियोजना से रोजाना रात के अंधेरे में लगभग 200 हाइवा कोयला चोरी कर धड़ल्ले से तस्करी कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोडिंग प्वाइंटों पर ट्रकों में मैनुअल लोडिंग कर हजारों स्थानीय असंगठित मजदूर अपने परिवारों की आजीविका चलाते थे, उन्हें माफिया घराने के लोगों ने आउटसोर्सिंग प्रबंधन के साथ मिलकर साजिश के तहत बंद करा दिया है। इसके कारण क्षेत्र के हजारों मजदूर भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। प्रभावित जनता से एकजुट होने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि यह माफिया घराना और उसके सिंडिकेट के लोग पहले गरीबों को उजाड़ते हैं और उनका रोजगार छीनते हैं, फिर सहानुभूति का नाटक करने तथा घड़ियाली आंसू बहाने उनके बीच चले आते हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे ऐसे मगरमच्छों से सावधान रहें और अपने हक व अधिकारों के लिए संघर्ष का रास्ता अपनाएं।

कोई भी माफिया या प्रबंधन बाल भी बांका नहीं कर सकता

उन्होंने कहा कि जब तक वह जनता के प्रतिनिधि के रूप में खड़े हैं, तब तक कोई भी माफिया या प्रबंधन उनका बाल भी बांका नहीं कर सकता। रोजगार संकट से जूझ रहे असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि इस तानाशाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्थानीय स्तर पर एक प्रतिनिधिमंडल तैयार करने की बात कही और कहा कि वह स्वयं इस प्रतिनिधिमंडल के साथ धनबाद के उपायुक्त से मुलाकात करेंगे तथा बंद पड़े लोडिंग प्वाइंटों पर दोबारा मैनुअल लोडिंग का काम शुरू कराने के लिए प्रशासनिक दबाव बनाएंगे। मौके पर सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र गुप्ता, अशोक साव, सुधीर पासवान, योगेंद्र यादव, अजय निषाद, सुनील पासवान, मुन्ना वर्मा, सुबोध पासवान, मो. गफ्फार अंसारी, उज्ज्वल मंडल, सोनू मल्लिक और बबलू दास उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

चोपन पुलिस की प्रभावी कार्यवाही, विभिन्न धाराओं एवं पोक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

चोपन/सोनभद्र- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक चोपन के कुशल नेतृत्व में महिला उत्पीड़न संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना चोपन पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0-0151/2026 धारा 137(2), 87, 64(1) बीएनएस व 3/4 पोक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में थाना चोपन पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए वांछित अभियुक्त राजन उर्फ राजेश को दिनांक 31.05.2026 को समय करीब 05:50 बजे रेलवे स्टेशन चोपन क्रासिंग के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त राजन उर्फ राजेश पुत्र रामचन्द्र, निवासी बेलहत्थी टोला सजहवा, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 31 वर्ष के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 रामफेर यादव, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र, का0 राहुल यादव शामिल रहे।

राशन मांगने पर दलित युवक से मारपीट, कोटेदार समेत पांच पर मुकदमा

जातिसूचक गालियां देने और जान से मारने की धमकी का आरोप

एससी/एसटी एक्ट सहित कई धाराओं में एफआईआर दर्ज

ललितपुर। महरौनी थाना क्षेत्र के ग्राम मिदरवाहा में सरकारी राशन मांगने गए एक दलित युवक के साथ कथित रूप से मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने कोटेदार सहित तीन नामजद एवं दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और एससी/एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी (सीओ) महरौनी को सौंपी गई है। पुलिस को दी गई तहरीर में ग्राम मिदरवाहा निवासी दीपचन्द्र अहिरवार (35) पुत्र हृदये अहिरवार ने बताया कि वह 29 मई को गांव के कोटेदार विजयपाल के यहां राशन लेने गया था। आरोप है कि कोटकी विवेचना क्षेत्राधिकारी (सीओ) महरौनी को सौंपी गई है। पुलिस को दी गई तहरीर में ग्राम मिदरवाहा निवासी दीपचन्द्र अहिरवार (35) पुत्र हृदये अहिरवार ने बताया कि वह 29 मई को गांव के कोटेदार विजयपाल के यहां राशन लेने गया था। आरोप है कि कोटेदार ने उसे राशन देने से मना कर दिया। जब उसने इस संबंध में उपजिलादिप, बिट्टू राजा पुत्र कल्लूराजा तथा दो अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने उसे घेरकर जातिसूचक गालियां दीं और शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। विरोध करने पर उसके साथ लाठी-डंडों और लात-घूसों से मारपीट की गई, जिससे उसे चोटें आई। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपियों ने उसे थाने या अन्य किसी अधिकारी से शिकायत न करने तथा गांव छोड़ देने की भी धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित ने महरौनी कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी, जिस पर मामला दर्ज किया गया।

चन्द्रशेखर पार्क में जन सुविधाओं के विकास हेतु निविदा की तिथि बढ़ी

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

अब 10 जून तक जमा की जा सकेगी निविदाएं, 11 जून को खोले जाएंगे टेंडर

ललितपुर। राजकीय चन्द्रशेखर पार्क (कम्पनी बाग) में जन सुविधाओं के विकास के लिए आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से कराए जाने वाले कार्यों हेतु आमंत्रित निविदाओं की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। जिला उद्यान अधिकारी एवं सचिव उद्यान विकास समिति ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में जारी निविदा सूचना के तहत निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि 20 मई 2026 निर्धारित की गई थी। कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार अपरिहार्य कारणों से निविदा प्रक्रिया की समय-सीमा का विस्तार किया गया है। अब इच्छुक एजेंसियां अपनी निविदाएं 10 जून 2026 सायं 5 बजे तक ऑनलाइन अपलोड कर सकेंगी। वहीं प्राप्त निविदाओं को 11 जून 2026 को सुबह 11 बजे खोला जाएगा। उद्यान विकास समिति के अनुसार यह निविदा राजकीय चन्द्रशेखर पार्क कम्पनी बाग में विभिन्न जन सुविधाओं के विकास, रखरखाव एवं संचालन संबंधी कार्यों के लिए आमंत्रित की गई है। इच्छुक फर्मों एवं एजेंसियों से निर्धारित समयावधि के भीतर निविदा प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की गई

आंधी से ठप्प हुई ग्रामीण इलाकों की बिजली अभी भी गुल, कर्मचारी बहा रहे पसीना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- बीते दिन गुरुवार की रात तहसील क्षेत्र में आयी तेज आंधी और बारिश से कोंच कस्बा सहित करीब-करीब सभी गांवों में ट्रांसफार्मर से लेकर बिजली पोल और बिजली लाइनें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी। वहीं बिजली आपूर्ति व्यवस्था बहाल करने में विभागीय कर्मचारी युद्धस्तर पर लगे हुए हैं लेकिन आंधी पानी से नुकसान इस कदर हुआ है कि करीब चार दिन बीत जाने के बाद भी तमाम गांवों में बिजली आपूर्ति ठप्प पड़ी हुई है जिससे गर्मी के मौसम में ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और हैरान परेशान ग्रामीण अब अधिकारियों की चौखट पर पहुंचकर अपना दुखड़ा सुना रहे हैं। रविवार को ग्राम असूपुरा निवासी दो दर्जन ग्रामीणों ने एसडीएम हेमंत कुमार पटेल को एक शिकायती पत्र दिया। ग्रामीणों ने एसडीएम को बताया कि गांव में लगा ट्रांसफार्मर फुंक गया है जिससे बिजली आपूर्ति ठप्प पड़ी हुई है।

आंधी से गुल बिजली की शिकायत करते ग्रामीण

गौशाला में भी बिजली आपूर्ति बंद है। ग्रामीणों ने शीघ्र ही नया ट्रांसफार्मर रखवाये जाने की मांग एसडीएम से की है।

गौरतलब हो कि भयंकर आंधी और पानी से सबसे अधिक नुकसान बिजली विभाग को पहुंचा है। ट्रांसफार्मर, पोल ओर लाइनें क्षतिग्रस्त होने से गांव के गांव अंधेरे में डूबे हुए हैं। गर्मी में बगैर कूलर पंखों के और मच्छरों के प्रकोप से ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। पेयजल संकट भी गहरा गया है, बैटरी चार्ज न होने से मोबाइल शोपीस बन गए हैं। ट्यूबेल न चलने से किसान खेतों में फसलों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं साथ ही बिजली से चलने वाली सारी मशीनरी बंद पड़ी हुई है। विद्युत अवर अभियंता अमन पांडेय एवं अमन खान का कहना है कि क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर, पोल, केबिल आदि की सूची उसी समय बनाकर भेज दी गई थी। जिला मुख्यालय से जैसे जैसे नया सामान मिलता जा रहा है, विभागीय कर्मचारी विद्युत आपूर्ति बहाल करने में तेजी से लगे हुए हैं। आधे गांवों की आपूर्ति बहाल भी कर दी गई है और शेष गांवों में सोमवार तक आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

कोटेदार पर घटतौली करने और मोबाइल तोड़ने का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सरकार द्वारा पात्र ग्रामीणों को निश्चित समय पर निर्धारित पूरी राशन सामग्री वितरित किए जाने की लाख दावे किए जाते हों लेकिन धरातल पर इसके ठीक उलट स्थिति देखी जा सकती है। तमाम स्थानों पर कोटेदारों की दबंगी और मनमानी भरी कार्यप्रणाली सरकार की मंशा पर पानी फेर रही है। ताजा मामला बरोदा कलां गांव का सामने आया है जहां के ग्रामीणों/राशन कार्ड धारकों ने कोटेदार और उसके नाती पर राशन सामग्री वितरण में घटतौली करने और विरोध करने पर गाली गलौच कर धमकी देने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की शिकायत थाना पुलिस से लेकर एसडीएम से की ही। घटतौली का वीडियो बनाने पर मोबाइल तोड़ डालने की भी शिकायत कर ग्रामीणों ने कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

थाना कैलिया क्षेत्र के ग्राम बरोदा कलां गांव निवासी जगजीवन, बालकिशुन, धर्मेंद्र, मंगल सिंह, अभिषेक, अतर सिंह, नीरज, गुल्लू, दुष्यंत, बलबान सिंह, बृजेश, अवधेश, जानकी प्रसाद आदि ग्रामीणों ने थाना पुलिस सहित एसडीएम हेमंत कुमार पटेल को अलग अलग दिए अपने शिकायती पत्र में बताया कि गांव का कोटेदार मंशाराम अहिरवार दो अलग-अलग कांटामाप रखकर राशन सामग्री वितरण में घटतौली करता है। रविवार को जब राशन सामग्री लेने गए तो फिर से उसने घटतौली की, हम लोगों ने इसका वीडियो बनाना चाहा तो कोटेदार के कहने पर उसके नाती ने मोबाइल छीनकर तोड़ डाला और गाली गलौच कर धमकी दी। मामले को लेकर शिकायतकर्ता ग्रामीणों ने कोटेदार के खिलाफ कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

ललितपुर नागरिक विकास मोर्चा ने शकुंतला चौबे के निधन पर जताया शोक

ललितपुर। ललितपुर नागरिक विकास मोर्चा की एक शोकसभा मोर्चा अध्यक्ष हरीबाबू शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आरटीओ विभाग से जुड़े कृपाशंकर, शिवशंकर एवं शिब्बू चौबे तथा राजू चौबे की पूज्य माताजी शकुंतला चौबे के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। शोकसभा में उपस्थित सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि स्व.शकुंतला चौबे का जीवन सादगी, संस्कार और सामाजिक मूल्यों का प्रतीक था। उनके निधन से परिवार एवं समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। सभा में अध्यक्ष हरी बाबू शर्मा ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान राजेंद्र मोहन दुबे, पंकज हुण्डैत, पवन शास्त्री, विवेक व्यास, विनोद संज्ञा, संजय बादल, नरेंद्र तिवारी, अनिल शिवहरे, रामप्रकाश अग्रवाल, मोहम्मद शरीफ, जावेद, राघवेंद्र तिवारी, रवि श्रीवास्तव, ध्रुव किलेदार, शशिकांत दीक्षित, प्रेमशंकर गुप्ता, प्रेम, धर्मेंद्र सिंह, संजय मालवीय, दीपक मिश्रा, अंसार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अवैध अस्पताल में प्रसूता की मौत मामले में बड़ी कार्रवाई, फरार आरोपियों पर 35 हजार का इनाम घोषित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र। कोन क्षेत्र स्थित अवैध रूप से संचालित ग्लोबल हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान महिला की मौत के मामले में प्रशासन और पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। अस्पताल को सील कर दिया गया है, जबकि मामले में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कुल ?35 हजार का इनाम घोषित किया गया है। जानकारी के अनुसार शनिवार को सीमा पत्नी देवनारायण, निवासी सोना सिंगा (पोस्ट बागेसोती, थाना कोन) को प्रसव पीड़ा होने पर कचनरवा पीएचसी लाया गया था। प्राथमिक जांच के बाद उन्हें एम्बुलेंस 108 से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोन रेफर किया गया, लेकिन आरोप है कि एम्बुलेंस के ईएमटी द्वारा उन्हें निर्धारित अस्पताल के बजाय बिना पंजीकरण संचालित ग्लोबल हॉस्पिटल पहुंचा दिया गया। वहां ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत हो गई, जबकि नवजात सुरक्षित बताया गया।

घटना के बाद जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर उपजिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. गुलाब शंकर यादव, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कीर्ति आजाद बिन्द तथा क्षेत्राधिकारी कोन की संयुक्त टीम ने अस्पताल पहुंचकर जांच की। जांच में अस्पताल को अवैध रूप से संचालित पाया गया, जिसके बाद शनिवार को उसे तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। प्रशासन की ओर से अस्पताल संचालक नसीम अहमद के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 104/2026 में धारा 105, 318(4) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं धारा 34 राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्रभारी निरीक्षक कोन अखिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए नसीम अहमद पर 25,000 तथा उसकी सहयोगी सलमा पर 10,000 का इनाम घोषित किया है। पुलिस लगातार दोनों की तलाश में दबिश दे रही है और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि आरोपियों के संबंध में कोई भी सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध रूप से संचालित अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा तथा दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस पर ब्रह्माकुमारीज की जागरूकता रैली

» नशा मुक्ति अभियान के तहत निकाली जनजागरण यात्रा, झांकी और नाटक के माध्यम से दिया संदेश

ललितपुर। अंतरराष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा रविवार को शहर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। भारत नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में जागरूकता रैली, नशा मुक्ति संदेशों से युक्त झांकियां तथा नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से आमजन को तंबाकू एवं अन्य नशों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों से होकर निकली, जिसमें बड़ी संख्या में ब्रह्माकुमारीज के भाई-बहनों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने बैनर, संदेश पट्टिकाओं एवं स्लोगन कार्डों के माध्यम से नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवन शैली अपनाने तथा खुशहाल परिवार एवं सशक्त भारत के निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कुंभकरण की चैतन्य झांकी रही, जिसके माध्यम से लोगों को नशे की लत से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। वहीं बाल कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नशा मुक्ति नाटक ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर प्रस्तुत इस नाटक के जरिए युवाओं और समाज को नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी गई। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने पढ़े-लिखे की यही पहचान, नशा मुक्त हो स्वस्थ इंसान, नशे की आदत छोड़ो, खुशी और जीवन से नाता जोड़ो, तंबाकू रोग बढ़ाता है, यही कैंसर की माता है, सिगरेट मौत का गेट तथा कुछ पल का नशा, सारी उम्र की सजा जैसे प्रभावशाली नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस दौरान ब्रह्माकुमारीज की राजयोगिनी बीके चित्ररेखा दीदी ने कहा कि समाज को नशे की प्रवृत्तियों से मुक्त कर संस्कारवान और आत्मनिर्भर बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से आत्मबल बढ़ाकर व्यक्ति किसी भी प्रकार की नकारात्मक आदत और व्यसन पर विजय प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम में बीके मायारानी दीदी, बीके गीता दीदी, बीके रूबी दीदी, बीके निशा बहन, बीके पूजा बहन, बीके शिवानी बहन, बीके विद्यासागर भाई, एड.रामस्वरूप साहू, केशव प्रसाद पांडे, हरिशंकर साहू, महेश कंचन, रोहित श्रीवास्तव, सुनील चौरसिया सहित बड़ी संख्या में नागरिक, महिलाएं एवं ब्रह्माकुमारी परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

जिला चिकित्सालय को पुराने स्थान पर पुनर्स्थापित करने की मांग, बुंदेलखंड विकास सेना ने जताई चिंता

ललितपुर। स्थानीय कंपनी बाग में बुंदेलखंड विकास सेना (बु.वि. सेना) की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला संयुक्त चिकित्सालय की पुनर्स्थापना को लेकर गहरी चिंता और रोष व्यक्त किया गया। बैठक की अध्यक्षता बु.वि. सेना प्रमुख हरीश कपूर 'टीटू' ने की। बैठक को संबोधित करते हुए हरीश कपूर टीटू ने कहा कि ललितपुर का जिला चिकित्सालय राजकीय मेडिकल कॉलेज में विलय हो चुका है, जिससे गरीब और जरूरतमंद लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय में गरीबों का निःशुल्क इलाज होता था, जबकि मेडिकल कॉलेज में उपचार की शुल्क दरें अपेक्षाकृत अधिक हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जिला संयुक्त चिकित्सालय की पुनर्स्थापना उसके पुराने स्थान कंपनी बाग के सामने स्थित सीएमओ कार्यालय परिसर में अथवा वर्तमान जिला चिकित्सालय भवन में की जाए, जहां पहले मेडिकल कॉलेज की ओपीडी संचालित होती थी। उनका कहना था कि मेडिकल कॉलेज की ओपीडी और वार्ड अब नई बिल्डिंग में स्थानांतरित हो चुके हैं।

जनपद में विशेष नाला सफाई एवं स्वच्छता अभियान प्रारंभ

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जनपद की नगर पालिका परिषद एवं समस्त नगर पंचायत क्षेत्रों में आज विशेष नाला सफाई एवं स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया गया। यह अभियान आगामी एक सप्ताह तक निरंतर संचालित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य वर्षा ऋतु से पूर्व जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा नगर क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना है। अभियान के प्रथम दिवस पर नाला सफाई कार्यों की ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा एवं निगरानी बगीश कुमार शुक्ला अपर जिलाधिकारी ने। की इस दौरान संबंधित अधिशासी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए तथा उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि नालों से निकाले गए कचरे का समयबद्ध निस्तारण कराया जाए तथा स्वच्छता मानकों का पूर्ण अनुपालन हो।

अलग-अलग सड़क हादसों में महिला और बच्चों समेत 9 घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुर्घटना/हादसा

कोंच(जालौन)- बीती रात कोतवाली क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर घटित सड़क हादसों में महिला और बच्चों समेत 9 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार, शनिवार की रात अंशू पुत्र गुड्डू निवासी ग्राम कनासी गांव के ही अपने साथी देवेंद्र और ककईया के साथ बाइक पर सवार होकर कोंच से दुकान की सौदा लेकर वापस गांव जा रहा था। रास्ते में ग्राम तूमरा के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई जिससे तीनों घायल हो गए। एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां गंभीर हालत देख चिकित्सकों ने अंशू को राष्ट्र रेफर कर दिया। दूसरी घटना में ओमप्रकाश पुत्र हरीराम निवासी ग्राम लौना रिश्तेदारी में आयोजित त्रियोदशी कार्यक्रम से वापस लौट रहा था। कोंच-कैलिया रोड पर झलापठा के पास आंधी से सड़क किनारे टूटकर पड़े पेड़ से ओमप्रकाश की बाइक जा टकराई जिससे ओमप्रकाश सहित विवाहित बेटी साधना, बेटी के बच्चे देवांश और रेन्सी गंभीर रूप से घायल हो गए। एंबुलेंस से ले जाकर चारों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। तीसरी घटना में कुलदीप पुत्र कमलेश और संजू पुत्र रामभरोसे निवासी ग्राम टोपोर तीतरा गांव से वापस अपने गांव टोपोर जा रहे थे। जैसे ही बाइक तीतरा गांव से कुछ दूरी पर पहुंची तभी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गई जिससे उक्त दोनों घायल हो गए। राहगीरों की मदद से दोनों को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया।

विश्व तंबाकू दिवस पर कोतवाली में दिलायी गई शपथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर रविवार को कोंच कोतवाली में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सीओ परमेश्वर प्रसाद ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तम्बाकू और उससे बने उत्पादों के सेवन से दूर रहने तथा समाज को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम ने पुलिस विभाग की सामाजिक जिम्मेदारी और जनजागरूकता के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया। सीओ परमेश्वर प्रसाद ने कहा कि तम्बाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। इससे कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की गंभीर बीमारियों

सहित अनेक जानलेवा रोग उत्पन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को तम्बाकू सेवन के दुष्परिणामों से अवगत कराकर स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से आह्वान किया कि वे स्वयं तम्बाकू के सेवन से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा आमजन को भी इसके सेवन से बचने के लिए प्रेरित करें। शपथ के दौरान सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने तम्बाकू एवं नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने का संकल्प लिया। इस मौके पर कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह, एसएसआई विमलेश कुमार सहित कोतवाली में तैनात दरोगा एवं महिला पुरुष सिपाही उपस्थित रहे।

कनहर परियोजना के अधिकारियों की मनमानी से किसानों में उबाल, किया उचित मुआवजा की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र- सिंचाई के लिए निर्माणाधीन बहुचर्चित एलपीबीसी नहर परियोजना की भूमि अधिग्रहण में संबंधित विभाग द्वारा जमकर धांधली करने का मामला प्रकाश में आया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि संबंधित विभाग के अधिकारी की मनमानी इस कदर बढ़ गया है कि उनके द्वारा मनमानी तरीके से किसानों को मुआवजा दिया गया है । बतादें कि शासनादेश के अनुसार भूमि की दर अलग अलग प्रति हेक्टेयर निर्धारित किया गया। इसी क्रम में ग्राम पंचायत कचनरवा निवासी/ कास्तकार राजनारायण जायसवाल के द्वारा जिला धिकारी को लिखे शिकायती पत्र में उल्लेख किया है कि बिना रजिस्ट्री व मुआवजा के ही आराजी संख्या1093 व 963 व 956 में संबंधित परियोजना के अधिकारियों की देख रेख में निर्माण खण्ड प्रथम में कार्य शुरू कराया गया था जिसकी जानकारी मिलते ही

शिकायतकर्ता संबंधित विभाग के अभियंता से सेल फोन पर जानकारी चाही किन्तु अधिकारियों द्वारा किसानों से बात करना उचित नहीं समझा और वहीं विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से ग्राम पंचायत कचनरवा में कुछ लोगो को निर्धारित दर से अधिक रुपये दिया गया है जो जाँच का विषय है। उन्होंने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उचित मुआवजा दिलाने व पूर्व में वितरित किये गए मुआवजा राशि की जाँच कराकर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की माँग किया है।

डीबीए सोनभद्र विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रुको, रोको और टोको अभियान चलायेगा

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर डीबीए सभागार में पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया ! जिसके क्रम में पवन कुमार सिंह एडवोकेट पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र ने कहा कि तंबाकू का सेवन न केवल सेवनकर्ता के स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। कैंसर, हृदय रोग और श्वसन संबंधी बीमारियों का यह प्रमुख कारण है। अधिवक्ता समाज के जागरूक प्रहरी हैं, इसलिए हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम न्यायालय परिसर को पूर्णतः तंबाकू मुक्त बनाएं। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन का प्रत्येक सदस्य आज संकल्प ले कि न स्वयं तंबाकू का सेवन करेगा और न किसी को करने देगा। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता रियाजुद्दीन खान ने कहा कि कोटपा अधिनियम 2003 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान दंडनीय अपराध है।

ललितपुर में भीषण अग्निकांड, करोड़ों के नुकसान का अनुमान

● सेनिटरी-टाइल्स गोदाम में लगी आग, 12 घंटे की मशक्कत के बाद बुझी

● आग की भयावहता देखकर गोदाम संचालक बेहोश, पांच दमकल गाडियों ने 30 से अधिक बार भरा पानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। शहर के झांसी मार्ग स्थित नवीन गल्ला मंडी के सामने एक सेनिटरी और टाइल्स गोदाम में शनिवार देर रात भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि उसे पूरी तरह बुझाने में दमकल विभाग को करीब 12 घंटे तक लगातार मशक्कत करनी पड़ी। इस अग्निकांड में गोदाम में रखा तीन करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का टाइल्स, सेनिटरी और अन्य सामान जलकर राख हो गया। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और देर रात से लेकर रविवार सुबह तक बचाव एवं राहत कार्य चलता रहा। घंटाघर निवासी आकाश गुप्ता का झांसी रोड पर नवीन गल्ला मंडी के सामने सेनिटरी एवं टाइल्स का बड़ा गोदाम है। शनिवार रात करीब 9.30 बजे वह रोजाना की तरह गोदाम बंद कर अपने घर चले गए थे। लगभग आधे घंटे बाद रात करीब 10 बजे उन्हें सूचना मिली कि उनके गोदाम से धुआं और आग की लपटें निकल रही हैं। सूचना मिलते ही आकाश गुप्ता तत्काल मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग को जानकारी दी। आग की भयावह स्थिति देखकर वह सदमे में आ गए और उनकी तबीयत बिगड़ गई। बताया जाता है कि वह बेहोश हो गए, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

दमकल की शुरुआती कोशिशें नाकाम, बढ़ती गई आग

घटना की सूचना पर दमकल विभाग की दो गाडियां तत्काल मौके पर पहुंचीं, लेकिन

आग लगने के बाद अगली सुबह का नजारा

गोदाम के अंदर रखे भारी मात्रा में ज्वलनशील पैकिंग सामग्री और अन्य सामान के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें दूर से दिखाई दे रही थीं और आसपास के व्यापारियों तथा स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। गोदाम के भीतर पानी पहुंचाने में दिक्कत होने के कारण जेसीबी मशीन बुलाकर गोदाम की दीवार तोड़ी गई, ताकि अंदर तक पानी डाला जा सके।

बजाज पावर प्लांट और महरौनी से बुलानी पड़ी अतिरिक्त दमकल

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने अतिरिक्त संसाधन जुटाए। आग बुझाने के लिए बजाज पावर प्लांट और महरौनी से भी दमकल वाहन बुलाए गए। कुल पांच दमकल गाड़ियों ने मोर्चा संभाला और लगातार कई घंटों तक आग बुझाने का अभियान चलाया। दमकल कर्मियों ने 30 से अधिक बार पानी भरकर आग पर नियंत्रण पाने का प्रयास किया। रातभर चले अभियान के बाद रविवार सुबह आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका।

तीन करोड़ से अधिक की संपत्ति स्वाहा

प्रारंभिक आकलन के अनुसार अग्निकांड में तीन करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का टाइल्स, सेनिटरी फिटिंग्स और अन्य निर्माण सामग्री जलकर नष्ट हो गई। गोदाम में रखा अधिकांश माल पूरी तरह राख में तब्दील हो गया। नुकसान का वास्तविक आंकलन राजस्व एवं संबंधित विभागों द्वारा किया जा रहा है।

शॉर्ट सर्किट की आशंका, जांच शुरू

आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को आग लगने की संभावित वजह माना जा रहा है, हालांकि पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

रातभर जुटे रहे अधिकारी और स्थानीय लोग

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और राहत कार्यों की निगरानी की। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने भी दमकल कर्मियों की सहायता की। समय रहते आग को आसपास के अन्य प्रतिष्ठानों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। फिलहाल प्रशासन द्वारा नुकसान का आंकलन और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

ब्रिटिश कालीन पुल पानी में समाया, नवीन अधूरा पुल खोल दिया

कानपुर ग्रामीण। कानपुर के साढ कुडनी मार्ग पर बरई गढ़ गांव के पास स्थित रामगंगा नहर के ब्रिटिश कालीन पुल का मध्य हिस्सा रविवार भोर में टूट कर नहर में समा गया, घटना के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था, ग्रामीणों का कहना है कि हाल ही में नहर पटरी कटने से इस घटना की आंशका पहले से थी, फिर भी नहर विभाग ने अनदेखा किया,अब नवीन बिना रेलिंग वाला निमार्णाधीन पुल खोल कर लोगों के लिए मुसीबत बढ़ा दी है,, स्थानीय लोगों के अनुसार यह पुल काफ़ी पुराना और जर्जर हो चुका था, जिसके चलते पास में नया पुल निर्माणाधीन है,, बावजूद इसके लंबे समय से इसी पुराने पुल के जरिए लोगों का आवागमन जारी था, ग्रामीणों का आरोप है कि नहर विभाग की लापरवाही और समय पर उचित देखभाल न होने के कारण यह हादसा हुआ, ग्रामीणों ने बताया कि नए पुल की किनारे वाली कोठियों से लोहे का पाढ अब तक नहीं हटाया गया था, जिससे कूड़ा-करकट जमा हो गया, परिणाम स्वरूप पानी की निकासी केवल बीच की कोठी से हो रही थी,, संकरी पानी की निकासी के कारण नहर में पानी छोड़े जाने से दबाव और बढ गया जिसका असर पुराने पुल की नींव पर पड़ा, और रविवार भोर समय उसकी बीच की कोठियां टूट कर नहर में समा गई।

आस्तीक मुनि इंटर कालेज कोरिया का प्रबंध तंत्र का बिवाद खत्म

कानपुर ग्रामीण। तहसील क्षेत्र घाटमपुर में स्थित आस्तीक मुनि इंटर कालेज कोरिया ने लंबे समय से चल रहे प्रबंधन बिवाद पर बड़ा फैसला सामने आया है,, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ संतोष कुमार राय, एवं निबंधक कानपुर नगर पारस नाथ गुप्ता ,के आदेशों के क्रम में समिति में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, नव निर्वाचित अध्यक्ष कैलाश नारायण मिश्रा की सहमति से प्रबंधक नीरज तिवारी के स्थान पर राहुल शुक्ला को आस्तीक मुनि इंटर कालेज कोरिया का प्रबन्धक नियुक्त किया गया है,, बताया जा रहा है कि यह कार्य वाही घाटमपुर विधायक सरोज कुरील के दिशा निर्देश एवं निष्पक्ष हस्ताक्षेप के बाद संभव हो सका, जिससे विद्यालय को कथित भ्रष्ट और विवादित प्रबंधन से विद्यालय को मुक्ति मिली है विद्यालय हित एवं शिक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से यह बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया गया है,,जिसकी क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है।

आरटीसी योजना के तहत मार्ग अवरूद्ध कर रहे नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर कार्यवाही

कानपुर। आज दिनांक 31.05.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सुगम यातायात योजना'ReducingTraffic Congestion (RTC) Scheme' के अंतर्गत शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गो पर सड़क किनारे नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा लाउड हेलर के माध्यम से वाहन स्वामियों/चालकों को सूचित करते हुए अपने वाहनों को तत्काल नो पार्किंग क्षेत्र से हटाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके बावजूद भी जिन वाहन स्वामियों द्वारा अपने वाहन नहीं हटाए गए, उनके वाहनों को क्रेन के माध्यम से कुल 11 चार पहिया वाहनों को सम्बन्धित थाने में भेजा गया। वाहन स्वामियों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु अंतिम चेतावनी देते हुए नियमानुसार उनके वाहन सुपुर्द किए गए। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन से अपील कि जाती है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें तथा नो पार्किंग जोन में वाहन खड़ा कर यातायात व्यवस्था बाधित न करें। यातायात नियमों का पालन कर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

शिवली पुलिस से मुठभेड़ में शातिर लुटेरा राहुल गिरफ्तार, मुकदमें एक दर्जन से अधिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। अपराधियों के खिलाफ जारी सफल अभियान में शिवली थाना क्षेत्र में मुठभेड़ की बाद पुलिस ने बाला लूटने वाले शातिर अपराधी राहुल पुत्र अतर सिंह, निवासी ब्रह्मनगर कंजड़ डेरा, थाना अकबरपुर को भी गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका एक साथी पहले ही पकड़ा जा चुका था। जानकारी के मुताबिक शिवली पुलिस को यह सफलता अपने अब तक के कार्यकाल में छोटी बड़ी सभी घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए सभी अपराधियों को जेल भेजने में सफल इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह की अगुवाई में मिली। घटना के समय देर रात पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। उसी समय एक बाइक सवार पुलिस को देख भागने लगा, पीछा करने पर फायर किया। जवाबी फायरिंग में उसके दाएं पैर में गोली लगी और वहीं गिर गया।

अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल अभियान में जुटे इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि हरदिया नाला गांव के राजेश की पत्नी रेखा देवी रविवार को कंडे पाथ रही थी। उसी समय अपाचे बाइक सवार दो लुटेरे आए और पता पूछने के बहाने उनका बाला नोंचकर भाग गए थे। जिसमें पुलिस ने एक आरोपित राजपुर के इस्माइल खां को बीते मंगलवार को ही गिरफ्तार कर लिया था। अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के साथ ही पीड़ितों की सहायता में भी अव्वल इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह के मुताबिक झपटमारी की घटना कारित करने वाले 01 अभियुक्त को एक पीली धातु का कान का बाला व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ कानपुर देहात व आसपास के जनपदों में 01 दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं। लोकहित में अपनी धुन के पक्के इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर की अगुवाई में इस अपराधी को गिरफ्तार करने वाली टीम में सब इंस्पेक्टर शिवेन्द्र कुमार लोकेश कुमार, कांस्टेबल अभिषेक कुमार, रवि, अंकुर और शिववर्धन भी शामिल रहे।

धोखाधड़ी एवं कूटरचना के अभियोग में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना हथिगवां पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए अभियोग उपरोक्त से संबंधित वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। शनिवार को निरीक्षक अयोध्या कुमार, उ0नि0 विवेक पाण्डेय, का0 विपिन सारस्वत एवं रि0म0का0 प्रिया मौर्या द्वारा थाना हथिगवां के दर्ज मुकदमा धारा 420, 467, 468, 471 भादवि में वांछित अभियुक्त रामगोपाल यादव पुत्र कांती श्याम यादव निवासी ग्राम मत्तू का पुरवा, मजरा रैयापुर, थाना कुंडा, जनपद प्रतापगढ़ (हाल पता वृंदावन आवास विकास योजना, तेलीबाग, थाना पीजीआई, लखनऊ) को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी न्यायालय से निर्गत गैर जमानती वारंट के अनुपालन में थाना पीजीआई, कमिश्नरेट लखनऊ के माध्यम से की गई। थाना पीजीआई से अभियुक्त को विधिक अभिरक्षा में प्राप्त कर थाना हथिगवां लाया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

नाले की स्लैब टूटने से बीएड प्रवेश परीक्षा देने आए छात्र नाले में गिरे, कई छात्र घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर के ग्वालटोली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मेकराबर्टगंज में आज उस समय अफरा तफरी मच गई जब एच एन मिश्रा इंस्टीट्यूट में बीएड प्रवेश परीक्षा देने आए छात्र सड़क के किनारे नाले की स्लैब पर खड़े थे और वो स्लैब टूट गई जिससे परीक्षा देने आए लगभग एक दर्जन छात्र नाले में गिर गये।

आनन फानन में स्थानीय लोगों ने उन्हें नाले से बाहर निकाला, अच्छी बात यह रही कि किसी के गंभीर चोट नहीं आई। इससे नगर निगम की किरकिरी हुई कि खड़ा आदमी भी सुरक्षित नहीं है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्वालटोली क्षेत्रान्तर्गत आज दिनांक 31.05.2026 को बी.एड. प्रवेश परीक्षा के अभ्यर्थी, जिनका परीक्षा केंद्र एच.एन. मिश्रा इंस्टिट्यूट था, आवश्यक दस्तावेजों की फोटोकॉपी कराने हेतु नगर निगम मार्केट स्थित एक दुकान पर पहुंचे थे। दुकान के सामने नाले पर रखी जर्जर पटान पर एक साथ कई लोगों के खड़े होने के कारण पटान टूटकर नाले में गिर गई, जिससे कुछ व्यक्तियों को मामूली चोटें आईं। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। अभ्यर्थी सुरक्षित रूप से अपने परीक्षा केंद्र के लिए रवाना हो गए हैं। एक घायल अभिभावक उपचार हेतु अस्पताल गया है। मौके पर पुलिस बल उपस्थित है तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था पूर्णतः सामान्य है।

जमीनी विवाद, मारपीट एवं मकान क्षतिग्रस्त करने के प्रकरण में 03 नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। थाना पट्टी पुलिस द्वारा जमीनी विवाद से संबंधित अभियोग में त्वरित कार्रवाई करते हुए 03 नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त जेसीबी को भी बरामद किया गया है।वादी अरविन्द कुमार मिश्रा निवासी ग्राम रमईपुर दिसनी, पृथ्वीगंज, थाना पट्टी, जनपद प्रतापगढ़ की तहरीर के आधार पर थाना पट्टी पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

शनिवार को विपक्षीगण सत्यम दुबे, शशिधर दुबे, मनीष मिश्रा सहित अन्य नामजद एवं 80-90 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक राय होकर वादी की दुकान व मकान पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। विरोध करने पर गाली-गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी देते हुए जेसीबी से मकान क्षतिग्रस्त कर दिया गया। प्रकरण के संबंध में थाना पट्टी पर अभियोग पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही प्रारंभ की गई। थाना प्रभारी पट्टी आनन्द पाल सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 प्रदीप कुमार, उ0नि0 उमेन्द्र शुक्ला, उ0नि0 मिथिलेश कुमार राय मय हमराह पुलिस बल द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना पट्टी पर पंजीकृत मु0अ0सं0-227/2026 से संबंधित 03 नामजद अभियुक्तों को हरिपुर बरदैता भट्ठा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। अन्य नामजद एवं अज्ञात अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।

धोखाधड़ी एवं कूटरचना के अभियोग से संबंधित अभियुक्त किया गया गिरफ्तार

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना हथिगवां पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए अभियोग उपरोक्त से संबंधित वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। शनिवार को हथिगवां पुलिस द्वारा थाना हथिगवां के धारा 420, 467, 468, 471 भादवि में दर्ज मुकदमा में वांछित अभियुक्त रामगोपाल यादव पुत्र कांती श्याम यादव निवासी ग्राम मत्तू का पुरवा, मजरा रैयापुर, थाना कुंडा, जनपद प्रतापगढ़ (हाल पता वृंदावन आवास विकास योजना, तेलीबाग, थाना पीजीआई, लखनऊ) को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी न्यायालय से निर्गत गैर जमानती वारंट के अनुपालन में थाना पीजीआई, कमिश्नरेट लखनऊ के माध्यम से की गई। थाना पीजीआई से अभियुक्त को विधिक अभिरक्षा में प्राप्त कर थाना हथिगवां लाया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही चालू है।

शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु 09 व्यक्तियों के विरुद्ध की गई निवारक कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। थाना बाघराय में रविवार को उ0नि0 जयसुशील मिश्रा मय हमराह द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका के दृष्टिगत कुल 09 व्यक्तियों को अंतर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत हिरासत में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई।ग्राम दुर्ग सराय भाव में जमीनी विवाद एवं निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों के मध्य तनाव एवं कसीदगी की स्थिति उत्पन्न होने पर 04 व्यक्तियों तथा ग्राम बारौ पटवारा में खड़ंजे की ओर दरवाजा खोलने के विवाद को लेकर 02 व्यक्तियों के विरुद्ध निवारक कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त ग्राम बारौ नगरन का पुरवा में पारिवारिक विवाद के दृष्टिगत 01 व्यक्ति के विरुद्ध भी कार्यवाही की गई। इसी क्रम में थाना बाघराय पुलिस द्वारा ग्राम मण्डल भासो में आबादी भूमि को लेकर उत्पन्न विवाद एवं संभावित शांति भंग की स्थिति के दृष्टिगत राजेन्द्र गौतम पुत्र जमुना प्रसाद गौतम एवं अजय कुमार मौर्या पुत्र सोहनलाल उर्फ मन्नू मौर्या निवासीगण मण्डल भासो थाना बाघराय, जनपद प्रतापगढ़ को अंतर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत हिरासत में लेकर निवारक कार्यवाही की गई।सभी व्यक्तियों को नियमानुसार हिरासत में लेकर गिरफ्तारी की सूचना उनके परिजनों को दी गई तथा सर्वोच्च न्यायालय एवं मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बर्डपुर में शुरू होगी पढ़ाई

● कक्षा 9 से 12 तक की छात्राएं पाएंगी मुफ्त शिक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र बर्डपुर कस्बे में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का माध्यमिक कक्षाओं के संचालन के लिए नया भवन रंग रोगन के साथ बन कर तैयार हैऔर इस साल कक्षाओं का संचालन शुरू हो गया है।छात्राओं को कक्षा आठ के बाद पढ़ने का मौका मिलेगा। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बर्डपुर का भवन करीब एक साल पहले बन कर तैयार हो गया था। लेकिन विद्यालय का पिछला शिक्षा सत्र नहीं चालू हो पाया था। बर्डपुर ब्लाक क्षेत्र में पहले बालिकाओं को पढ़ने के लिए कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में कक्षा 6 से आठ तक की पढ़ाई की व्यवस्था थी।

लेकिन कक्षा आठ उत्तीर्ण करने के बाद बालिकाओं को आगे की पढ़ाई करने के लिए इस क्षेत्र में बालिका विद्यालय नहीं था। आगे की पढ़ाई के लिए शिक्षा विभाग की ओर से कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के नए भवन का निर्माण कराया गया हैं। जहां पर बालिकाओं को कक्षा 9 से 12 तक की पढ़ाई करने का मौका मिलेगा और छात्राओं का एडमिशन हो रहा है।

क्या कहते हैं अधिकारी

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने बताया कि इस सत्र से पढाई शुरू हो जाएगी। शिक्षकों की भर्ती प्रकिया भी बहुत जल्द ही शुरू की जाएगी और जहां तक विद्यालय के बाउंड्री के बनने का सवाल है वह शासन स्तर से लम्बित है।

बड़हरा विशनपुर कंपोजिट विद्यालय में चोरीः ताला तोड़कर सामान उठा ले गए चोर

सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बड़हरा विशुनपुर गांव स्थित कंपोजिट विद्यालय में चोरों ने मुख्य गेट समेत चार दरवाजों का ताला काटकर लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। सहायक अध्यापक जय प्रकाश गोस्वामी ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों के कारण विद्यालय बंद चल रहा है, जबकि सहायक अध्यापकों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगी हुई है। रविवार सुबह करीब 11 बजे वह विद्यालय परिसर में लगे पौधों में पानी देने पहुंचे तो देखा कि विद्यालय के मुख्य गेट और कमरों के चार ताले कटे हुए पड़े हैं। इसके बाद जब उन्होंने अंदर जाकर निरीक्षण किया तो कार्यालय की अलमारी से एक लैपटॉप और एक टैबलेट गायब मिला। वहीं दूसरे कमरे में रखा रसोई गैस सिलिंडर तथा कुछ राशन भी चोरी हो चुका था। घटना की सूचना मिलने पर विद्यालय के अन्य अध्यापक मौके पर पहुंचे। मामले की लिखित शिकायत त्रिलोकपुर थाना पुलिस को देकर चोरी का खुलासा करने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस मामले की जांच में शुरू कर दी है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आईएमए कानपुर द्वारा तंबाकू उत्पादों का दहन कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आज आईएमए कानपुर द्वारा 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' के अवसर पर तम्बाकू सेवन रोकने के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए तम्बाकू से बने हुए पदार्थो का दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आई.एम.ए. के चिकित्सकों ने 'तम्बाकू एवं उससे बने हुए पदार्थों' का दहन किया और नागरिकों से अपील की कि वे तम्बाकू का सेवन न करें, क्योंकि तम्बाकू एवं उससे बने हुए पदार्थों का शरीर पर बहुत ही हानिकारक प्रभाव होता है। आईएमए कानपुर के अध्यक्ष डॉ. अनुराग मेहरोत्रा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 31 मई को तम्बाकू और उससे बने पदार्थों के दुष्प्रभाव के संबंध में जानकारी बढ़ाने तथा तम्बाकू के प्रयोग को कम करने की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) व सहयोगी संस्थाओं द्वारा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस (World No Tobacco Day) मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की थीम है 'आकर्षण का पर्दाफाश - निकोटिन और तम्बाकू की लत का मुकाबला ' निर्धारित की गई है। धूम्रपान न करने वाले लोग यह सोचकर प्रतिदिन कर सकते हैं कि वह भारत में तम्बाकू का सेवन?करने वाले करोड़ों लोगों में शामिल नहीं हैं। उन्हें यह बात भी तसल्ली दे सकती है कि वह धूम्रपान करने वालों के आसपास नहीं बैठते। जबकि वास्तव में धुएं के संपर्क में आकर हर साल जान गंवाने वाले लाखों पैसिव स्मोकर्स भी शुमार नहीं हैं। लेकिन उन्हें यह बात परेशान कर सकती है कि वे सेकेंड हैंड स्मोकिंग के खतरे में हो सकते हैं क्योंकि सिगरेट पीने के घंटों बाद भी वातावरण और सिगरेट के अवशेषों में 250 से ज्यादा घातक रसायन होते हैं।

आईएमए कानपुर की संयुक्त सचिव डॉ. गुल शगुफ्ता ने बताया कि तम्बाकू में कार्बन मोनोऑक्साइड, और टार जैसे जहरीले पदार्थ पाए जाते हैं और यह सभी पदार्थ जानलेवा हैं।

स्वीट्स गुमटी में चोरी, बाल अपचारी संरक्षण में, 1300 बरामद

● आरोपी कमलेश स्वीट्स की गुमटी का ताला तोड़कर 5000 चोरी करना किया स्वीकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज ब्यूरो। अमरुतिया बाजार में कमलेश स्वीट्स की गुमटी का ताला तोड़कर 5000 की चोरी के मामले में कोतवाली पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने एक बाल अपचारी को संरक्षण में लेकर उसके पास से चोरी के 1300 नगद बरामद किए हैं। थाना कोतवाली में मु0अ0सं0 267/26 धारा 303(2), 317(2) BNS के तहत केस दर्ज था। शिकायत थी कि अमरुतिया बाजार स्थित कमलेश स्वीट्स की गुमटी का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने ?5000 नगद चुरा लिए थे।

SP शक्ति मोहन अवस्थी के 'चोरी-अनावरण अभियान' के तहत कोतवाली पुलिस वांछितों की तलाश में थी। पूछताछ में अपना जुर्म कबूला 1300 मिले। प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए एक बाल अपचारी को संरक्षण में लिया। पूछताछ में उसने कमलेश स्वीट्स की गुमटी का ताला तोड़कर 5000 चोरी करना स्वीकार किया। उसके कब्जे से चोरी के 1300 नगद बरामद हुए। बाकी रकम के बारे में पूछताछ जारी है। किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सिंचाई विभाग के कार्यों में भ्रष्टाचार का आरोप, विधायक बोले गुणवत्ता की नहीं की गई जांच

● विधायक ने जिलाधिकारी को लिखा पत्र, जांच कराकर दोषी अधिकारियों की जवाब देही करने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ से अपना दल (एस) विधायक विनय वर्मा ने सिंचाई विभाग की निर्माण परियोजनाओं में कथित अनियमितताओं की जांच प्रक्रिया की पारदर्शिता और अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर निर्माण कार्यो की निष्पक्ष जांच, जनप्रतिनिधियों की भागीदारी और दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने जिलाधिकारी को भेजे पत्र में आरोप लगाया है कि विभाग की विभिन्न परियोजनाओं में घटिया निर्माण और गुणवत्ता संबंधी गंभीर शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इन मामलों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

विधायक ने कहा कि वह पूर्व में भी कई बार जिलाधिकारी को पत्र लिखकर अधिशासी अभियंता कृपा शंकर भारती और वीरेंद्र पासवान के अधीन कराए जा रहे कार्यों में अनियमितताओं के संबंध में तथ्यात्मक साक्ष्य उपलब्ध करा चुके हैं। उनका कहना है कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि जनता के धन से हो रहे कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। उन्होंने मांग की कि किसी भी परियोजना का अंतिम भुगतान या स्वीकृति देने से पहले स्थानीय जनता, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की उपस्थिति में स्थलीय निरीक्षण कराया जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

विधायक ने पत्र में उल्लेख किया कि उन्हें जानकारी मिली है कि सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता विकास सिंह पिछले कुछ दिनों से सिद्धार्थनगर में विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य जताया कि इस दौरे की कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई और न ही क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लिया गया। विधायक विनय वर्मा ने बताया कि जानकारी मिलने पर उन्होंने मुख्य अभियंता से फोन पर बात कर विभागीय परियोजनाओं से जुड़ी शिकायतों और उपलब्ध साक्ष्यों की जानकारी दी। उनका कहना है कि यदि निरीक्षण से पहले जनप्रतिनिधियों से संवाद किया जाता तो स्थानीय स्तर पर मौजूद शिकायतों और जनभावनाओं को सीधे अधिकारियों तक पहुंचाया जा सकता था।

विधायक ने जांच प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कई बार जनप्रतिनिधियों द्वारा उपलब्ध कराए गए कागजात और साक्ष्य जांच में महत्वहीन बना दिए जाते हैं, जबकि कुछ अधिकारियों के मौखिक बयानों को पर्याप्त आधार भी जांच में तथ्य और साक्ष्य है। उन्होंने जिलाधिकारी से यह भी पूछा है कि मुख्य अभियंता के निरीक्षण, समीक्षा और संभावित कार्रवाई की जानकारी जिला प्रशासन अथवा प्रशासन द्वारा गठित जांच समिति के संज्ञान में है या नहीं। यदि नहीं, तो पारदर्शिता की दृष्टि से इसे भी जांच का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विधायक ने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर त्रुटिपूर्ण, घटिया या नियम विरुद्ध कार्यों को संरक्षण देने अथवा दोषी

अधिकारियों को बचाने का प्रयास किया गया तो संबंधित लोगों को जनता के सामने बेनकाब किया जाएगा और उच्च स्तर पर उनकी जवाबदेही तय कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के दौरे केवल औपचारिकता या 'पिकनिक' बनकर नहीं रह जाने चाहिए, बल्कि उनका ठोस और जनहितकारी परिणाम भी सामने आना चाहिए। पत्र के अंत में विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार की सुशासन की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने जनधन की सुरक्षा, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और जनता के विश्वास को प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी बताया।

उमरवैश्य समाज सभा का 21 वां छात्र-छात्रा सम्मान समारोह 28 जून को होगा

● राष्ट्रीय स्तर का होगा छात्र-छात्रा सम्मान समारोह- रोशनलाल उमरवैश्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला उमरवैश्य समाज सभा की एक बैठक सभा के अध्यक्ष गुलाबचंद उमरवैश्य की अध्यक्षता में श्री उमरवैश्य धर्मशाला में संपन्न हुई। जिसमें समाज सभा द्वारा आयोजित 21वां छात्र- छात्रा सम्मान समारोह 28 जून को करने की रूपरेखा बनाई गई। जिसमें इस वर्ष हाई स्कूल, इंटरमीडिएट एवं स्नातक परीक्षा में प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं का सम्मान 28 जून को किये जाने कानिर्णय लिया गया।समाज सभा के संरक्षक समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने बताया कि समाज सभा द्वारा आयोजित छात्र-छात्रा सम्मान समारोह 28 जून को चिलबिला उमरवैश्य धर्मशाला में आयोजित होगा। समाज सभी छात्र-छात्राओं को 15 जून तक अपनी मार्कशीट व एक फोटो समाज सभा के चौधरी व पदाधिकारी के पास जमा करवा दे जिससे 28 जून को ज्यादा से ज्यादा मेधावियों को सम्मानित किया जा सके। निर्णय लिया गया है कि इस बार जिले के अलावा पूरे देश भर से समाज के जो भी मेधावी छात्र-छात्राएं हाई स्कूल, इंटर मीडिएट, स्नातक में प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण हुए हैं वे अपना आवेदन करते हैं तो समाज सभा सभी को सम्मानित करेगा।समाज सभा के अध्यक्ष गुलाबचंद उमरवैश्य ने कहा कि सभी मेधावी अपना आवेदन हर हाल में 15 जून तक समाज सभा के पदाधिकारी जवाहरलाल बच्चा, रमेश चंद्र मेडौली, गुलाबचंद पृथ्वीगंज, विजय कुमार गड़वारा, कृष्ण कुमार किठावर, नारायण दास शंकरगंज, डॉ0 श्याम बभनी आदि अपने नजदीक के पदाधिकारी को उपलब्ध करा दें।

कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मदनलाल आभार ज्ञापन कोषाध्यक्ष कैलाश मैनेजर द्वारा किया गया। सामूहिक विवाह के संयोजक जवाहरलाल बच्चा ने कहा कि सभी पदाधिकारी समाज के मेधावियों के फार्म भरवाने की कृपा करें। इस अवसर पर श्री राम, विश्वनाथ, विजय कुमार, दीपक सभासद, हनुमान प्रसाद, अजय कुमार, देवेंद्र गुप्ता, डॉ0 श्याम, पवनेश कुमार, रमेश, जवाहरलाल बच्चा, गुलाबचंद, मदनलाल, कैलाश मैनेजर आदि समाज सभा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सपा ने पीडीए के संकल्प के साथ मनाई अहिल्याबाई होलकर जी की 301 वीं जयंती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

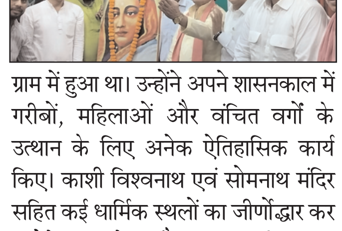

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय में राजमाता अहिल्याबाई होलकर जी की 301वीं जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा पीडीए (पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक) की एकजुटता का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेन्द्र यादव मिन्टू ने किया। अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौंडी ग्राम में हुआ था। उन्होंने अपने शासनकाल में गरीबों, महिलाओं और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक कार्य किए। काशी विश्वनाथ एवं सोमनाथ मंदिर सहित कई धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार कर उन्होंने न्याय, सेवा और सुशासन की मिसाल पेश की। अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए मिशन को मजबूत करते हुए सामाजिक न्याय और समानता के लिए निरंतर संघर्षरत है। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने उनके आदर्शों पर चलने तथा सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली जनगणना में मकान मालिकों की अड़चन, किराएदारों की गिनती में बन रहे बाधा

दिल्ली। दिल्ली में जनगणना के काम में कई जगह मकान मालिक किराएदारों की गणना होने में बाधा बन रहे हैं। दिल्ली के कई क्षेत्रों से आ रहीं ऐसी शिकायतों को देखते हुए जनगणना निदेशालय ने दिल्ली के सभी डीएम से सहयोग मांगा है। दिल्ली के जनगणना निदेशक की ओर से इसे लेकर शनिवार को सभी डीएम के साथ वर्चुअल बैठक की गई, जिसमें बताया गया कि मकान मालिक किराएदारों की सही जानकारी नहीं दे रहे हैं और किरायेदारों को आगे भी नहीं आने दे रहे हैं। निदेशालय के अनुसार श्रमिक भी जनगणना कार्य में सहयोग नहीं दे रहे और उन्हें लग रहा है कि यहां जनगणना में भाग लेंगे तो गांव में मतदाता सूची में नाम कट जाएगा। जबकि किसी का कहीं से नाम नहीं कटने वाला है। इसे लेकर इस बारे में जागरुकता अभियान तेज किए जाने का फैसला लिया गया है। जिसमें मकान मालिकों को यह बताया जाएगा कि जनगणना में किरायेदारों का भाग लेना भी जरूरी है और किरायेदारों के भाग लेने से मकान मालिकों के लिए कोई परेशानी नहीं होनी है। जनगणना निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि जनगणना में ली गई सभी जानकारी गोपनीय रखी जाती है। उन्होंने कहा कि शहर के समुचित विकास और भविष्य की योजनाओं के लिए शहर के हर व्यक्ति का गणना में शामिल होना जरूरी है। दिल्ली की कुल आबादी में करीब 35 प्रतिशत लोग किरायेदार हैं। इस समय एमसीडी क्षेत्र में गृह सूचीकरण का काम चल रहा है। एमसीडी क्षेत्र में 3170 802 घर हैं और 13579245 की आबादी रहती है। वर्ष 2027 की जनगणना के पहले चरण के तहत गृह सूचीकरण और गृह जनगणना (एचएलओ) के लिए एमसीडी क्षेत्र में 16 मई से अभियान शुरू किया गया है। सबसे ज्यादा 5948 हाउस लिस्टिंग ब्लाक उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हैं, जबकि सबसे कम 585 नई दिल्ली जिले में हैं। एमसीडी क्षेत्र में जारी जनगणना में जनगणनाकर्मियों को कई इलाकों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि मकान मालिक किराएदारों को जनगणना में शामिल होने से रोक रहे हैं। बता दें कि एमसीडी इलाके के कुल 45,815 हाउस लिस्टिंग ब्लाक (एचएलबी) में से 45,000 ब्लाक में जनगणना का काम जारी है। एक एचएलबी में लगभग 150-200 मकान होते हैं।

ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 7500 चालान काटे और 65 FIR दर्ज

दिल्ली। राजधानी में सड़क सुरक्षा को पुख्ता करने और यातायात को सुचारू बनाने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बीते सप्ताह बड़ा अभियान चलाया। इस दौरान गलत दिशा में गाड़ी चलाने, गाड़ियों में अवैध रूप से काली फिल्म लगाने और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। ट्रैफिक पुलिस ने, ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर 7500 वाहनों के चालान काटे गए और 65 वाहन चालकों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई। एडिशनल पुलिस कमिश्नर, ट्रैफिक, विजयंता गोयल आर्या का कहना है कि यह उल्लंघन सिर्फ नियम तोड़ना ही नहीं है, बल्कि सड़कों पर चलने वाले मासूम लोगों की जान को खतरे में डालना भी होता है। गलत दिशा में वाहन चलाना बेहद लापरवाह तरीका है, जिससे अक्सर आमने-सामने की भीषण टक्कर हो जाती है जिससे कई बार लोगों की जान भी चली जाती है। अवैध तरीके से काली फिल्म लगाकर वाहन चलाने से ड्राइवर की दृश्यता कम हो जाती है और पुलिस को भी निगरानी करने में दिक्कत आती है। शराब के नशे में वाहन चलाने से ड्राइवर का वाहन पर नियंत्रण नहीं रहता, जिससे न सिर्फ उसकी बल्कि राहगीरों और अन्य वाहन चालकों की जान पर बन आती है। इस अभियान के तहत दिल्ली पुलिस ने शहर के मुख्य मार्गों, हाईवे, कमर्शियल सेंटर्स और दुर्घटना संभावित इलाकों में इस तरह की कार्रवाई की। संयुक्त आयुक्त ट्रैफिक संजय कुमार त्यागी का कहना है कि जनता की सुरक्षा से समझौता करने वालों के खिलाफ हमारी ''जीरो टालरेंस'' की नीति है। गलत दिशा, काली फिल्म और ड्रंकन ड्राइविंग के खिलाफ यह सख्त अभियान आगे भी पूरी सख्ती से जारी रहेगा। बार-बार नियम तोड़ने वालों और दूसरों की जान खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से जिम्मेदार बनने की अपील की है। साथ ही यह भी कहा कि सड़क सुरक्षा हर नागरिक की साझी जिम्मेदारी है। आपकी एक पल की लापरवाही किसी के परिवार को कभी न भरने वाला जख्म दे सकती है। लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करें और यदि कहीं कोई खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाता दिखे, तो उसकी शिकायत पुलिस से करें ताकि दिल्ली की सड़कों को सुरक्षित और अनुशासित बनाया जा सके। दिल्ली पुलिस आने वाले हफ्तों में भी इस तरह के विशेष अभियान जारी रखेगी ताकि सड़क हादसों को रोका जा सके और यातायात व्यवस्था को सुधारा जा सके।

'सिर्फ भारत ने ही नहीं, नेपाल ने भी जमीन पर कब्जा किया', सीमा विवाद पर बोले पीएम बालेन शाह

● नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा कि भारत और नेपाल कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा सीमा विवाद को सुलझाने के लिए इतिहासकारों और विशेषज्ञों की मदद लेंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को कहा कि काठमांडू और नई दिल्ली एक लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने के लिए इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की मदद लेने के लिए सहमत हो गए हैं। नेपाल और भारत के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। दोनों देश इन इलाकों पर अपना दावा करते हैं। ये इलाके भारत, तिब्बत और नेपाल के तिराहे के पास स्थित हैं। भारत का कहना है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं और उसने कहा कि इस मुद्दे को द्विपक्षीय बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए।

सीमा विवाद पर नेपाल और भारत में बातचीत

विवादित जगहों के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में बालेन शाह ने संसद में कहा, 'नेपाल सरकार ने भारत को आधिकारिक तौर पर एक राजनयिक नोट भेजा है, जिसमें भारत द्वारा इलाके पर कब्जे का मुद्दा उठाया गया है, जिलमें लिपुलेख भी शामिल है और हमें उनका जवाब भी मिल चुका है।'

उन्होंने कहा, 'दोनों देश राजनयिक तरीकों से इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और संबंधित विशेषज्ञों की मदद से, साथ बैठकर इस मुद्दे को सुलझाने पर सहमत हो गए हैं।'

दोनों देशों का एक दूसरे की जमीन पर कब्जे का दावा- शाह

हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर कब्जा नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी भारत के साथ कई जगहों पर ऐसा ही किया है। शाह ने कहा कि आपको एक बात जानकर हैरानी होगी, इसके बारे में मुझे प्रधानमंत्री बनने के बाद ही पता चला है।

दोस्तों की तरह मुद्दे को सुलझाना चाहिए- बालेन शाह

पीएम बालेन शाह ने कहा कि अब दोनों देशों को तथ्यों का अध्ययन करना चाहिए और दोस्तों की तरह साथ बैठकर इस मुद्दे को सुलझाना चाहिए।

नेपाल ने इस मुद्दे पर चीन और ब्रिटेन से साथ भी राजनयिक बातचीत की है, क्योंकि उन्होंने कहा कि यह विवाद उस समय का है जब 1947 में ब्रिटेन सरकार ने इस इलाके को छोड़ा था।

दिल्ली के साकेत हादसे में बड़ी कार्रवाई, MCD के जेई और एई सस्पेंड; अब तक पांच लोगों की मौत

दिल्ली। दिल्ली के सैदुलअजाइब में साकेत मेट्रो स्टेशन के पास हुए हादसे में बड़ी कार्रवाई हो गई है। एससीडी के दो अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। बता दें कि सैदुलअजाइब में एक पांच मंजिला इमारत ढहने से अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। कई घायलों का एम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार सुबह घटनास्थल का दौरा कर अधिकारियों से राहत-बचाव कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा सीएम रेखा गुप्ता ने डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट (DM) के नेतृत्व में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए। अधिकारियों को आस-पास की टूटी-फूटी और खतरनाक इमारतों की जांच करने और सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं। इस दर्दनाक हादसे को लेकर एमसीडी के जेई अमन जैन और एई सुदेश सिंह चौहान को सस्पेंड किया गया है। सीएम रेखा के निरीक्षण के बाद यह कार्रवाई की गई है। हादसे में मरने वाले रवि, नलिन कपिल, पार्वती ओझा की पहचान हो गई है, जबकि पांचवें की पहचान नहीं हो पाई। रवि ने कर्जिगस्तान से एमबीबीएस की डिग्री ली थी और अब पीजी की तैयारी कर रहा था। कैंटीन में दोस्तों के साथ खाना खाने गया था, इसी दौरान हादसे का शिकार हो गया।

वीकेंड पर छा गई मोहनलाल की 'दृश्यम 3', संडे को कमाई से कर दिया सबको पस्त

● मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3 ने दूसरे रविवार को धमाकेदार कलेक्शन किया है। वीकेंड पर फिल्म की कमाई को जंप मिला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। मोहनलाल की सस्पेंस थ्रिलर दृश्यम 3 जब से रिलीज हुई है, तभी से धांसू कमाई कर रही है। यह फिल्म भारत में साउथ, बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों को पछाड़कर आगे निकल गई है। सिनेमा की सबसे चर्चित फ्रेंचाइजी दृश्यम मलयालम में बनी थी जिस पर बाद में अजय देवगन ने इसी नाम से फिल्म बनाई। मलयालम और हिंदी दोनों ही भाषाओं में दृश्यम फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से इतिहास रचा।

दूसरे संडे को दृश्यम 3 की चांदी

अब मोहनलाल दृश्यम 3 लेकर आए हैं और यह फ्रेंचाइजी का फाइनल चैप्टर है। फिल्म को लेकर लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था और जब से यह रिलीज हुई है, तभी से यह धांसू कमाई कर रही है। दूसरे संडे को भी फिल्म ने करोड़ों का कारोबार किया। फिल्म की कमाई शनिवार से ज्यादा हुई है।

दृश्यम 3 का कलेक्शन

सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक, मोहनलाल की दृश्यम 3 को दूसरे संडे को सिर्फ 2570 शोज मिले। इन शोज के जरिए सस्पेंस थ्रिलर ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 5.10 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है। सही आंकड़े इससे ज्यादा भी हो सकता है।

श्रीभूमि जिले के पूर्व हरिनगर में रथयात्रा महोत्सव को लेकर तैयारी बैठक

● 24 सदस्यीय संचालन समिति का गठन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : श्रीभूमि जिले के पूर्व हरिनगर में आयोजित होने वाले 'उत्तर सिंगला जगन्नाथ रथ समारोह महोत्सव-2026' के आयोजन को लेकर रविवार को आनिपुर में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। आनिपुर स्थित नितु सिंह के आवास पर आयोजित इस बैठक में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 21 जुलाई को रथयात्रा महोत्सव को पूर्ण धार्मिक आस्था, गरिमा और उत्सवी माहौल के साथ आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर 24 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया। समिति में नितु सिंह को महासचिव तथा अनिल सिंह को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में बताया गया कि 21 जुलाई को विद्यानगर, आनिपुर और रामकृष्णनगर मार्ग से जुड़े तीन घाटों से भव्य शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। ये शोभायात्राएं राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर पूर्व हरिनगर स्थित श्रीश्री भुवनेश्वर साधुठाकुर कलाक्षेत्र में पहुंचकर एकत्रित होंगी। वहां भगवान श्रीजगन्नाथ देव की आरती, दशावतार गीत एवं नृत्य प्रस्तुति के साथ महोत्सव का समापन होगा। बैठक में चिंता व्यक्त करते हुए बताया गया कि आनिपुर में सिंगला नदी पर स्थित पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण इस वर्ष पांच रथों की भागीदारी अनिश्चित हो गई है। हालांकि आयोजकों ने महोत्सव को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास जारी रखने का भरोसा जताया। इसके अलावा धार्मिक सद्भाव, सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से सभी समुदायों के लोगों से रथयात्रा महोत्सव में भाग लेने की अपील की गई। बैठक में स्वर्गीय चंद्रकांत सिंह एवं द्वीज शर्मा की आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई। बैठक के अंत में महासचिव नितु सिंह ने मीडिया को बताया कि इस वर्ष के रथयात्रा महोत्सव को सर्वजन सहभागिता के साथ सफल बनाने के लिए सभी के सहयोग और सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की जा रही है।

श्रीभूमि जिले के राताबाड़ी में फर्जी दस्तावेज के आरोप में जमीन विवाद, कमीशन टीम के कार्य में बाधा

श्रीभूमि : श्रीभूमि जिले के राताबाड़ी बाजार के निकट सरकारीबाड़ी मौजा के अंतर्गत खसरा नंबर 273 की लगभग सात बीघा भूमि को लेकर विवाद के चलते क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। फखरुद्दीन ने उक्त भूमि को अपनी पैतृक संपत्ति बताते हुए अदालत में मामला (नं. 543/2025) दायर किया है। वादी के अनुसार, आतिकुर रहमान, हिलाल अहमद सहित कुछ लोगों ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर उक्त भूमि को अपने नाम पर नामांतरण (म्यूटेशन) कराकर लंबे समय से उस पर कब्जा कर रखा है। इन दस्तावेजों को निरस्त करने की मांग को लेकर उन्होंने वर्ष 2025 में न्यायालय का रुख किया था। मामले के संदर्भ में न्यायालय द्वारा नियुक्त एडवोकेट कमीशनर रत्नदीप दत्ता आज (31-05-2026) मौके पर भूमि की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण करने पहुंचे। लेकिन निरीक्षण के दौरान आरोपियों की ओर से कार्य में बाधा उत्पन्न किए जाने की शिकायत सामने आई है। आरोप है कि मौके पर मौजूद नजमुल हक, हिलाल उद्दीन, कमाल उद्दीन, राजीव हुसैन, बख्तियार हुसैन और साजिद अहमद ने कमीशन टीम के साथ असहयोगपूर्ण एवं आपत्तिजनक व्यवहार किया, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इसके कारण कमीशन टीम को निर्धारित कार्य पूरा किए बिना ही वापस लौटना पड़ा। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आरोपियों पर पहले भी क्षेत्र में कई भूमि कब्जे से संबंधित आरोप लगते रहे हैं।

काबुनी के सुपर कोच बने- एबी डी विलियर्स

● अब युवा खिलाड़ियों को मिलेगी एआई आधारित विश्वस्तरीय क्रिकेट ट्रेनिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। क्रिकेट ट्रेनिंग को नई पहचान देने वाला एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी ने आज पूर्व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान और ग्लोबल स्टार एबी डी विलियर्स को सुपर कोच नियुक्त करने की घोषणा की है। एबी डी विलियर्स का जुड़ना काबुनी के उस मिशन में एक और बड़ा कदम है, जिसका उद्देश्य हर स्तर के खिलाड़ियों तक वर्ल्ड -क्लास क्रिकेट कोचिंग पहुंचाना है। वे पहले से ही काबुनी सुपर कोच सौरव गांगुली और शेन वाटसन के साथ जुड़े हुए हैं। यह सहयोग काबुनी की अत्याधुनिक तकनीक और एबी डिविलियर्स के गहरे क्रिकेट अनुभव को एक साथ लाता है, जिससे उभरते क्रिकेटरों को डेटा आधारित जानकारी और वास्तविक खेल अनुभव का मजबूत संयोजन मिलेगा। भारत में 12 से 16 वर्ष के युवा खिलाड़ियों को जून में शुरू होने वाले एक नए राष्ट्रीय टूर्नामेंट के जरिए एबी डी विलियर्स की टीम के लिए खेलने का मौका जीतने का अवसर मिलेगा, जिसमें काबुनी की तकनीक का उपयोग किया जाएगा। काबुनी का प्लेटफॉर्म पारंपरिक नेट प्रैक्टिस को बदलने के लिए तैयार किया गया है। यह खिलाड़ी की मूवमेंट और बॉल ट्रैकिंग को रियल टाइम में ट्रैक करता है और उसे आसान व उपयोगी फीडबैक में बदल देता है। अपने खास '1% इम्प्रूवमेंट' मॉडल के जरिए यह सिस्टम छोटी लेकिन तुरंत की जाने वाली गलतियों को सुधारने पर ध्यान देता है, जिससे समय के साथ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बड़ा और प्रभावी सुधार देखने को मिलता है। वॉइस, वीडियो और विजुअल संकेतों को एक साथ जोड़कर काबुनी यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ियों को मिलने वाला फीडबैक केवल आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि आसान, समझने योग्य और तुरंत लागू करने लायक हो। खासतौर पर युवा और सीखने वाले खिलाड़ियों के लिए यह तकनीक ट्रेनिंग को अधिक प्रभावी और सहज बनाती है। एबी डी विलियर्स के जुड़ने से काबुनी ने विश्वस्तरीय क्रिकेट समझ और आसान तकनीक को साथ लाने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। कंपनी का मानना है की हाई -क्वालिटी क्रिकेट कोचिंग केवल पेशेवर खिलाड़ियों या बड़े प्रशिक्षण केंद्रों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हर खिलाड़ी तक आसानी से पहुंचनी चाहिए। काबुनी के सुपर कोच एबी डी विलियर्स ने कहा, 'मेरे लिए क्रिकेट हमेशा खुद को अभिव्यक्त करने का माध्यम रहा है, फिर बात समस्याओं का नया समाधान खोजने की हो या अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने का तरीका ढूंढने की। काबुनी जो बना रहा है, वह बेहद रोमांचक है क्योंकि यह युवा खिलाड़ियों को अपने खेल को समझने, अपनी सहज क्षमता पर भरोसा करने और अपने तरीके से आगे बढ़ने का मंच देता है। मैं अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों की मदद करने के लिए उत्साहित हूं, ताकि वे अलग सोच सकें, खुलकर खेल सकें और अपनी पूरी क्षमता को पहचान सकें। 'काबुनी के संस्थापक और सीईओ निमेश पटेल ने कहा, 'एबी डी विलियर्स क्रिकेट जगत के सबसे खास खिलाड़ियों में से एक हैं। खेल को नए तरीके से देखने और दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता, काबुनी के विजन से पूरी तरह मेल खाती है। हम ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहे हैं जो खिलाड़ियों को सिर्फ तकनीकी रूप से ही नहीं, बल्कि रचनात्मक और मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। एबी के साथ जुड़ने से हम अगली पीढ़ी को क्रिकेट सीखने और अनुभव करने का तरीका बदलने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठा रहे हैं।' यह सहयोग काबुनी के विश्वस्तरीय क्रिकेट अनुभव और एआई आधारित कोचिंग के मेल को और मजबूत बनाता है। यह प्लेटफॉर्म बायोमैकेनिक्स, मोशन ट्रैकिंग और परफॉरमेंस डेटा का उपयोग कर खिलाड़ियों को उनकी जरूरत के अनुसार रियल टाइम फीडबैक देता है। अपने '1% बेटर' सिद्धांत के जरिए यह खिलाड़ियों को छोटे-छोटे सुधार करने में मदद करता है, जो समय के साथ उनके प्रदर्शन में बड़ा बदलाव लाते हैं। काबुनी अपने विस्तार को लगातार आगे बढ़ा रहा है और एबी डी विलियर्स के जुड़ने से कंपनी की उस महत्वाकांक्षा को और मजबूती मिली है, जिसके तहत वह तकनीक आधारित ग्लोबल क्रिकेट कोचिंग इकोसिस्टम तैयार करना चाहती है। यह ऐसा मंच होगा जो जमीनी स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों और शीर्ष स्तर के प्रदर्शन के बीच की दूरी को कम करेगा।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन की बहुआयामी पहल

● देशभर सहित असम में ऑनलाइन सेमिनार व जागरूकता अभियान आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम, 31 मई : विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 के अवसर पर यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम 'अनमास्किंग द अपील - काउंटरिंग निकोटीन एंड टोबैको एडिक्शन' पर केंद्रित इन अभियानों का उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराना रहा।

तमिलनाडु में जन-जागरूकता अभियान

तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में संगठन के सदस्यों द्वारा घर-घर जाकर जागरूकता पत्रक वितरित किए गए। इस दौरान स्थानीय नागरिकों को तंबाकू सेवन से होने वाले कैंसर, हृदय रोग तथा फेफड़ों से संबंधित गंभीर बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई।

पश्चिम बंगाल में ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी

पश्चिम बंगाल में विद्यासागर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, दार्जिलिंग की एनएसएस इकाई के सहयोग से ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया और तंबाकू विरोधी शपथ भी ली। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

असम में ऑनलाइन सेमिनार

इसी क्रम में असम के एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा की एनएसएस इकाई के सहयोग से 'अनमास्किंग द अपील - काउंटरिंग निकोटीन एंड टोबैको एडिक्शन' विषय पर ऑनलाइन सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष राघब चंद्र

नाथ, उपाध्यक्ष सुश्री गोस्वामी, महासचिव मृणाल जोशी, सचिव मानसी शर्मा, विद्यासागर कॉलेज ऑफ एजुकेशन के निदेशक डॉ. बिजय कुमार झा तथा एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिमान भट्टाचार्जी उपस्थित रहे। यूथक्रिया की सचिव मानसी शर्मा ने कहा कि तंबाकू केवल एक लत नहीं बल्कि एक धीमा जहर है। संगठन का लक्ष्य युवाओं को जागरूक कर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि 'चूज़ हेल्थ, नॉट टोबैको' का संदेश हर घर तक पहुंचाना ही संगठन का संकल्प है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने गूगल पर ठोका 30 लाख का जुर्माना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सैनिटरीवेयर कंपनी हिंदवेयर के ट्रेडमार्क के दुरुपयोग के मामले में गूगल पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने कहा कि गूगल केवल एक निष्क्रिय मध्यस्थ नहीं है, बल्कि विज्ञापन प्रणाली में सक्रिय भागीदार के रूप में काम करता है और व्यावसायिक लाभ भी कमाता है।

न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने कहा, गूगल का यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता कि वह केवल मंच उपलब्ध कराता है और इसलिए सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत उसे कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। गूगल की भूमिका केवल तकनीकी मंच तक सीमित नहीं है, क्योंकि वह कीवर्ड सुझाता है, विज्ञापनों की रैंकिंग तय करता है और उससे राजस्व भी अर्जित करता है। कोर्ट ने माना कि किसी पंजीकृत ट्रेडमार्क का कीवर्ड के रूप में इस्तेमाल भी विज्ञापन में उपयोग की श्रेणी में आता है, भले ही वह विज्ञापन के पृष्ठ में दिखाई न दे। कोर्ट ने कहा कि गूगल ट्रेडमार्क वाले शब्दों को

विज्ञापनदाताओं को सुझाव और बिक्री करता है, जिससे उसे सीधा व्यावसायिक लाभ होता है। हाई कोर्ट ने गूगल को हिंदवेयर, हिंदवेयर सैनिटरीवेयर और उससे जुड़े अन्य नामों का कीवर्ड के रूप में उपयोग करने से रोक दिया। अदालत ने दोनों मामलों में 15-15 लाख रुपये, कुल 30 लाख रुपये का हर्जाना हिंदवेयर के पक्ष में देने का आदेश दिया है। यह राशि गूगल को आठ सप्ताह के भीतर जमा करनी होगी। मामला हिंदवेयर लिमिटेड द्वारा 2013-14 में दायर दो वाणिज्यिक मुकदमों से जुड़ा है। कंपनी का आरोप था कि जब कोई उपयोगकर्ता गूगल पर हिंदवेयर सर्च करता था, तो प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के प्रायोजित विज्ञापन सबसे ऊपर दिखाई देते हैं।

पानी से बेंगलूर जा रही युवक रस्ते से लापता

असम धेमाजी। सीसीबरगांव तहचिल के श्रीपाणि के रूपहीपथार गांव के जान बरुआ नौकरी के तालाश में गत 25 तारीख को विकाश चेतिया के साथ बेंगलुरु के लिए ट्रेन से धेमाजी से निकलते हैं। 28 तारीख को जान बरुआ के पत्नी को विकाश चेतिया ने फोन कर जान के लापता होने की खबर देता है। खबर मिलते ही परिवार के लोगों ने तुरंत स्थानीय पुलिस के गठना को अवगत करते हैं। घटना पर पुलिस के जांस पड़ताल कर रही है। अगर किसी व्यक्ति को जान के बारे में कुछ अनुसंधान मिले तो नजदीकी के पुलिस स्टेशन ओर परिवार के 9864541904 मोबाइल नंबर पर संपर्क के लिए परिवार के लोगों ने अपील की।

साइबर फ्रॉड में अब ग्राहक की लापरवाही मानी जाएगी- दिल्ली हाईकोर्ट

● दिल्ली हाई कोर्ट ने साइबर धोखाधड़ी पर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि बैंक की चेतावनियों के बावजूद संदिग्ध लिंक पर क्लिक करके पैसे गंवाने वाले ग्राहक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। साइबर धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि बैंक द्वारा जारी की जाने वाली सुरक्षा चेतावनियों के बावजूद, धोखेबाजों द्वारा भेजे गए संदिग्ध लिंक दबाने के कारण पैसे गंवाने वाले ग्राहक इसके लिए स्वयं जिम्मेदार होते हैं। हाई कोर्ट ने निर्णय सुनाया है कि अगर कोई खाताधारक संदिग्ध लिंक न दबाने की बैंक की चेतावनियों पर नजरअंदाज करता है, तो उसे लापरवाह कहा जा सकता है। पीठ ने कहा कि डिजिटल बैंकिंग और साइबर धोखाधड़ी के संदर्भ में लापरवाही तब भी हो सकती है जब कोई ग्राहक, बार-बार दी गई सलाह और सुरक्षा चेतावनियों के बावजूद, संदिग्ध या अनजान लिंक पर जाता है। इससे उसके बैंकिंग विवरण की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। अदालत ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) द्वारा 2017 में बैंकों को जारी एक सर्कुलर को रिकार्ड पर लिया। इसके तहत अगर भुगतान के दौरान ग्राहक द्वारा विवरण साझा करने में लापरवाही बरती जाती है तो साइबर धोखाधड़ी से हुए नुकसान की जिम्मेदारी ग्राहक की होगी। ऐसे मामलों में, ग्राहक को बैंक को धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने तक पूरा नुकसान खुद उठाना पड़ता है। अदालत ने उक्त टिप्पणी और आदेश स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआइ) की अपील याचिका पर दिया। एक शिक्षाविद ने अपने एसबीआइ के बचत खाते ने साइबर ठगी के कारण 2.60 लाख रुपये गंवा दिए थे। मैसेज के माध्यम से मिले लिंक पर क्लिक करने के कारण दो बार में उनके पैसे कट गए। एसबीआइ ने पैसे देने से यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि लेन-देन वैध लागिन विवरण का इस्तेमाल करके किए गए थे और बैंक ने ओटीपी भी भेजे थे ताकि यह पता चल सके कि पैसे ट्रांसफर करने का अनुरोध किया जा रहा है। आरबीआइ ने एसबीआइ के रुख से आंशिक रूप से सहमति जताई, लेकिन ग्राहक को ठगी से गई धनराशि का एक-तिहाई हिस्सा देने को कहा। हालांकि, पूरी राशि वापस पाने के लिए ग्राहक ने हाई कोर्ट का रुख किया और एकल पीठ ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। उक्त निर्णय को एसबीआइ ने चुनौती दी। एसबीआइ की अपील को स्वीकार करते हुए पीठ ने एकल पीठ के निर्णय को रद करते हुए माना कि ग्राहक यह साबित नहीं कर पाया कि बैंक ने आरबीआइ के नियामक सुरक्षा उपायों का पालन करने में कहां चूक की थी।

दिल्ली हवाई अड्डे पर पकड़ा गया 2.6 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा, तस्कर ने अपनाई नई तरकीब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आइजीआइ) हवाई अड्डे पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने बैंकाक से दिल्ली आए एक भारतीय यात्री को करीब 2.6 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले हाइड्रोपोनिक गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। यह यात्री अपने सूटकेस में वैक्यूम सील पैकेट्स में यह हाइड्रोपोनिक गांजा छुपाकर लाया था। उसे टीम ने उस समय पकड़ा जब वह हवाई अड्डे की ग्रीन चैनल पार करने की कोशिश में था। वहीं मई माह में अब तक कस्टम ने तस्करी के चार बड़े मामलों को पकड़ा है, जिसमें कुल 103 किलोग्राम गांजा बरामद की है और पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। कस्टम अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई 29 मई को की गई। बैंकाक से इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1064 द्वारा दिल्ली पहुंचे एक भारतीय यात्री पर अधिकारियों को शक हुआ। जैसे ही यात्री कस्टम के ग्रीन चैनल (जहां से बिना घोषित सामान वाले यात्री निकलते हैं) को पार कर आगे बढ़ा, सतर्क अधिकारियों ने उसे रोक लिया। जब यात्री के सूटकेस की गहनता से जांच की गई, तो वह सामान्य से काफी ज्यादा भारी महसूस हुआ। इसके बाद जब अधिकारियों ने सूटकेस की बारीकी से तलाशी ली, तो वे दंग रह गए। सूटकेस के ऊपरी और निचले हिस्सों को काटकर बेहद शातिराना तरीके से गुप्त कैविटी बनाई गई थी। इन गुप्त खानों को खोलने पर उनके अंदर से वैक्यूम-सील्ड दो पैकेट बरामद हुए, जिसमें हरे रंग का नशीला पदार्थ भरा था। जांच करने पर इसकी पहचान हाई क्वालिटी हाइड्रोपोनिक गांजे के रूप में हुई, जिसका कुल वजन 2.645 किलोग्राम पाया गया। कस्टम विभाग ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर नशीले पदार्थ को जब्त कर लिया है और आरोपी यात्री को हिरासत में ले लिया है। इस अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी रैकेट के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसका पता लगाने के लिए मामले की आगे की जांच तेजी से की जा रही है।